RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 11 अंक 181
नई दिल्ली, सोमवार, 8 मई, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

विपक्षी एकता विफलः खट्टर
अभिमत-6

जनता का प्यार ब्याज समेत लौटाऊंगा

कर्नाटक के लोगों से प्रधानमंत्री ने कहा, रोड शो को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से अभिभूत हूं

● सोनिया गांधी पर साधा निशाना, कहा-डरी हुई कांग्रेस ने चुनाव से दूर रहने वालों को प्रचार में उतारा

पीएनएस/एजेंसी। नई दिल्ली

बेंगलुरु में रोड शो के दौरान उमड़े जनसमूह का दोनों हाथ उठाकर अभिवादन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस पर करारा हमला करते हुए पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी का नाम लिए बिना एक चुनावी रैली में कहा, अब कांग्रेस इतनी डरी और सहमी हुई है कि जब उनका झूठ काम नहीं आया, तो जो लोग प्रचार में हिस्सा नहीं ले रहे थे, उन्हें लाया जा रहा है। कर्नाटक की जनता की सराहना करते हुए पीएम ने वादा किया, मैं आपको आपके प्यार और आशीर्वाद की मूल गारंटी देना चाहता हूं। मैं कर्नाटक का विकास करूंगा और आपके प्यार को ब्याज के साथ वापस करूंगा।

मोदी ने कहा कि रविवार को बेंगलुरु में आयोजित उनके रोड शो को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से वह अभिभूत हैं। उन्होंने कहा, आज लंबा रोड शो होना था, लेकिन नीट परीक्षा के कारण मैंने अपनी पार्टी को बताया कि हमें इसका ध्यान रखना चाहिए। इसलिए हमने सुबह रोड शो किया और इसे जल्दी खत्म कर दिया। उन्होंने कहा, रविवार होने के बावजूद बेंगलुरु ने जो ताकत दिखाई, जो विश्वास जताया और जो प्यार दिखाया, वह मेरे दिल को छू लेने वाला था। मैं कर्नाटक का ऋणी रहूंगा। उन्होंने कहा कि वह लोगों द्वारा उन पर बरसाए गए प्यार और आशीर्वाद को वापस करना चाहते हैं। वहीं प्रधानमंत्री ने कर्नाटक के शिवमोगा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सोनिया गांधी के प्रचार अभियान में उतरने पर कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

गौरतलब है कि कथित तौर पर स्वास्थ्य कारणों से 2019 के लोकसभा चुनावों के बाद से प्रचार और सार्वजनिक रैलियों से दूर रहने वाली सोनिया गांधी ने शनिवार को हुबली में अपनी पहली चुनावी सभा को संबोधित किया था। प्रधानमंत्री ने निजी क्षेत्र में हर साल दो लाख नौकरियां देने के कांग्रेस के वादे को भी उसका झूठ करार दिया। उन्होंने दावा किया कि राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार ने कोविड-19 महामारी के बावजूद पिछले साढ़े तीन वर्षों में हर साल राज्य में 13 लाख से ज्यादा लोगों को औपचारिक नौकरियां दी हैं। बजरंगबली की जय के नारे के साथ अपने भाषण की शुरुआत करते हुए मोदी ने कहा कि जिस कांग्रेस का लक्ष्य भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण हो, वह कभी नौजवानों का भविष्य नहीं बना सकती। उन्होंने युवा मतदाताओं से कहा, आपके माता-पिता या दादा-दादी को जो मुसीबतें झेलनी पड़ीं, आपका मोदी आपको ऐसी मुसीबतों से गुजरने नहीं देना चाहता है। कांग्रेस को 85 प्रतिशत कमीशन वाली पार्टी करार देते हुए मोदी ने कहा कि विपक्षी पार्टी ने कभी देश के नौजवानों के बारे में नहीं सोचा और यह भाजपा की ही सरकार है, जिसके रहते पिछले नौ साल में देश में हर दो दिन में एक नया कॉलेज बना और हर सप्ताह एक नया विश्वविद्यालय बना।

उन्होंने कहा, कांग्रेस ने पांच साल में निजी क्षेत्र में 10 लाख नौकरियां देने का वादा किया है। यानी हर साल दो लाख नौकरियां। कांग्रेस का यह झूठ पकड़ लिया गया है। वह कैसे लोगों को धोखा दे रही है, इससे पता चलता है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस की सरकारों के दौरान देश का कृषि निर्यात बहुत सीमित था, लेकिन आज भारत कृषि निर्यात करने वाले दुनिया के शीर्ष 10 देशों में शुमार है। उन्होंने कहा, भारत ने रिकॉर्ड कृषि निर्यात किया है। इसका सीधा फायदा देश के किसानों को हुआ है। मोदी ने कहा कि रूस-यूक्रेन संकट के बावजूद उनकी सरकार ने खाद और रसायनों की कभी कोई कमी नहीं होने दी और किसानों पर इसका प्रभाव नहीं पड़ने दिया। रैली की (शेष पेज 9)

कश्मीर पर चीन ने पाक के साथ मिलाया सुर

● चीनी विदेश मंत्री ने कहा, भारत-पाक यूएन चार्टर के अनुसार द्विपक्षीय बातचीत से सुलझाएं कश्मीर मुद्दा

● चीन पर जानकारी की कमी होने की राहुल की टिप्पणी पर जयशंकर ने कसा तंज, वह स्वयं चीनी राजदूत से ले रहे क्लास

पायनियर समाचार सेवा/एजेंसियां। नई दिल्ली/इस्लामाबाद

चीनी विदेश मंत्री किन गैंग और पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो

विदेश मंत्री एस जयशंकर के आतंकवाद और जम्मू-कश्मीर के मुद्दों पर पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी को फटकार लगाने के कुछ दिन बाद बीजिंग ने इस्लामाबाद का समर्थन करते हुए कहा कि इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) चार्टर और सुरक्षा परिषद प्रस्ताव एवं द्विपक्षीय समझौते के अनुसार हल किया जाना चाहिए।

इस्लामाबाद में शनिवार को चीनी विदेश मंत्री किन गैंग और बिलावल जरदारी के बीच हुई मुलाकात के बाद जारी संयुक्त बयान में इसका जिक्र किया गया है। किन गैंग गुरुवार और शुक्रवार को गोवा में शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के तुरंत बाद पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के लिए रवाना हो गए। विदेश मंत्री एस जयशंकर की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में बिलावल ने भी हिस्सा लिया था। जयशंकर ने पाकिस्तान को फटकार लगाते हुए बैठक में कहा था कि पड़ोसी देश को इस पर जवाब देना चाहिए कि वह जम्मू-कश्मीर के अवैध कब्जे वाले इलाकों को कब खाली करेगा। भारत ने हमेशा यह स्पष्ट किया है कि आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते।

इस बैठक में जयशंकर ने बिलावल भुट्टो को आतंकवाद का प्रवक्ता करार दिया था। चीन ने शनिवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच जारी कश्मीर विवाद को संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के अनुसार सुलझाया जाना चाहिए। इस्लामाबाद में पाकिस्तान-चीन सामरिक वार्ता के चौथे दौर के समापन पर दोनों पक्षों ने एक संयुक्त बयान जारी (शेष पेज 9)

मणिपुर में शांति, सेना के ड्रोन व हेलीकॉप्टरों की कड़ी नजर

● हिंसा प्रभावित इलाकों से 23,000 लोगों को शिविरों में ले जाया गया, राज्य में 10,000 सुरक्षाकर्मी तैनात

पायनियर समाचार सेवा। इंफाल

कई दिन से हिंसा की लपटों में घिरे पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में हालात धीरे-धीरे सुधर रहे हैं। राज्य के कुछ हिस्सों में रविवार को कर्फ्यू में ढील दे दी गई, लेकिन सेना के ड्रोन और हेलीकॉप्टर लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। हिंसाग्रस्त क्षेत्रों से अब तक 23,000 लोगों को निकाल कर सैन्य छावनियों समेत अन्य सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है।

गहरे तनाव के बीच पसरी शांति में सेना और असम राइफल्स के जवानों ने फ्लैग मार्च किया। सूत्रों ने कहा कि बीते बुधवार से हिंसा की आग में जल रहे राज्य में करीब 10,000 सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। राज्यपाल अनुसुइया उइके ने सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह और ऑपरेशनल कमांडर आशुतोष सिन्हा के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। राजभवन से जारी एक बयान में कहा गया है कि बैठक में दोनों अधिकारियों ने संकट को हल करने के लिए राज्यपाल के समक्ष अपने सुझाव पेश किए। उइके ने अधिकारियों को (शेष पेज 9)

मणिपुर आरक्षण पर आज सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मणिपुर की स्थिति को लेकर दायर कई याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई होगी। इनमें मेइती समुदाय के लिए अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे के मुद्दे पर उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली सत्तारूढ़ भाजपा के एक विधायक की याचिका भी शामिल है। एक याचिका में आदिवासी संगठन ने मणिपुर में हुई हालिया हिंसा की घटना की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराने की भी गुहार लगाई है। इन सभी याचिकाओं पर प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ सुनवाई करेगी। गौरतलब है कि मणिपुर में बहुसंख्यक मेइती समुदाय की उसे अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में ऑल ट्राइबल स्टूडेंट यूनियन मणिपुर (एटीएसयूएम) की ओर से बुधवार को आयोजित आदिवासी एकजुटता (शेष पेज 9)

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने कहा, सरकार बातचीत के लिए तैयार

हैदराबाद (भाषा)। केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री जी. किशन रेड्डी ने मणिपुर हिंसा में शामिल समुदायों से शांति बरतने की अपील करते हुए शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार बातचीत और मुद्दे के समाधान के लिए तैयार है। रेड्डी ने कहा कि जब लोगों के कल्याण की बात आती है, तो केंद्र सरकार का रुख अड़ियल नहीं रहता और जब किसानों ने तीन विवादित कृषि कानूनों को निरस्त करने की मांग की तो सरकार ने उन्हें वापस ले लिया। मणिपुर में मुख्य रूप से इंफाल घाटी में रहने वाले मेइती समुदाय की ओर से अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग की गई थी। इस मांग को लेकर मेइती और पहाड़ी जिलों में निवास करने वाली नगा और कुकी जनजातियों के बीच दंगे भड़क गए। रेड्डी ने कहा, कृपया मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से हल करने के लिए आगे आएं। भारत सरकार तैयार है। आपने किसानों के मुद्दे को देखा है। जब मामला शांत था तो हमने उन्हें समझाने की कोशिश की। जब मुद्दा हल नहीं हुआ, तो हम उनकी मांग पर सहमत हुए और उन विधेयकों (तीन कृषि कानूनों) को वापस ले लिया गया। इसलिए भारत सरकार अड़ियल नहीं है।

प्रचार पर रोक के दौरान बिना पूर्व मंजूरी विज्ञापन प्रकाशित नहीं होगा: निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली (भाषा)। कर्नाटक में 10 मई को होने वाले मतदान से पहले निर्वाचन आयोग ने एक परामर्श में कहा कि कोई भी पार्टी या उम्मीदवार चुनाव के दिन और एक दिन पहले मीडिया प्रमाणन और निगरानी समिति से मंजूरी के बिना प्रिंट मीडिया में कोई विज्ञापन प्रकाशित नहीं कराएगा। राज्य में चुनाव प्रचार चरम पर पहुंचने के साथ राजनीतिक दलों को जारी परामर्श में निर्वाचन आयोग ने शिष्ट तरीके से प्रचार अभियान पर भी जोर दिया। आयोग ने कहा कि आपत्तिजनक और भ्रामक प्रकृति के विज्ञापन पूरी चुनाव प्रक्रिया को दूषित करते हैं। मीडिया में विज्ञापनों के खिलाफ शिकायतों पर आयोग ने कहा कि राष्ट्रीय दल और स्टार प्रचारक चुनाव प्रचार के अपेक्षित मानकों का पालन करने के लिए बाध्य हैं। संपादकों को एक अलग पत्र में निर्वाचन आयोग ने उन्हें यह स्पष्ट कर दिया कि भारतीय प्रेस परिषद के पत्रकारिता आचरण के मानदंड उनके समाचार पत्रों में प्रकाशित विज्ञापनों सहित सभी मामलों के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराते हैं।

यूपी में दंगों पर लग गया अलीगढ़ का तालाः योगी

● आदित्यनाथ ने कहा-विपक्ष ने तुष्टीकरण किया और हमने सशक्तीकरण

पायनियर समाचार सेवा। अलीगढ़

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व में राज्य में सत्तारूढ़ रही कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) पर समाज को जाति के आधार पर बांटने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि ये दल तुष्टीकरण करते रहे, जबकि मौजूदा भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने समाज के सभी वर्गों का सशक्तिकरण किया है। राज्य में नगरीय निकाय चुनाव के तहत अलीगढ़ में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करने के दौरान आदित्यनाथ ने दावा करते हुए कहा, उत्तर प्रदेश के बारे में लोगों की धारणा बदली, तो अलीगढ़ के बारे में भी सोच बदल गई है। पहले लोग अलीगढ़ आने से भी डरते थे कि पता नहीं कब दंगा हो जाए। लेकिन अब आप देखते होंगे कि कोई माफिया अपराधी सीना तान कर सड़कों पर नहीं चल सकता। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश में दंगों पर लग गया है... अलीगढ़ का ताला। आज उत्तर प्रदेश दंगा मुक्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि अलीगढ़ में आज क्या नहीं है। बुनियादी ढांचा की दृष्टि से देखें तो गाजियाबाद से अलीगढ़ होते हुए कानपुर के चार लेन वाले राजमार्ग का निर्माण युद्धस्तर पर हो रहा है। इतना ही नहीं हरदुआगंज में बिजली संयंत्र भी बिजली निर्माण का काम प्रारंभ कर चुका है।

भारतीय नभ क्षेत्र में 10 मिनट तक उड़ता रहा पाकिस्तानी यात्री विमान

एजेंसी। लाहौर

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) का एक विमान भारी बारिश के कारण लाहौर हवाई अड्डे पर उतरने में विफल रहने पर लगभग 10 मिनट तक भारतीय हवाई क्षेत्र 120 किलोमीटर तक उड़ान भरी। एक खबर में रविवार को यह जानकारी सामने आई है। द न्यूज की खबर के मुताबिक, मस्कट से चार मई को रात आठ बजे लौटा पीआईए का विमान पीके248 भारी बारिश के कारण लाहौर के अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नहीं उतर सका। खबर के मुताबिक, हवाई यातायात नियंत्रक के निर्देश पर पायलट ने आसपास उड़ान भरना जारी रखा और इस दौरान भारी बारिश तथा कम ऊंचाई के कारण वह रास्ता भटक गया। इसके मुताबिक, विमान 13,500 फुट की ऊंचाई पर उड़ते हुए बधाना पुलिस थाने से भारतीय हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गया। भारतीय पंजाब के तरनतारन और रसूलपुर शहर से 40 किलोमीटर की यात्रा करने के बाद विमान वापस लौटा। खबर (शेष पेज 9)

क्विक न्यूज

युवक की हत्या, पिता और भाई ही निकले हमलावर

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के बादलपुर थाना क्षेत्र के दुरयाई गांव में पिता और बड़े भाई ने गोली मारकर बेटे की हत्या कर दी। मृतक कपिल जारचा थाना क्षेत्र के धीरखेड़ा गांव का रहने वाला था। वह अपने मामा के घर बादलपुर थाना क्षेत्र के दुरयाई गांव में आया हुआ था। रविवार की सुबह 5 बजे जब वह घेर में सो रहा था तो अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। बादलपुर थाना प्रभारी रविन्द्र कुमार ने बताया मृतक के मामा धर्मेंद्र की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। मौके पर लगे सीसीटीवी फुटेज को देखा गया तो हमलावर कपिल के पिता और भाई निकले। कपिल अभी दो महीने पहले ही जेल से आया था। उसने अपने चचेरे भाई की हत्या कर दी थी और नशे का भी आदी था। प्रॉपर्टी को लेकर भाई और पिता से उसका विवाद चल रहा था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि वर्ष 2012 में कपिल अपने चचेरे भाई निशांत की हत्या के मामले मे जेल गया था। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी फरार है और पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

केरल में हाउसबोट पलटने से कम से कम 11 लोगों की मौत

भाषा। मलप्पुरम (केरल)

केरल में मलप्पुरम जिले के तानुर इलाके में थूवलथीरम समुद्र तट के निकट रविवार शाम एक हाउसबोट पलटने कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में ज्यादातर बच्चे हैं। हाउसबोट में लगभग 30 लोग सवार थे। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुर्मान, पर्यटन मंत्री पी ए मोहम्मद रियास के साथ बचाव अभियान पर नजर रख रहे हैं। अब्दुर्हमान ने कहा कि हादसे में 11 से अधिक लोगों की मौत हो गई है और उनमें से ज्यादातर बच्चे हैं जो स्कूल की छुट्टियों के दौरान घूमने आए थे। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, और लोगों के नौका के नीचे फंसे होने की संभावना है तथा उन्हें बाहर निकाला जाना है। नौका पलट गई थी। इसकी वजह अभी पता नहीं चली है। पुलिस इसकी जांच करेगी।

हाउसबोट एक ऐसी विशेष नौका होती है जिसे घर जैसा रूप दिया गया हो। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने एक बयान जारी कर हादसे में लोगों की मौत पर शोक जताया और मलप्पुरम के जिलाधिकारी को एक समन्वित आपात बचाव अभियान चलाने का निर्देश दिया। बयान में कहा गया है कि दमकल और पुलिस दल, राजस्व तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और जिले के तानुर तथा तिरूर इलाकों के स्थानीय लोग बचाव अभियान में शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि मंत्री अब्दुर्हमान और रियास बचाव अभियान में समन्वय करेंगे। पुलिस के अनुसार यह हादसा शाम लगभग सात बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि जिन लोगों को पानी से बाहर निकाला गया है, उन्हें नजदीकी निजी तथा सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हादसे की वजह का अभी पता नहीं चला है।

बृजभूषण की गिरफ्तारी के लिए 21 तक का अल्टीमेटम

प्रदर्शनकारी पहलवानों को सलाह देने वाली समिति ने कहा- गिरफ्तारी नहीं हुए तो कुछ अहम फैसला करेंगे

● खाप महापंचायत में किसानों ने प्रदर्शनकारी पहलवानों के साथ मंच किया साझा और मीडिया को संबोधित किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

महिला पहलवान साक्षी मलिक और विनेश फोगाट के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते किसान नेता राकेश टिकैत। फोटोः रंजन डिमरी

प्रदर्शनकारी पहलवानों को सलाह देने वाली 31 सदस्यीय समिति ने रविवार को कहा कि अगर भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह को 21 मई तक गिरफ्तार नहीं किया जाता है तो वे कुछ अहम फैसला करेंगे।

इस बीच विनेश फोगाट ने उन आरोपों को खारिज किया कि इस विरोध प्रदर्शन को किसानों ने हाईजैक (नियंत्रण) कर लिया है। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के प्रवक्ता राकेश टिकैत, खाप महम 24 के प्रमुख मेहर सिंह और संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) (गैर-राजनीतिक) के बलदेव सिंह सिरसा पहलवानों के साथ मंच पर शामिल हुए और मीडिया को संबोधित किया। टिकैत ने यहां इकट्ठा हुई भारी भीड़ को कहा, आज बैठक में खाप पंचायत और एसकेएम के कई नेता शामिल हुए। हमने तय किया कि हर खाप से सदस्य रोज धरना स्थल पर आएंगे। वे दिन में यहीं रुकेंगे और शाम तक लौट आएंगे। उन्होंने कहा, पहलवानों की समिति धरना प्रदर्शन करेगी और हम पहलवानों को बाहर से समर्थन देंगे। हमने 21 मई के लिए बैठक निर्धारित की है। अगर सरकार कोई प्रस्ताव नहीं देती है, तो हम अपनी अगली रणनीति तैयार करेंगे। उन्होंने कहा, अगर कोई आपात स्थिति आती है, पहलवान अगर किसी समस्या का (शेष पेज 9)

खाप पंचायतों से बृजभूषण की भावनात्मक अपील

गोंडा। पहलवानों के गंभीर आरोपों के बाद मुश्किलों का सामना कर रहे भाजपा के सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने दिल्ली के जंतर मंतर पर अपने खिलाफ धरना दे रहे पहलवानों के विरोध प्रदर्शन में खाप पंचायतों के भी उतर जाने के बाद रविवार को एक बयान जारी कर खाप पंचायतों से भावनात्मक अपील की है। फेसबुक पर अपलोड किए गए इस 25 मिनट 18 सेकंड के इस वीडियो को अब तक 16 लाख से ज्यादा लोग देख चुके हैं और 18500 से ज्यादा लोग कमेंट तथा पांच हजार से ज्यादा लोग शेयर कर चुके हैं। सिंह ने शनिवार देर रात अपने फेसबुक पेज पर जारी वीडियो में कहा कि चाचा-ताऊ हम यह नहीं कहते कि आप दिल्ली न आओ, आप दिल्ली आओ, जो दिल में आए करो। मैंने पहले ही दिन कहा था कि एक भी गुनाह मेरे ऊपर साबित हो जाएगा तो मैं फांसी पर लटक जाऊंगा। उन्होंने कहा कि चाचा-ताऊ हमारी बात (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 8 मई, 2023

जेवर एयरपोर्ट से जुड़ेगा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे

फरीदाबाद से ग्रेटर नोएडा तक 33 किलोमीटर लंबा नया ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बनाने का काम शुरू

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे को जोड़ा जाएगा। इसके लिए फ रीदाबाद से जेवर तक 33 किलोमीटर लंबा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बनाया जाएगा। एक्सप्रेसवे का रूट चिन्हित करने के लिए राजस्व विभाग और नेशनल हाइवे अथॉरिटी ने शनिवार को खेतों में पिलर गाड़े हैं। दूसरी ओर भूमि अधिग्रहण करने के लिए किसान नई मुआवजा दरें मांग रहे हैं।

किसानों का कहना है कि अगर मुआवजा बढ़ा दिया गया तो एक्सप्रेसवे के लिए जमीन देने में भी कोई परेशानी नहीं है। हालांकि, अभी मुआवजा दरों को लेकर पेंच फ ंसा हुआ है। राजस्व विभाग के अफसरों का कहना है कि नए ग्रीनफ ील्ड एक्सप्रेसवे के लिए सबसे पहले जमीन चिन्हित की जा रही है। इसके बाद पेड़, पौधे, मकान, ट्यूबवेल बोरिंग और दूसरे आधारभूत ढांचे का पता लगाकर मूल्यांकन किया जाएगा। किसानों की सहमति मिलते ही मशीनों से जमीन का समतलीकरण शुरू होगा। इसके बाद एक्सप्रेसवे का निर्माण किया जाएगा। यह एक्सप्रेस वे जमीन से करीब 2 मीटर ऊंचाई पर बनेगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए डीएनडी फरीदाबाद, बल्लभगढ़ बाईपास और केएमपी एक्सप्रेसवे के लिंक से यह नया ग्रीनफ ील्ड एक्सप्रेसवे शुरू होगा। इसकी कुल लंबाई 33 किलोमीटर होगी। केंद्र सरकार ने भारतमाला परियोजना के तहत नए एक्सप्रेसवे को मंजूरी दी है। इसका करीब 24 किलोमीटर हिस्सा हरियाणा राज्य में है और उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में केवल 9 किलोमीटर हिस्सा है।

ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे भी आपस में इंटरचेंज के जरिए जुड़ेंगे। फरीदाबाद से जेवर की ओर आते हुए 30 किलोमीटर माइलस्टोन पर यह इंटरचेंज बनाया जाएगा।

नए एक्सप्रेसवे के लिए जेवर इलाके के वल्लभनगर उर्फ कारौल बांगर, दयानतपुर, फलैदा बांगर, फलैदा खादर, अमरपुर पलाका और करौली बांगर गांवों में भूमि अधिग्रहण किया जाना है। भूमि अधिग्रहण के लिए मुआवजे दरों पर गौतमबुद्ध नगर जिला प्रशासन और किसानों के बीच बातचीत चल रही है। शनिवार को भी किसान और प्रशासन के बीच बातचीत हुई है। मिल रही जानकारी के मुताबिक मुआवजा दरों में वृद्धि की जाएगी। जिसकी घोषणा जल्दी ही लखनऊ से होगी। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और जेवर तहसील से राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने जमीन का चिन्हीकरण शुरू कर दिया है। शनिवार को 60 मीटर चौड़े ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के लिए खेतों में पिलर गड़े गए हैं। राजस्व विभाग ने कंक्रीट के पिलर गाड़कर एक्सप्रेसवे की सीमा का निर्धारण किया है।

जमीन मुआवजें को लेकर राज्य सरकार लेगी फैसला

जेवर के उपजिलाधिकारी अभय कुमार सिंह ने कहा, किसानों के मुआवजे से जुड़ा प्रकरण उच्चाधिकारियों और शासन के संज्ञान में है। किसानों के हित में राज्य सरकार फैसला करेगी। जल्दी ही भूमि अधिग्रहण का काम शुरू हो जाएगा। आपको बता दें कि यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के लिए पूरे दिल्ली.एनसीआर के शहरों से कनेक्टिविटी तैयार कर रही है। इसी सिलसिले में जेवर एयरपोर्ट को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने का फैसला लिया गया है। इससे फरीदाबाद, गुरुग्राम, पलवल और मेवात के इलाके सीधे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जुड़ जाएंगे। इसी तरह जेवर में बन रहे इस अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, बुलंदशहर, मथुरा, आगरा, बदायूं, बागपत, मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, सोनीपत, पानीपत, बिजनौर और मुरादाबाद से कनेक्टिविटी दी जा रही है।

ग्रेनो वेस्ट मेट्रो परियोजना को वित्त मंत्रालय की मंजूरी

सांकेतिक फोटो

- मेट्रो नोएडा के सेक्टर-51 से शुरू होकर नॉलेज पार्क-5 तक जाएगी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बीच मेट्रो चलाने की योजना एक कदम और आगे बढ़ गई है। इस प्रोजेक्ट से जुड़ी अच्छी खबर सामने आई है। मेट्रो चलाने की मंजूरी के लिए फ ाइल को केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय से मंजूर दे दी है। अब यह फाइल केंद्रीय कैबिनेट भेज दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि कैबिनेट मीटिंग में जल्दी प्रस्ताव रखा जाएगा और मंजूरी मिल जाएगी।

इस लाइन पर मेट्रो नोएडा के सेक्टर-51 से शुरू होकर ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-5 तक जाएगी। दिसंबर 2022 में इस रूट को पब्लिक इन्वेस्टमेंट बोर्ड पीआईबी ने मंजूरी दी थी।

पीआईबी ने इस रूट की संस्तुति करते हुए फाइल को मंजूरी के लिए केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय के पास भेज दिया था। मेट्रो लाइन की फाइल अलग-अलग मंत्रालय से होते हुए वित्त मंत्रालय पहुंची। वित्त मंत्रालय ने अब इसके लिए कैबिनेट नोट तैयार करके प्रस्ताव में शामिल करवाया है। इस परियोजना पर खर्च होने वाले पैसे में 20 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार को देना है। इसी वजह से केंद्र की मंजूरी जरूरी है।

यह रूट 14.958 किलोमीटर लंबा होगा और इसमें नौ स्टेशन होंगे। पहले चरण में नोएडा के सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-2 तक मेट्रो चलेगी। जिसमें पांच स्टेशन होंगे। इनमें नोएडा क्षेत्र में सेक्टर-122 और सेक्टर-123 स्टेशन हैं। जबकि ग्रेटर नोएडा वेस्ट के क्षेत्र में सेक्टर-4, ईकोटेक-12 और सेक्टर-2 में स्टेशन बनाए जाएंगे। नए रूट पर मेट्रो चलने का फायदा ग्रेनो वेस्ट में रहने वाले लाखों लोगों को होगा। यह पर्यावरण फ्रेंडली होगी। अभी लोगों को सेक्टर-51 से ग्रेनो वेस्ट की ओर जाने के लिए ऑटो या कैब का सहारा लेना पड़ता है।

अगर इस महीने कैबिनेट की मंजूरी मिल जाती है तो इसके बाद एनएमआरसी इसके निर्माण के लिए टेंडर जारी करेगा। पहली बार जारी किए गए टेंडर मेंकंपनी का चयन करनेकी प्रक्रिया में तीन से चार महीने का समय लगता है। इसके बाद जिस कंपनी का चयन होगा। उसको काम शुरू करने के लिए कम से कम तीन महीने का समय दिया जाएगा। ऐसे में दिवाली के आसपास काम शुरू हो सकता है।

पर्थला सिग्नेचर ब्रिज से जल्द फर्राटा भरेंगे वाहन

- प्रोजेक्ट को मई के अंत तक जनता को सौंपने की तैयारी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद आने जाने वाले दो लाख वाहनों को जाम से राहत मिलने वाली है। पर्थला गोल चक्कर पर बन रहे सिग्नेचर ब्रिज का निर्माण अंतिम चरण में है।

इस प्रोजेक्ट को मई के अंत तक जनता को सौंपने की तैयारी है। इसके चालू होने से पहले नोएडा अथॉरिटी गोलचक्कर पर सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टिट्यूट से प्लानिंग कराएगी। अभी यहां पर ट्रैफिक डायवर्जन लागू है। इसे आगे चलकर हटाया जाना है। आपको बता दें पर्थला गोल चक्कर पर नोएडा प्राधिकरण पहला केबल सस्पेंशन फ्लाईओवर बना रहा है। यह शहर का पहला सिग्नेचर ब्रिज होगा। जो केबल सस्पेंशन पर टीका होगा। इस ब्रिज के बन जाने के बाद वाहन चालकों के सफर के समय में 30 से 45 मिनट की बचत होगी। नोएडा अथॉरिटी के अधिकारियों ने बताया कि फ्लाईओवर चालू होने से सेक्टर-71 और ग्रेनो वेस्ट की तरफट्रैफिक तेजी से उतरेगा और चढ़ेगा।

फ्लाईओवर पर चढ़ने वाली और उतरने वाली सड़कों की कनेक्टिविटी और डिजाइन सही रहे, यह हिस्सा भी प्लानिंग में शामिल किया जाएगा। फ्लाईओवर के नीचे के रास्तों का डिजाइन और घुमाव की अलग रिपोर्ट बनेगी। इस प्लानिंग के लिए प्राधिकरण सीईओ ऋतु माहेश्वरी ने इंजीनियरिंग विभाग को निर्देश दिए हैं। वहीं दूसरी तरफ कई महीनों से नोएडा में पर्थला गोलचक्कर पर निर्माणाधीन सिग्नेचर ब्रिज तेजी लाने के लिए ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू कर रखा है।

ये प्लान निर्माण कार्य पूरा होने तक जारी रहेगा। इसके तहत सेक्टर-71 से पर्थला गोलचक्कर होकर किसान चौक की ओर जाने वाला यातायात का डायवर्जन है। इस प्रोजेक्ट से करीब दो लाख से अधिक वाहन रोजाना प्रभावित होते हैं। इसके बन जाने के बाद गाजियाबाद, हापुड.मेरठ और नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के वाहन बिना रुके कालिंदी कुंज और डीएनडी की ओर सीधे आ जा सकते है। इस ब्रिज के बनने के बाद किसान चौक पर जाम की स्थिति से निपटना यातायात विभाग के लिए बड़ी चुनौती होगी।

तेज रफ्तार कार ने महिला समेत 3 मजदूरों को कुचला

- हादसे में दो की मौत, तीसरा गंभीर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

तेज रफ्तार कार ने सड़क के पास खड़े मजदूरों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो को अस्पताल ले जाया गया। जहां पर एक मजदूर की अस्पताल के रास्ते मे मौत हो गई, जिसे डॉक्टरों ने अस्पताल पहुंचते ही मृत घोषित कर दिया। एक मजदूर की अभी की हालत नाजुक बनी हुई है।

दरसअल, 10 से 15 मजदूर सेक्टर 135 में एक लेंटर डाल कर आए थे। यह ट्रैक्टर ट्रॉली से अल्फा वन सेक्टर के डोमिनोज गोलचक्कर के पास पहुंच गए। वहां पर ठेकेदार इन सभी लोगों को पैसे देकर इनका हिसाब कर रहा था। बीटा 2 थाना क्षेत्र के अल्फा-2 गेट नं-8 के सामने मेन रोड के किनारे जब इनका हिसाब हो रहा तो कुछ लोग हिसाब करके पीछे हो गए। उसी समय तेज रफ्तार से एक काले रंग की कार आई और तीन मजदूरों को कुचलकर फरार हो गई। टक्कर से महिला देवंती की मौके पर मौत हो गई। जबकि मदन अस्पताल ले जाते समय रास्ते मे ही मौत हो गई। वहीं राजकुमार घायल है।

संक्षिप्त समाचार

गलत तरीके से वाहन चालने वाले का चालान करते पुलिसकर्मी।

गलत तरह से गाड़ी दौड़ाने पर 21 वाहन सीज

नोएडा। विशेष अभियान के तहत नौवें दिन शनिवार को गलत तरीके से वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई करते हुए यातायात पुलिस ने जहां 1350 वाहनों का चालान कियाए वहीं 21 वाहनों को सीज किया गया। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर यातायात पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत नौवें दिन शनिवार को गलत तरीके से वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई करते हुए यातायात पुलिस ने जहां 1350 वाहनों का चालान किया, वहीं 21 वाहनों को सीज किया गया। आपको बता दें कि पुलिस कमिश्नर के निर्देशानुसार पुलिस उपायुक्त यातायात गौतमबुद्धनगर अनिल कुमार यादव के पर्यवेक्षण में कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में 28 अप्रैल से 12 मई 2023 तक सडक सुरक्षा के दृष्टिगत विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत शनिवार को विपरीत दिशा, नो.पार्किंग/अवैध पार्किंग तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरूद्ध यातायात पुलिस द्वारा कार्रवाई की गई।

बंद पड़े घरों को बनाता था निशाना, गिरफ्तार

नोएडा। पुलिस द्वारा लगातार लूट और चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए अनेकों अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी के चलते थाना दादरी पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। थाना दादरी पुलिस द्वारा घरों में घुसकर चोरी करने वाले एक युवक और एक बाल अपचारी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी काफी लंबे समय से चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किये गये आभूषण, मोबाइल व अन्य सामान बरामद किया गया है। थाना दादरी पुलिस ने घरों में चोरी करने वाले आरोपी सोनू को गिरफ्तार किया है। आरोपी सोनू पुत्र नरेंद्र मूल रूप से हरियाणा डेरी के पीछे मोहल्ला गगन विहार दादरी का रहने वाला है। पुलिस ने चोरी में सहभागिता करने वाले एक नाबालिग को भी संरक्षण में लिया गया है। पुलिस ने आरोपी को रूपवास बायपास टी प्वाइंट जीटी रोड के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक सोने का मंगलसूत्र, तीन चांदी की पायलए चार चांदी के सिक्के, दो चांदी के कड़े, चार चांदी की बिछिया, एक एलईडी टीवी, एक मोबाइल बरामद किये गये।

गौतम बुद्ध नगर में वर्ल्ड लाफ्टर डे पर लगे ठहाके

नोएडा। हर साल मई के पहले रविवार को वर्ल्ड लाफ्टर.डे मनाया जाता है, ताकि बढ़ रहे स्ट्रेस और डिप्रेशन जैसी दिक्कत से हसना भूल चुके लोगों को इसके फ ायदों के बारे में बताया जा सके। नोएडा के सेक्टर.21 स्थित जलवायु विहार में लाफ्टर क्लब-2014 में शुरू किया गया था, तब इसके 10 से 15 सदस्य थे। आज इसके सैकड़ों सदस्य हैं और लाफ्टर के माध्यम से शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक तनाव को कम करने में जुटे हैं। यहां वर्ल्ड लाफ्टर डे पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़े, बूढ़े और बच्चे खूब ठहाके लगाकर हसे और दूसरे को हंसाया। लाफ्टर क्लब में कर्नल हरमिंदर सिंह मिले जिनका कहना था कि जीवन में अब हंसी ही महत्व रखती है, यही सीखा मैंने, इसी के चलते मेरी सेहत सुधरी है। हंसी से सिर्फ मेरी सेहत ही नहीं सुधरी है, इसका असर पौधों पर भी होता है। मैं पिछले महीने अमेरिका से आया था तो मेरे सारे प्लांट्स खराब हो गए थे। रोज सुबह में अपने प्लांट के साथ जाकर उन्हें पानी देता हूं, बात करता हूं और हंसता हूं तो वह भी खिल उठे हैं।

गाजियाबाद में पुलिसकर्मियों पर बॉडी वॉर्न लगाकर रखी जाएगी नजर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

पुलिस की मनमानी और दुर्व्यवहार को देखते हुए जिले में डीजीपी और मुख्यमंत्री के निर्देश से एक एहम फैसला लिया गया है। दिए गए निर्देश के मुताबिक अब शहर में तैनात पुलिसकर्मियों पर सीसीटीवी से निगरानी रखी जाएगी।

इस फैसले से पुलिस द्वारा किये गए कार्य पर अधिकारीयों की हर वख्त नजर रहेंगी। डायल-112 पर तैनात पुलिसकर्मियों का काम किसी भी घटना की सूचना मिलते ही समय से मौके पर जाकर पुलिस सहायता प्रदान करना है। लेकिन हाल ही में पीआरवी पर तैनात पुलिसकर्मियों द्वारा उगाही और लोगों से दुर्व्यवहार के मामले काफी सामने आए हैं, जिसके चलते डीजीपी ने डायल.12 के सभी पुलिसकर्मियों को बॉडी वार्न कैमरे से लैस करने के निर्देश दिए हैं।

वहीं गाजियाबाद पुलिस ने डीजीपी के निर्देश बॉडी वार्न पहनने शुरू कर दिए हैं। पुलिस के पास फिलहाल 90 बॉडी वार्न है। 58 चार पहिया पीआरवी और 62 दोपहिया पीआरवी संचालित है।

एनजीटी ने तीन कंपनियों पर 50 करोड़ का जुर्माना लगाया

- गाजियाबाद में पर्यावरण नियमों का उल्लंघन करने का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने उत्तर प्रदेश (उप्र) के गाजियाबाद जिले में पर्यावरण से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने को लेकर उप्र आवास एवं विकास परिषद (यूपीएवीपी) और रियल एस्टेट क्षेत्र की तीन निजी कंपनियों पर कुल 50 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है।

अधिकरण का यह फैसला एक याचिका पर सुनवाई के दौरान आया, जिसमें आरोप लगाया गया है कि चार परियोजनाओं के विकासकर्ता पर्यावरण से जुड़े नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। याचिका के अनुसार, उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद, प्रतीक रियल्टर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एपेक्स हाइट्स प्राइवेट लिमिटेड और गौर एंड संस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड गाजियाबाद में निर्माण परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं, जिनमें यह उल्लंघन हुआ। याचिका में कहा गया है कि पर्यावरण से जुड़े नियमों के प्रमुख उल्लंघनों में वृक्षारोपण और मल-जल शोधन संयंत्रों की अपर्याप्तता शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य को लगातार नुकसान हो रहा है। अधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति एके गोयल की पीठ ने दलीलों और संयुक्त समिति की रिपोर्ट पर विचार किया।

अधिकरण ने पूर्व में समिति का गठन किया था, जिसमें राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और गाजियाबाद जिला मजिस्ट्रेट को शामिल किया गया था। पीठ ने कहा, यूपीएवीपी ने ।,844 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) आवास का निर्माण करके इनकी बिक्री की है।

।,376 आवास कांशीराम योजना के तहत हैं तथा ।,292 आवास गंगा, यमुना और हिंडन अपार्टमेंट योजना में हैं। उक्त योजनाओं में से किसी में जल-मल शोधन संयंत्र (एसटीपी) नहीं हैं।

कुते को पीटने से मना करने पर शिक्षिका से मारपीट

नोएडा। एक बच्चे द्वारा स्ट्रीट डॉग को पीटने से मना करना एक शिक्षिका को भारी पड़ गया। बच्चे की मां ने शिक्षिका के साथ न केवल बदसलूकी की, बल्कि मारपीट भी की।

इस मामले में आरोपी महिला के खिलाफ शिक्षिका ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताया जाता है कि यहां एक बच्चा स्ट्रीट डॉग को पीट रहा था, जिस पर एक महिला अध्यापिका द्वारा बच्चे को डांट दिया गया। जिसके बाद बच्चे की मां और महिला अध्यापिका के साथ कहासुनी की गयी। आरोप है कि बच्चे की मां ने के साथ न केवल बदसलूकी की गई, बल्कि मारपीट भी की गई।

पीएफआई को लेकर तीन गांवों में एटीएस की छापेमारी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के कई इलाकों में एंटी टेरेरिस्ट स्क्वायड ने शनिवार रात छापेमारी की है। तीन गांवों से चार से ज्यादा लोगों को उठाने की खबर है।

इनपुट है कि ये लोग पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया से जुड़े हुए थे। फिलहाल सभी से पूछताछ चल रही है। सूत्रों के अनुसार, नोएडा एटीएस की टीम ने गाजियाबाद के कलछीना, रावली कला और नूरपुर गांव में शनिवार रात आठ बजे के बाद दबिश दी है। कलछीना गांव में पीएफआई के ऑफिशियल मेंबर की संख्या काफ ी तादात में है। यहां पहले भी एटीएस आई थी और कई बार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर चुकी है। कलछीना गांव से तीन लोगों को हिरासत में लेने की सूचना है। इसमें एक व्यक्ति पीएफआई का पश्चिमी यूपी प्रभारी और दूसरा व्यक्ति जिला प्रभारी रह चुका है। गाजियाबाद पुलिस के अधिकारियों ने फिलहाल एटीएस कार्रवाई की जानकारी होने से इनकार किया है। सूत्रों ने बताया कि मेरठ में भी लोकल एटीएस टीम ने दो लोग हिरासत में लिए हैं।

गाजियाबाद में अंतरराज्यीय गांजा तस्कर गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने मादक पदार्थों के दो अंतरराज्यीय सप्लायरों को रविवार को गिरफ्तार किया है। इनसे 21 किलो गांजा बरामद हुआ है।

पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपी खलील खां और सुमित राय हैं। खलील ने बताया पहले नोएडा में गुड़ बेचने का काम करता था, लेकिन आमदनी ज्यादा नहीं थी। इस बीच गांजा बेचने वालों के संपर्क में आ गया और पुड़िया में बेचना शुरू कर दिया। बाद में पता चला कि सुमित नामक व्यक्ति है जो बिहार का रहने वाला है और उड़ीसा में थोक रेट पर गांजा दिलवाता है।

बढ़ी स्कूल फीस वापसी मामले में टालमटोल कर रहे स्कूलों के खिलाफ जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपते अभिभावक।

सीईओ ने सड़क पर घूमकर जाना शहर का हाल

- जन स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कार्यों में लापरवाही मिलने पर तीन ठेकेदारों पर लगाया जुर्माना

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईओ ऋतु माहेश्वरी ने शहर का दौरा किया। सीईओ करीब 4 घंटे तक सड़कों पर घूमीं। इस दौरान जन स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कार्यों में लापरवाही मिलने पर संबंधित 3 कान्ट्रेक्टरों पर 14 लाख रुपए की पेनाल्टी लगाई गई है।

2 स्वास्थ्य सुपरवाइजरों को हटा दिया गया है। 3 स्वास्थ्य निरीक्षक को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है। उद्यान विभाग के चार कांट्रेक्टरों पर 20 लाख की पेनल्टी लगाई गई है। उद्यान विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक को अंतिम चेतावनी जारी की गई है। 4 सुपरवाइजर को हटा दिया गया है। सिविल कार्यों से जुड़े 6 कांट्रेक्टरों पर 30 लाख रुपए की पेनल्टी लगाई गई है। वर्क सर्किल से जुड़े सभी प्रबंधकों को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है।

सीईओ ऋतु माहेश्वरी

साथ ही सभी वर्क सर्किल प्रभारियों को कड़ी चेतावनी दी गई है। जन स्वास्थ्य विभाग के अनुसार एजी इनवायरों पर इंफ्रा प्रोजेक्ट फर्म पर पांच लाख रुपए की पेनाल्टी लगाई गई है। एंटोनी वेस्ट हैंडलिंग सेल पर भी पेनाल्टी लगाई गई है। साईं नाथ सेल्स एंड सर्विसेज पर 4 लाख रुपए की पेनाल्टी लगाई गई है। नॉलेज पार्क 2 में तैनात सुपरवाइजर अमन भाटी को हटा दिया गया है।

साथ ही सेनेटरी इंस्पेक्टर राकेश कुमार और ओमीक्रोन-1 के सेनेटरी इंस्पेक्टर दिनेश कुमार को चेतावनी पत्र जारी किया गया है। उद्यान विभाग के प्रभारी को भी अंतिम चेतावनी दी गई है। प्राधिकरण की सीईओ ऋतु माहेश्वरी का दौरा सुबह से नोएडा एक्सप्रेसवे पर ग्रेटर नोएडा प्रवेश द्वार से शुरू हुआ। शहर की असलियत जानने के लिए सीईओ के औचक निरीक्षण के रूट के बारे में प्राधिकरण अधिकारियों को नहीं बताया था। सीईओ ने सबसे पहले नॉलेज पार्क 1, 2 व 3 की अंदरूनी सड़कों का जायजा लिया। सड़कों के किनारे गंदगी दिखने पर जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कड़ी नाराजगी जाहिर की। इन सेक्टरों में ग्रीनरी मेनटेन न होने पर उद्यान विभाग को भी फटकार लगाई।

चार कॉन्ट्रेक्टरों पर 20 लाख रुपए की पेनल्टी लगाई गई। इसके बाद वे सेक्टर पी थ्री और एल्डिको ग्रीन मिडोज के सामने से होते हुए सेक्टर-36 गोल चक्कर पहुंची। सीईओ ने एल्डिको ग्रीन मिडोज की दूसरी तरफ सर्विस रोड न बनी होने पर नाराजगी जताते हुए शीघ्र निर्माण कराने के निर्देश दिए। सीईओ के पूछने पर संबंधित अधिकारियों ने बताया कि पार्कों में लाइट लगाने का टेंडर फाइनल हो चुका है।

नोएडा में तीन मॉडल पर चलेंगी 50 फीडर बस

- वाहनों की खरीदने के लिए टेंडर जारी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की तरफ से सिटी बस सेवा के लिए 50 फीडर बसों का संचालन किया जाएगा। पहले फेज में 10 बस चलाई जाएंगी। बस को खरीदने के लिए टेंडर जारी किए जाएंगे।

ऋतु माहेश्वरी ने बताया कि बसों के संचालन के लिए इंटरनल रूट फ ाइनल किए जा चुके है। जैसे. जैसे यात्रियों की संख्या बढ़ेगी वैसे बसों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इससे पहले एक कंपनी का चयन लगभग पूरा किया जा चुका था। लेकिन तकनीकी रूप से सक्षम नहीं होने पर टेंडर निरस्त कर दिए गए। इसके लिए नए सिरे से मॉडल के आधार पर टेंडर जारी किए जाएंगे। यहां चलाई जाने वाले सभी बस छोटी यानी 24 सीटर की होंगी। ये बसे मेट्रो फीडर का काम भी करेंगी। इन बसों के लिए 103 बस शेल्टर बनाए जाएंगे। इसमें से 56 बस शेल्टर नोएडा और 47 ग्रेटर नोएडा में बनाएगा। तीन किमी से अधिक सफर तय करने के लिए मुसाफिर को 15 रुपए, 10 किमी के लिए 35 रुपए, 15 किमी के लिए 45 देने होंगे। यानी 15 किमी के बाद प्रति किमी 5 रुपए की दर से लिया जाएगा। हालांकि ये दर अभी प्रस्तावित है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ऐ, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यवाहक कार्यकारी संपादक: विजय प्रकाश सिंह , स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

पहलवानों के समर्थन में जुटीं 250 खाप पंचायतें

चार महिला संगठनों ने देशभर में विरोध प्रदर्शन का किया आह्वान, प्रदर्शनकारियों ने निकाला कैंडल मार्च

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों का धरना प्रदर्शन लगातार जारी है।

करीब दो हफ्ते से धरने पर बैठे पहलवानों को लगातार विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ खाप पंचायत का भी समर्थन मिल रहा है। इसी कड़ी में देशभर की 250 खाप पंचायतें और किसान रविवार को पहलवानों के समर्थन में गरजे। इसे देखते हुए दिल्ली पुलिस ने भी जंतर-मंतर के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है। वहीं धरना स्थल की ओर आने वाले रास्तों और सीमाओं पर बैरिकेडिंग लगाकर सुरक्षा बढ़ा दी गई। पहलवानों के समर्थन रविवार खाप पंचायतों के अलावा पंजाब, हरियाणा, राजस्था से बड़ी संख्या में किसान दिल्ली पहुंचे लेकिन उन्हें सीमाओं पर रोका दिया। पुलिस द्वारा जिन गाड़ियों को रोका गया है उनमें किसानों के झंडे लगे हैं।

रोके जाने को लेकर किसान झंडों के साथ नारेबाजी करने लगे। टीकरी बॉर्डर इसके चलते एक तरफ का ट्रैफिक भी जाम हो गया है। पंजाब से आई महिलाएं खाना बनाने का सामान भी साथ लाईं थी।

महिलाओं ने कहा कि वे महिला पहलवानों को इंसाफ दिलाने आयी हैं। अगर उनको इंसाफ नहीं मिला तो जंतर मंतर पर उनका धरना लंबा भी चल सकता है। इसके लिए वे चाय-पानी और खाने का पूरा इंतजाम करके चली हैं। सरकार से आर-पार की लड़ाई होगी। लववंशीय खत्री खाप के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र खत्री ने बताया कि सभी खापों का धरने पर बैठे खिलाड़ियों को पूरा समर्थन है। उन्होंने कहा कि बृजभूषण शरण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे अन्यथा सभी खापें पहलवान बेटियों के लिए आरपार लड़ाई लड़ेंई लड़ेंगी।

समर्थकों के साथ जंतर-मंतर पर कैंडल मार्च निकालते प्रदर्शनकारी पहलवान।

अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति, भारतीय राष्ट्रीय महिला फेडरेशन, अखिल भारतीय महिला सांस्कृतिक संगठन और अखिल भारतीय अग्रगामी महिला संगठन ने धरना दे रहे पहलवानों के साथ एकजुटता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में सैकड़ों विरोध-प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। भाजपा के महिला विरोधी चेहरे को उजागर करने के लिए महिलाएं गांवों, बस्तियों और मोहल्लों में बैठकें करेंगी। लाखों हस्ताक्षर एकत्र किए जाएंगे, जिन्हें जिलाधिकारियों के माध्यम से प्रधानमंत्री को भेजा जाएगा।

कोर्ट में हुआ साफ, आबकारी नीति मामला पूरी तरह फर्जी : केजरीवाल

● मुख्यमंत्री ने किया दावा, रिश्वत या मनी लॉन्ड्रिंग का कोई ठोस सबूत नहीं, आप को बदनाम करने के लिए रची गई साजिश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि आबकारी नीति मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट के आदेश से साफ हो गया है कि दिल्ली में कोई शराब घोटाला नहीं हुआ है। रिश्वत या मनी लॉन्ड्रिंग का कोई ठोस सबूत नहीं है। अदालत के आदेश से भाजपा और सीबीआई-ईडी के गठजोड़ को जबरदस्त झटका लगा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरा मामला फर्जी है और इसका मकसद केवल आम आदमी पार्टी को बदनाम करना है।

दूसरी ओर, कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज व मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ के साथ पार्टी मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस में आप की वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री आतिशी ने कहा कि इस मामले में गिरफ्तार राजेश जोशी और गौतम मल्होत्रा को कोर्ट ने जमानत दे दी है।

उन्होंने दावा किया कि कोर्ट ने 85 पेज के आदेश में भाजपा और सीबीआई-ईडी द्वारा लगाए गए 100 करोड़ रुपए के घोटाले के आरोप को मनगढ़ंत बताया है। इस पैसे का इस्तेमाल गोवा चुनाव में करने का आरोप भी कोर्ट में धराशायी हो गया है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल से भाजपा के प्रवक्ता प्रेस कांफ्रेंस कर बार-बार दिल्ली में शराब घोटाला होने का आरोप लगा रहे हैं। जो आरोप भाजपा के प्रवक्ता लगा रहे हैं, वे ही आरोप सीबीआई-ईडी की चार्जशीट में हैं।

लेकिन, कोई भी आरोप अदालत में नहीं टिका। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली आबकारी नीति मामले में ईडी के मुख्य गवाह दिनेश अरोड़ा के बयानों को कोर्ट ने अविश्वसनीय और विरोधाभाषी माना है। इस संबंध में मुख्य गवाह या किसी हवाला आपरेटर के फोन से किसी भी प्रकार का डिजिटल या कागजी सबूत या दस्तावेज नहीं मिले हैं।

सीएम बताएं, जांच शुरू होते ही शराब नीति वापस क्यों: भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है कि हवाला घोटाले, शराब घोटाले, दिल्ली जल बोर्ड घोटाले के बाद राज महल बंगला घोटाले में भी केजरीवाल सरकार की पोल खुल गई है। इससे आम आदमी पार्टी के नेताओं की राजनीतिक हताशा बढ़ती जा रही है। सचदेवा ने कहा कि जैसे-जैसे पूर्व मंत्रियों सिसोदिया एवं सत्येंद्र जैन की जेल अवधि बढ़ रही है, स्वयं केजरीवाल एवं मंत्री आतिशी जैसे उनके सहयोगियों को भी जेल जाने का डर सता रहा है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आतिशी पर पलटवार करते हुए कहा है कि समझना चाहिए कि न केवल सीबीआई एवं ईडी और भाजपा बल्कि पूरी दिल्ली जानना चाहती है कि सिसोदिया ने शराब माफिया के 144 करोड़ रुपये क्यों माफ किए।

फैक्ट्री में लगी आग, महिला की मौत

● लैपटॉप कैबिनेट बनाने का होता था काम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दयालपुर इलाके में एक फैक्टरी में आग लगने से वहां काम करने वाली 30 वर्षीय महिला की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि गोकलपुरी निवासी माया चांदबाग स्थित लैपटॉप कैबिनेट बनाने वाली फैक्टरी में काम करती थी। उन्होंने बताया कि शनिवार अपराह्न सवा तीन बजे चांदबाग स्थित एक इमारत में आग लगने की सूचना मिली। उत्तरी-पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) जॉय तिर्की ने बताया कि घटनास्थल के निरीक्षण के दौरान पता चला कि आग इमारत के बेसमेंट (तहखाने) में लगी थी। उन्होंने बताया कि दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने में करीब तीन घंटे लगे, जिसके बाद बेसमेंट के बाथरूम में जला हुआ एक शव मिला।

पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव उसके परिजनों को सौंप दिया गया। डीसीपी ने बताया कि अपराध-रोधी दल द्वारा घटनास्थल का दौरा करने के बाद भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 285 (आग या ज्वलनशील पदार्थ के संबंध में लापरवाह आचरण) और 304-ए (लापरवाही के कारण मौत) के तहत मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि आगे जांच जारी है।

एक माह में गैंगस्टर दीपक बॉक्सर के 15 साथी पकड़े गए : पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्पेशल सेल ने गैंगस्टर दीपक बॉक्सर के 15 साथियों को पिछले एक महीने में गिरफ्तार किया गया है।

बॉक्सर को मेक्सिको में गिरफ्तार किया गया था जिसे पांच अप्रैल को भारत लाया गया। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में महफूज खान उर्फ भूरा दलाल और उसके साथ मोहम्मद जुनैद शामिल हैं, जिन्होंने दीपक को विदेश भागने के लिए फर्जी पासपोर्ट एवं अन्य दस्तावेज प्राप्त करने में मदद की थी। उन्होंने बताया कि दोनों उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों ने दीपक को मुरादाबाद निवासी रवि अंतिल के नाम से फर्जी पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज प्राप्त करने में मदद की थी। उसने बताया कि दोनों के पास से 15 पासपोर्ट, सात आधार कार्ड, इतने ही पैन कार्ड और छह मतदाता पहचान पत्र बरामद किए गए हैं।

अन्य गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रविंदर पहल, दीपक पहल, विक्रम दहिया, सचिन मान, संदीप नरवाल, गविन गरंग, अमित गुलाटी, दिनेश माथुर, कपिल, रोहित, विजय मान, योगेश और अंकेश लाकरा के रूप में हुई है। दीपक गोगी गिरोह का सरगना है जिसने गैंगस्टर जितेंद्र गोगी की वर्ष 2021 में रोहिणी अदालत परिसर में हत्या कर दी थी।

केजरीवाल के महल पर 171 करोड़ खर्च हुए : कांग्रेस

नई दिल्ली। *कांग्रेस ने आरोप लगाया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास पर खर्च की गई राशि 171 करोड़ रुपए है, ना कि 45 करोड़ रुपए, क्योंकि मुख्यमंत्री के आवासीय परिसर के विस्तार के लिए उनकी सरकार को उन अधिकारियों के लिए अतिरिक्त फ्लैट खरीदने पड़े जिनके घरों को या तो ध्वस्त करा दिया गया या खाली करा दिया गया। कांग्रेस प्रवक्ता अजय माकन ने केजरीवाल पर बनावटी तौर पर सादा जीवन जीने और अपने सरकारी आवास पर करोड़ों खर्च करने का आरोप लगाया। माकन ने आरोप लगाया, शीला दीक्षित की पूरी कैबिनेट ने अपने शासन के 15 वर्षों में अपने घरों पर जितना खर्च किया, उसका अरविंद केजरीवाल द्वारा अपने महल के नवीनीकरण पर खर्च की गई राशि से कोई मेल नहीं है।*

कड़ी जांच के बाद ही नीट परीक्षा देने आए छात्रों को स्कूलों में प्रवेश दिया गया। फोटो: रंजन डिमरी

मंगोलपुरी में चाकू से हुए हमले में युवक की मौत

नई दिल्ली। मंगोलपुरी इलाके में रविवार को एक व्यक्ति की चाकू से गोद कर हत्या करने के आरोप में दो भाइयों को गिरफ्तार किया गया और एक किशोर को हिरासत में लिया गया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान जतिन और मोहित के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, जितेंद्र और चार अन्य के बीच हाथापाई हुई जिसके बाद उन्होंने उसे चाकू से हमला कर दिया। एक अस्पताल से सुबह करीब छह बजे एक व्यक्ति के चाकू लगने के जख्मों के साथ भर्ती होने की सूचना मिली। पुलिस उपायुक्त हरेंद्र के सिंह ने कहा कि अपने दोस्तों के साथ शराब पीने के दौरान जितेंद्र ने गुटखा लाने से इनकार करने पर एक आरोपी को थप्पड़ मार दिया। इससे नाराज होकर आरोपी ने जितेंद्र की जांघ में चाकू घोंप दिया। जितेंद्र की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई।

ब्लेड से हमला करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

● अपराध शाखा ने नाबालिग सहित दो आरोपियों का पकड़ा, लूटा मोबाइल बरामद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अपराध शाखा ने लूटपाट की वारदात को अंजाम देने वाले एक शातिर लुटेरे और उसके नाबालिग साथी को पकड़ा है। आरोपी की पहचान शाहदरा निवासी साबिर के रूप में हुई है। इन लोगों के पास से लूटा गया मोबाइल फोन बरामद किया।

विशेष पुलिस आयुक्त रविंदर यादव ने बताया कि 3 अप्रैल की सुबह शिकायतकर्ता पश्चिमी गोरख पार्क में किसी काम से जा रहा था। उसी दौरान तीन लुटेरों ने उसे घेर लिया और उसका मोबाइल फोन लूट लिया। जब शिकायतकर्ता ने शोर मचाया तो उनमें से एक आरोपी ने शिकायतकर्ता के हाथ पर ब्लेड से वार कर दिया। हालांकि, मौके से फरार होते समय आरोपियों की स्कूटी सड़क पर फिसल गरी जिसके बाद वे स्कूटी को सड़क पर छोड़ कर लूटा हुआ मोबाइल फोन लेकर भाग गए। आरोपी साबिर उर्फ पोला को गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही उसके कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन भी बरामद किया गया। साबिर के खुलासे पर एक नाबालिक को भी पकड़ा गया है।

दिल्ली में धूल भरी आंधी और हुई बारिश

● आज भी छाये रहेंगे बादल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के कई हिस्सों में रविवार को धूल भरी आंधी चली और हल्की बारिश हुई जिसके परिणामस्वरूप तापमान इस मौसम के औसत से दो डिग्री नीचे 37.4 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार की सुबह दिल्लीवासियों के लिए सुखद रही और पारा सामान्य से चार डिग्री कम 21.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग ने कहा कि सापेक्ष आर्द्रता 37 से 82 प्रतिशत के बीच रही तथा पालम स्थित वेधशाला में सुबह 8.30 बजे से शाम 5.30 बजे के बीच हल्की बारिश दर्ज की गई। आईएमडी के मुताबिक, सोमवार को दिल्ली में 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज़ सतही हवाओं के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान है। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 38 और 23 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहने की संभावना है। शनिवार को न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 35.1 डिग्री दर्ज किया गया था।

दिल्ली में पिछले दो सप्ताह के दौरान एक के बाद एक आने वाले पश्चिमी विक्षोभ के कारण अब तक मानसून पूर्व मौसम की अवधि (एक मार्च से 31 मई तक) में सामान्य से 200 प्रतिशत से अधिक बारिश हुई है।

प्राथमिक मौसम केंद्र सफदरजंग वेधशाला के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी में इस अवधि में इस बार सामान्य से 221 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है।

आम तौर पर मानसून पूर्व मौसम की अवधि के दौरान यहां 48 मिमी बारिश दर्ज की जाती है। पालम स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, इस बार सामान्य 33 मिमी के मुकाबले 109.9 मिमी बारिश दर्ज की गई है। लोधी रोड (119.5 मिमी), रिज (114.2 मिमी) और आयानगर (113.4 मिमी) में दर्ज की गई बारिश सामान्य से कम से कम 220 प्रतिशत अधिक है। दिल्ली में पिछले 15 दिन से बादल छाए हुए हैं और छिटपुट बारिश हो रही है।

ईवी योजना को मिला स्टेट लीडरशिप अवार्ड

● अप्रैल 2023 तक, दिल्ली में 1.17 लाख इलेक्ट्रिक वाहन हुएउ पंजीकृत : गहलोत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार को अपनी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति के माध्यम से परिवहन व्यवस्था आसान बनाने के लिए इंडिया एनर्जी स्टोरेज एलायंस (आईईएसए) के 6वें इंडस्ट्री एक्सीलेंस अवार्ड में स्टेट लीडरशिप अवार्ड दिया गया है। यह कार्यक्रम प्रगति मैदान में आयोजित किया गया। इसमें उद्योग जगत से कई नामचीन हस्तियों ने भाग लिया। दिल्ली ईवी सेल के सीईओ एन मोहन ने सरकार की ओर से यह पुरस्कार ग्रहण किया।

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि 2022 के बाद से इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री और चार्जिंग बुनियादी ढांचे दोनों में भारी वृद्धि हुई है। ईवी नीति अगस्त 2020 में लांच हुई थी। इसके लांच होने के बाद से इस साल अप्रैल तक दिल्ली में 1.17 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण किया जा चुका है।

संक्षिप्त समाचार

दधीचि देह दान समिति ने मनाया उत्सव

नई दिल्ली। दधीचि देह दान समिति के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा की अध्यक्षता में देहदानियों का 49वां उत्सव स्वामी विवेकानंद स्कूल, आनंद विहार के सभागार में मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि महामण्डलेश्वर नवल किशोर दास एवं अतिविशिष्ठ अतिथियों में प्रांत कार्यकारिणी सदस्य, आर.एस.एस. दयानंद एवं एम्स से एम.डी. डॉ. जयदीप कुमार शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। हर्ष मल्होत्रा ने बताया कि यह समिति पिछले 26 वर्षों से दिल्ली में लोगों को मृत्योपरांत देहदान या अंगदान के लिए जनजागरण कर रही है। इस समिति के अंतर्गत लगभग 14000 लोग मृत्योपरांत देहदान या अंगदान करने का अभी तक संकल्प ले चुके हैं। इसके अलावा 225 से अधिक लोगों ने इस उत्सव में देहदान/अंगदान करने का संकल्प लिया।

हत्या, आपराधिक धमकी के मामले में आरोपी बरी

नई दिल्ली। निचली अदालत ने सात साल पुराने हत्या और आपराधिक धमकी के मामले में एक आरोपी को यह कहते हुए बरी कर दिया कि जांच बहुत ही घटिया थी और अभियोजन पक्ष आरोपों को उचित संदेह से परे स्थापित करने में बुरी तरह विफल रहा है। अदालत राज योग सैनिक फार्म एन्क्लेव के पास 14 मई, 2016 को मंजीत नामक व्यक्ति की चाकू गोदकर हत्या करने के आरोपी शिवम के खिलाफ एक मामले की सुनवाई कर रही थी। उस पर चश्मदीद गवाह गोविंदा को आपराधिक रूप से डराने का भी आरोप लगाया गया था। आरोपी के पास से बिना परमिट वाला एक बड़ा चाकू बरामद किया गया। हाल ही के एक फैसले में, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शिवाली शर्मा ने कहा, रिकॉर्ड पर मौजूद समग्र सबूतों को ध्यान में रखते हुए, मुझे यह मानने में कोई झिझक नहीं है कि अभियोजन पक्ष आरोपी शिवम के खिलाफ लगाए गए अपराधों को रिकॉर्ड के जरिए उचित संदेह से परे साबित करने में बुरी तरह विफल रहा है।

हुक्का बार में हत्या के मामले में 2 नाबालिग पकड़े

नई दिल्ली। फायरिंग के दौरान हत्या मामले में एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। दक्षिण पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त राजेश देव ने बताया कि आरोपित हुक्का बार में किसी और की हत्या करने आए थे, लेकिन गोली नाबालिग के सिर में जा लगी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में 15 व 17 वर्षीय दो नाबालिग आरोपितों को पकड़ा है। पुलिस ने इनके पास से एक बैटन तलवार और एक बुलेट बाइक बरामद कर ली है। आरोपितों सेपूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि किशोरों में से एक के लिए अपमानजनक वीडियो पोस्ट की थी।

राजधानी में पहली बार चेरी ब्लॉसम, चिनार के पौधे लगाए गए

यमुना के किनारे 1400 से पुष्पीय पौधे लगाए, इन पौधों में भरपूर हैं सौंदर्य और औषधीय गुण

● उपराज्यपाल ने पौधों के बीजों का भी किया छिड़काव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में पहली बार चेरी ब्लॉसम और चिनार करे पौधे लगाए गए हैं। इसके अलावा कुदसिया घाट से आईटीओ बैराज समेत तीन जगहों पर 1400 से ज्यादा अन्य पुष्पीय पौधे लगाए गए हैं। ये पौधे सौंदर्य और औषधीय गुणों से भरपूर होंगे। जल्द ही सफेद और गुलाबी चेरी ब्लॉसम और सुर्ख लाल और पीले पत्तों से लदे चिनार के पेड़ आसपास की खूबसुरती में चार चांद लगाते हवा में झुलते हुए दिखेंगे। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने दिल्ली को हराभरा बनाने और यमुना नदी के किनारों का सौंदयीकरण करने की अनूठी पहल करते हुए पौधारोपण की शुरू किया है। इसके अलावा उन्होंने यमुना के किनारे कई तरह के मौसमी पुष्पीय पौधों के बीजों का भी छिड़काव किया।

यमुना के किनारों पर चेरी ब्लॉसम और चिनार के अलावा कचनार, वीपिंगविलो, सेमल, बॉटल ब्रश, बोगनविलिया और कनेर भी हजार से ज्यादा पौधे लगाए गए हैं। उपराज्यपाल की मौजूदगी में यमुना नदी के तीनों किरानों पर रविवार को कुल 1733 पौधे लगाए गए। चिनार और चेरी ब्लॉसम के पौधों को किनारों के सबसे ऊंचे क्षेत्र में लगाया गया है। इन पौधों को एक दूसरे से 3 मीटर की दूरी पर लगाया गया है जबकि बाकी बचे जगहों पर ग्रिड फॉर्मेशन में अन्य पौधे लगाए गए हैं।

उपराज्यपाल कार्यालय के अधिकारियों ने बताया कि चेरी ब्लॉसम जापान का पर्णपाती पेड़ है जो भारत के कई स्थानों जैसे बेंगलुरु, मुंबई, शिमला और शिलांग के वातावरण के अनुकूल है। इसी तरह चिनार भी एक पर्णपाती पेड़ है जो पत्तियों के अपने शानदार आकार और रंग के लिए जाना जाता है। चिनार के एक पेड़ से साल में 300-400 किलोग्राम पत्तियां निकलती है। इन पत्यिों से जैविक खाद बनाई जा सकती है। देश में चिनार के पेड़ ज्यादातर जम्मू और कश्मीर में पाए जाते हैं। यह पहली बार है कि चिनार और चेरी ब्लॉसम को दिल्ली में लगाने का प्रयास किया गया है।

एलजी की योजना दिल्ली को सिटी ऑफ फ्लावर बनाने की है। इसके लिए वे लगातार प्रयास कर रहे हैं और व्यक्तिगत स्तर पर विभिन्न एजेंसियों के साथ समन्वय के साथ साथ इस दिशा में हो रही प्रगति की समीक्षा भी करते हैं।

अधिकारियों ने एलजी को बताया कि चिनार और चेरी ब्लॉसम के पौधों को एक महीने तक संतुलित वातावरण में नर्सरी में रखा गया ताकि दिल्ली के मौसम के मुताबिक हो सकें। इसके बाद यमुना के इन तीनों किनारों पर लगाया गया है।

ड्रोन से भी फूलों के बीज का होगा छिड़काव

यमुना के दोनों किनारों पर ड्रोन से फूलों के बीज बोए जाएंगे। उम्मीद है कि दो से तीन सप्ताह के अंदर ये पौधे नदी के किनारे हरियाली बढ़ाने में मददगार होंगे। यमुना किनारे अपरदन न हो, इसके लिए मजबूत झाड़ी वाली घास लगाई गई हैं। पौधारोपण के अलावा एलजी ने साफ सफाई का भी जायजा लिया और तेजी से हो रहे कामों पर संतोष व्यक्त किया।

जो व्यक्ति समाज व देश की रक्षा का दायित्व ले, वही क्षत्रिय

इतिहास की किताबों में अब देश के सच्चे शूरवीरों व अमर बलिदानियों को उनका उचित स्थान दिया जा रहा

पायनियर समाचार सेवा। सोहना/गुरुग्राम

गुरुग्राम के खंड सोहना में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती समारोह में बोलते केंद्रीय अनुराग ठाकुर। अतिथियों का स्वागत करते आयोजक।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा खेल एवं युवा कार्यक्रम मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि भारत की भूमि वीरों व महापुरुषों की जननी है। यहां की संस्कृति व मान्यताओं में देश प्रेम सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि क्षत्रिय समाज ने हमेशा से देश के विकास के लिए कार्य किया है। केंद्रीय मंत्री ने क्षत्रिय को परिभाषित करते हुए पुराणों का जिक्र करते हुए कहा कि जो व्यक्ति समाज व देश की रक्षा का दायित्व ले, वही क्षत्रिय है। केंद्रीय मंत्री रविवार को सोहना के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में आयोजित महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर आयोजित क्षत्रिय महाकुंभ में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार लगातार ये कोशिश कर रही है कि पूर्व में हमारी युवा पीढ़ी को जो गलत इतिहास पढ़ाया गया है, उसे दुरुस्त किया जाए। तमाम विरोध के बावजूद हमारे प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी आक्रांताओं का महिमामंडन करने वाली हमारी इतिहास की किताबों में अब देश के सच्चे शूरवीरों व अमर बलिदानियों को उनका उचित स्थान दिया जा रहा है। एनसीआरटी की किताबों में आपको ये बदलाव धीरे-धीरे नजर आने लगेगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से इतिहास की किताबों में वास्तविकता को स्थान दिया जा रहा है, आने वाले समय मे हमारी युवा पीढ़ी पूर्व की सरकारों से यह सवाल जरूर करेंगी कि उन्हें गलत इतिहास क्यों पढ़ाया गया। उन्होंने कहा कि आज देशवासियों को विभिन्न फिल्मों के माध्यम से इतिहास की सच्चाई से अवगत कराया जा रहा है। उन्हें पूरी आशा है भविष्य में महाराणा प्रताप की वीरता व मातृभूमि के प्रेम पर आधारित उनके स्वाभिमान से परिचय कराने वाली फिल्म भी बनेगी। केंद्रीय मंत्री ने महाराणा प्रताप की वीरता का जिक्र करते हुए देश के युवाओं से आह्वान किया कि देश के युवाओं को उस वक्त के भारत के मैप को निकालकर देखना चाहिए कि कैसे मुगलों के दवाब में आधे से अधिक देश के राजाओं ने घुटने टेक दिए थे। पूरा मैप आपको हरा नजर आएगा, लेकिन राजपूताना में एक बहुत छोटा सा भगवा रंग का हिस्सा महाराणा प्रताप की शौर्य गाथा बताने के लिए काफी है। उन्होंने कहा कि इतिहास के पन्नों को अगर पलटा जाए तो भारत के वीर सपूतों में महाराणा प्रताप का नाम शीर्ष पर मिलेगा।

समारोह में विशिष्ट अतिथि एवं केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि स्वाधीनता की लड़ाई में महाराणा प्रताप अकेले ऐसे योद्धा थे जिन्होंने देश व धर्म के लिए इतना लंबा संघर्ष किया। उन्होंने पन्नाधाय के बलिदान का जिक्र करते हुए कहा कि किसी भी देश के आजादी के इतिहास में इससे बड़ा बलिदान देखने को नहीं मिलता है। केन्द्रीय राज्य मंत्री ने भामाशाह के योगदान का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष भाजपा हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि महाराणा प्रताप ने शौर्य व बलिदान की जो अलग जगाई थी। वह सर्व समाज के लिए प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी को महाराणा प्रताप की वीर गाथाओं से अवगत कराना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह वीरों की वीर गाथा को आगे बढ़ाने का समय है महाराणा प्रताप की जयंती इसका एक प्रमुख माध्यम है। कार्यक्रम में टोंक सवाई माधोपुर से लोकसभा सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया, सोहना के विधायक संजय सिंह, पृथला के विधायक नयनपाल रावत, भाजपा जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़, भाजपा प्रवक्ता सूरजपाल सिंह अम्मू सहित आसपास के क्षेत्र से आए अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

रहेजा मॉल मालिक कर रहे दुकानदारों का शोषण, रेरा में पहुंचा केस

गुरुग्राम। यहां सोहना रोड स्थित रहेजा मॉल संचालकों की मनमानी जारी है। वे मॉल के दुकानदारों का तो पहले से शोषण करते आ रहे हैं, साथ ही अब जिला प्रशासन के आदेशों को भी ठेंगा दिखा रहे हैं। मॉल में डीसी, जिला रजिस्ट्रार और डीटीपी के निर्देशों पर चुनाव भी हो चुका है, लेकिन रहेजा बिल्डर नई कार्यकारिणी को रिकॉर्ड सौंपने को तैयार नहीं है। रहेजा मॉल में दुकानदार नीरज बंसल ने कहा कि इस मॉल में करीब 200 दुकानदार हैं। वर्ष 2013 में उन्हें कब्जा मिल गया था। तभी से बिल्डर दुकानदारों का शोषण कर रहा है। बात पुलिस तक भी जा चुकी है, लेकिन बिल्डर अपनी मनमानी से बाज नहीं आ रहा। बिल्डर द्वारा अपनी ही कंपनी रियल केयर सर्विसेज लिमिटेड के माध्यम से यहां मैंटेनेंस का काम किया जा रहा है। मैंटनेंस के नाम पर भी लूट मचा रखी है। मैंटनेस के पैसे लेकर भी सुविधाएं नहीं दी जा रही। दुकानदार महा सिंह, पंकज बवेजा, अभिषेक गाबा ने कहा कि 19 नवंबर 2022 को बिजली का बिल नहीं भरने पर बिजली काट दी गई थी। बिजली के बिल के पैसे बिल्डर दुकानदारों से ले चुका था, लेकिन बिजली विभाग में जमा नहीं कराए। दुकानदारों ने ही मिलकर 27 लाख रुपये बिजली का बकाया बिल भरा और बिजली चालू कराई। दुकानदारों ने बताया कि जिला उपायुक्त, जिला रजिस्ट्रार और जिला टाउन एंड कंट्री प्लानर के निर्देशों पर यहां का चुनाव हो चुका है, जिसमें दुकानदार पदाधिकारी चुने गए हैं। दुकानदारों ने डीसी, रजिस्ट्रार व एसटीपी को पत्र लिखकर कहा है कि हमें मॉल का काम-काज हेंडओवर कराया जाए, ताकि वे यहां की व्यवस्थाओं को देख सकें। दुकानदारों के आग्रह पर डीसी, एसटीपी और रजिस्ट्रार ने आदेश दिया कि डेवेलपर सारा रिकॉर्ड नई कार्यकारिणी को हेंडओवर करे। मानव आवाज संस्था के संयोजक एवं रेरा एक्सपर्ट अभय जैन एडवोकेट ने बताया कि रहेजा मॉल के दुकानदारों का केस रेरा में दायर किया गया है, ताकि इन्हें न्याय मिल सके। इन्हें कहीं भटकना ना पड़े। दुकानदार अपना व्यवसाय चलाना चाहते हैं, लेकिन बिल्डर की ओर से उन्हें परेशान व प्रताड़ित किया जा रहा है। दुकानदार न्याय के लिए वरिष्ठ अधिकारियों समेत मुख्यमंत्री से भी गुहार लगा चुके हैं।

चिकित्सा, शिक्षा और व्यापार में क्रांति ला रहा है एआई

गुरुग्राम। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने हाल ही में बहुत तेजी से विकास किया है। एआई से संचालित उपकरण हमारे जीवन और काम करने के तरीकों में बदलाव ला रहे हैं। दो सबसे रोचक एआई उपकरणों में से एक चैट जीपीटी और दूसरा गूगल बार्ड है। जो ग्राहक सेवा से लेकर सृजनात्मक लेखन तक कई उद्योगों पर बड़ा प्रभाव डाल रहे हैं। यह कहना है यूएसए की एमएससीएस न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी में सियटल आदित्य जैन का। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) संबंधित जानकारियां साझा करते हुए उन्होंने कहा कि चैट जीपीटी एक बड़ा भाषा मॉडल है, जो ओपन एआई द्वारा विकसित किया गया है। यह समझने और जवाब देने के लिए जटिल प्रश्नों के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे यह एक बहुत शक्तिशाली उपकरण है। चैट जीपीटी का सबसे रोचक उपयोग ग्राहक सेवा में है, जहां यह व्यापारों को अपने ग्राहकों को 24 घंटे का समर्थन प्रदान करने, ग्राहक संतुष्टि रेटिंग को बेहतर बनाने और मानव ग्राहक सेवा प्रतिनिधियों का काम घटाने में मदद कर रहा है। आदित्य जैन के मुताबिक शिक्षा क्षेत्र में चैट जीपीटी छात्रों के लेखन असाइनमेंट पर व्यक्तिगत प्रतिक्रिया और पाठ्यक्रम से संबंधित प्रश्नों के जवाब देकर उनके अधिक से अधिक सीखने के अनुभव को बढ़ाने में मदद कर रहा है। मानव शिक्षकों को पूरक उपकरण के रूप में चैट जीपीटी का उपयोग करके, स्कूल और विश्वविद्यालय छात्रों को अधिक व्यक्तिगत ध्यान देने और उन्हें बेहतर परिणाम हासिल करने में मदद कर सकते हैं।

सेक्टर-14 में निवर्तमान पार्षद की गुंडागर्दी, स्ट्रीट वेंडर को मारी लात

पार्षद की कथित गुंडागर्दी का वीडियो हुआ वायरल

एचएसवीपी ने पटरी-फेरी वालों को हटाने को चलाया था अभियान

गुरुग्राम। यहां अति पॉश इलाके सेक्टर-14 की मार्केट में निवर्तमान पार्षद अनूप ने सरेआम गुंडागर्दी की। एक स्ट्रीट वेंडर को उन्होंने गुस्से में आकर लात मार दी। जानकारी के अनुसार सेक्टर-14 मार्केट में स्ट्रीट वेंडिंग जोन में अवैध रेहड़ियों को हटाने को लेकर हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) की ओर से अभियान चलाया गया। वहां पर काफी लोगों की रेहड़ियों व कैबिन बने हुए हैं, जिनमें वे सामान बेचते हैं। एक व्यक्ति ने अपनी चाय की रेहड़ी लगा रखी थी। उसे हटाने के नाम पर क्षेत्र के भाजपा के निर्वमान पार्षद अनूप ने जो हरकत की, उसे किसी भी तरीके से सही नहीं कहा जा सकता। उन्होंने सरेआम गुंडागर्दी दिखाते हुए स्ट्रीट वेंडर के साथ मारपीट की। निवर्तमान पार्षद अनूप अपने मोबाइल से किसी से बात कर रहे थे। इसी दौरान लोगों की भीड़ के बीच अनूप ने स्ट्रीट वेंडर को भागते हुए लात मारी। पीड़ित दुकानदार

सेक्टर-14 में एक स्ट्रीट वेंडर को लात मारते पार्षद अनूप।

चिल्लाता रहा कि पार्षद की गुंडागर्दी, पार्षद की गुंडागर्दी। पार्षद अनूप के सामने खड़े होकर उसने कहा कि और मार लो। वायरल हुए वीडियो में पार्षद और स्ट्रीट वेंडर के बीच तू-तू-मैं-मैं भी हो रही है। स्ट्रीट वेंडर पार्षद अनूप पर आरोप लगा रहा है कि सारी मिलीभगत इसकी है, पार्षद की। इसी बीच पार्षद अनूप उसे धमकी देते हुए आगे निकल जाता है। इस मामले में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, सेक्टर-14 आरडब्ल्यूए और पार्षद अनूप की शिकायत पर पुलिस ने स्ट्रीट वेंडर के खिलाफ ही केस दर्ज किया है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि स्ट्रीट वेंडर्स की वजह से उन्हें काफी दिक्कत होती है। यहां चोरियों, छीना-झपटी की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।

कैनविन आरोग्य धाम का राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय करेंगे उद्घाटन : डा. डीपी गोयल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

आखिर वह दिन नजदीक आ ही गया, जिसका गुरुग्राम को इंतजार था। लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं देने के उद्देश्य से कैनविन फाउंडेशन की ओर से बनाये गये कैनविन आरोग्य धाम (मल्टीस्पेशलिटी चैरिटेबल हेल्थ केयर सेंटर) को हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय गुरुग्राम की जनता को समर्पित करेंगे। यह जानकारी कैनविन फाउंडेशन के संस्थापक डा. डीपी गोयल एवं सह-संस्थापक नवीन गोयल ने रविवार को इस कार्यक्रम से संबंधित गुरुग्राम के प्रमुख, प्रबुद्ध लोगों की बुलाई गई बैठक में दी।

डा. डीपी गोयल ने बताया कि 14 मई 2023 की सुबह 09:30 बजे हरियाणा के महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेयजी के कर कमलों से कैनविन आरोग्य धाम (मल्टीस्पेशलिटी चैरिटेबल हेल्थ केयर सेंटर) का विधिवत उद्घाटन होगा। इस कार्यक्रम में महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव जी का पावन सानिध्य रहेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरुग्राम की पूर्व सांसद, संसदीय बोर्ड सदस्य एवं केंद्रीय चुनाव समिति की सदस्य डा. सुधा यादव करेंगे। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांतीय सह-संघचालक प्रतापजी अति विशिष्ट अतिथि होंगे, जबकि गुरुग्राम के सिविल सर्जन डा. वीरेंद्र यादव, द्रोणाचार्य कालेज के प्राचार्य वीरेंद्र अंतिल विशिष्ट अतिथि होंगे। कैनविन आरोग्य धाम में 14 मई को उद्घाटन के साथ ही 15 मई से स्वास्थ्य सेवाएं मिलनी शुरू हो जाएंगी। बैठक में सुरेंद्र खुल्लर, वासुदेव ग्रोवर, किशोर डुडेजा, कैप्टन प्रेम सिंह, आरपी चौहान, अशोक सैन, योगेश आचार्यपुरी, बीएल अग्रवाल, सुल्तान वाल्मीकि, वंदना अग्रवाल, योगेश शर्मा आटो चालक यूनियन प्रधान, रामपाल चोपड़ा, सतीश चोपड़ा, बाली पंडित, राम राजी शर्मा, प्रद्युम्न जांघू, रवि शर्मा, रजनीश राठी, आशा गोयल, समता सिंगला, सुरेंद्र भाटौल, हेमंत श्योराण आदि ने शिरकत की।

गुरुग्राम में उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर हुई बैठक में मौजूद मौजिज लोग।

सोहना का दमदमा मोड़ बना विवादों का चौक

दमदमा चौक पर आयेदिन भिड़ रहे हैं 10-12 वाहन

बीएंडआर विभाग तीन माह में भी नहीं लगा पाया रेड लाइट

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

शहर का दमदमा चौक पर लगने वाला जाम से आए दिन वाहन चालकों के बीच हो रहे झगड़े से विवादों का चौक बन गया है। चौक पर सुबह 7 बजे से लेकर 10 बजे तक वाहन चालकों में पहले मैं, पहले मैं के चक्कर में वाहनों में टकराव हो रहा है।

शहर के बीचोबीच जा रहे राष्ट्रीय मार्ग 248ए का दमदमा चौक विवादों का केन्द्र बनता जा रहा है। इस चौक पर हर दिन वाहन चालकों के बीच वर्चस्व की लड़ाई लड़ी जा रही है। वाहन चालकों में यह विवाद आम बात हो गई है। जिससे चौक पर सुबह 7 से 10 बजे के बीच में हर दिन 10 से 12 वाहन चालकों में झगड़े हो रहे है। जबकि वाहन चालकों में होने वाले झगड़े को देखते हुए शहर थाना ने से सुबह के समय पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाता है, लेकिन पुलिस कर्मी वाहन चालकों के बीच होने वाले झगड़े में चुप्पी साधकर खड़े रहते हैं। जिसका कारण गुरुग्राम से एलिवेटेड मार्ग से आने वाले वाहनों की तेज गति होती है। ऐसे में तेज गति से वाहन को लेकर आने वाला चालक चौक को पहले पार करने के इरादे से आगे बढ़ता है। इस जल्द बाजी में आमने सामने वाले वाहनों में भिड़ंत होनी लाजिमी है। यही टकराव विवाद का कारण बन जाता है।

रेड लाइट लगाने की योजना : बीएंडआर विभाग ने करीब तीन माह पहले दमदमा चौक पर वाहनों की गति को रोकने व टकराव की संभावनाओं को कम करने के इरादे से इस चौक पर मार्डन रेड लाइट लगाने की योजना बनाई है, लेकिन यह योजना तीन माह बीत जाने के बाद अभी तक सिरे नहीं चढ़ पाई है। इस चौक से एक दिन में 4 से 5 हजार वाहनों का आवागमन होता है।

सोहना के दमदमा चौक पर बेलगाम तरीके से दौड़ते वाहन।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने किया कामकाजी महिला आवास का निरीक्षण

गुरुग्राम। महिला एवं बाल विकास विभाग, हरियाणा की अतिरिक्त मुख्य सचिव डा. सुमिता मिश्रा ने रविवार को रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा संचालित कामकाजी महिला आवास का निरीक्षण किया गया। साथ ही यहां रह रही युवतियों, महिलाओं से बात की। आवास में पहुंचने पर उनका वार्डन कविता सरकार वे अन्य स्टाफ सदस्यों की तरफ से स्वागत किया गया। डा. सुमिता मिश्रा ने कामकामी महिला आवास में दौरे के दौरान बिल्डिंग व अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने यहां रहने वाली लड़कियों की संख्या, कमरों की संख्या व अन्य सुविधाओं पर वार्डन कविता सरकार से ब्यौरा यिा। वार्डन कविता सरकार ने आवास से संबंधित जानकारियां दी। निरीक्षण के दौरान वार्डन ने डा. सुमिता मिश्रा से यह भी निवेदन किया गया कि आवास में कामकाजी महिलाओं के लिए रहने की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए आवास में और कमरे बनाए जाएं। महिलाओं को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण आसानी से प्राप्त हो। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग से नेहा दहिया, रेडक्रॉस सोसाइटी गुरुग्राम से आकांक्षा, कुणाल मंगला, श्यामा राजपूत, संजू, सरोज व कामकाजी महिला आवास में रहने वाली महिलाएं, युवतियां मौजूद रहीं।

गुरुग्राम के सिविल लाइन स्थित कामकाजी महिला का निरीक्षण करने पहुंची महिला एवं बाल विकास विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डा. सुमिता सिंह का स्वागत करती वार्डन कविता सरकार।

जिला स्तरीय जूनियर एवं कैडेट कुराश चैंपियनशिप में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

अमेचर कुराश एसोसिएशन की ओर से की गई आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अमेचर कुराश एसोसिएशन की ओर से जिला स्तरीय जूनियर एवं कैडेट कुराश चैंपियनशिप 2023-24 का आयोजन किया गया। आर.आर. स्पोर्ट्स अकादमी एचएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित इस चैंपियनशिप में 70 खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा दिखाई।

चैंपियनशिप में एचएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल से लड़को की कैटेगरी में 46 किलो भार वर्ग में हर्ष उपाध्याय, 55 किलो में कार्तिक, 60 किलो में सौरव और 71 किलो भार वर्ग में प्रिंस अहलावत ने गोल्ड मेडल जीता। इसी तरह लड़कियों की कैटेगरी मे 35 किलोभार वर्ग में तनिष्का, 44 किलो में टीना, 48 किलो में अनुराधा, 52 किलो में रितिक, 57 किलो में सुहानी ने जीत दर्ज की। इनके अलावा अन्य काफी खिलाड़ियों ने भी जीत दर्ज करके मेडल जीते। इस चैंपियनशिप के विजेताओं में से राज्य स्तरीय चैंपियनशिप के लिए कुराश खिाड़ियों का चयन किया गया। आगामी 13 व 14 मई को राज्य स्तरीय चैंपियनशिप इसी स्थल पर होगी। राज्य स्तरीय के बाद 19 से 21 मई तक राष्ट्रीय स्तर की चैंपियनशिप महाराष्ट्र में होगी।

अमेचर कुराश एसोसिएशन की ओर से इस खेल प्रतियोगिता की आयोजन सचिव नीलम ग्रेवाल ने कहा कि खेलों में खिलाड़ियों को अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए। हार-जीत की सोच किए बिना हमें अपने अच्छे खेल पर ध्यान देना चाहिए। अच्छा खेलना, काम करना हमेशा कामयाबी दिलाता है। अकादमी के निदेशक आरएस यादव व रेनू ने कहा कि छात्रों को अच्छी शिक्षा देना, अच्छे खिलाड़ी तैयार करना ही उनका लक्ष्य है। आज के बच्चे, युवा हमारे कल का भविष्य हैं।

जिला स्तरीय जूनियर एवं कैडेट कुराश चैंपियनशिप में विजेता टीम।

पक्षी उद्धार मुहिम में बांटे मिट्टी के 175 सकोरे

75 जरूरतमंद बच्चों को दिए वस्त्र भी दिए गए

यूपी के बरनावा डेरा सच्चा सौदा आश्रम में हुआ सत्संग

प्रवीन शर्मा। बरनावा

शाह सतनामजी आश्रम बरनावा में रविवार को मई महीने का सत्संग भंडारा उत्तर प्रदेश की साध-संगत द्वारा बड़ी धूम-धाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पावन भंडारे के अवसर पर आयोजित नामचर्चा में बड़ी तादाद में साध-संगत ने भाग लिया।

इस अवसर पर उमड़ी साध-संगत के जोश, जुनून, अटूट विश्वास और अथाह श्रद्धा के सामने प्रबंधन द्वारा किए गए सारे प्रबंध छोटे पड़ गए। नामचर्चा की समाप्ति तक साध-संगत का अनवरत आना जारी रहा। संत डा. गुरमीत राम रहीम सिंहजी इन्सां की पावन शिक्षाओं पर चलते हुए इस अवसर पर डेरा सच्चा सौदा द्वारा किए जा रहे 157 मानवता भलाई कार्यों को गति देते हुए गर्मी के मौसम को देखते हुए पक्षी उद्धार मुहिम के तहत बेजुबान पक्षियों के लिए चोगा-पानी के प्रबंध करने के लिए 175 मिट्टी के सकोरे बांटे गए। जिन्हें साध-संगत अपने घरों, प्रतिष्ठानों पर व सड़क किनारे वृक्षों पर लटकाएगी और उनमें नियमित रूप से दाना-पानी डालेगी। इसके अलावा फूड बैंक मुहिम के तहत 75 जरूरतमंद परिवारों को राशन तथा क्लॉथ बैंक मुहिम के तहत 75 जरूरतमंद बच्चों को वस्त्र बांटे गए। नामचर्चा कार्यक्रम के दौरान 29 अप्रैल को गुरु जी द्वारा भेजी गई 15वीं रूहानी चिट्ठी पढ़कर सुनाई गई, जिसे साध-संगत ने पूरी श्रद्धाभाव से सुना। डेरा सच्चा सौदा की साध-संगत मानव हित में 157 मानवता भलाई के कार्य कर रही हैं। इन्हीं कार्यों में से एक कार्य है पक्षी उद्धार मुहिम। जिसके तहत साध-संगत अपने-अपने घरों, प्रतिष्ठानों की छतों पर पक्षियों के लिए दानी पानी रखती है। पक्षियों के लिए मिट्टी के सकोरे रखती है। बेजुबानों की मदद के लिए लोगों में जागरूक लाने के लिए एक एक डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। रविवार को सुबह 11 बजे धन-धन सतगुरु तेरा ही आसरा का पवित्र व इलाही नारा बोलकर शुभ भंडारे की नामचर्चा की शुरूआत की गई। इसके पश्चात कविराजों ने सुंदर भजनवाणी के माध्यम से सतगुरु की महिमा का गुणगान किया। बाद में नामचर्चा पंडाल में लगाई गई बड़ी-बड़ी एलईडी स्क्रीनों के माध्यम से गुरु संत डा. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां ने रिकॉर्डिड वचनों के माध्यम से उपस्थित साध-संगत को अपने वचनों से निहाल किया। गौरतलब है कि बेपरवाह साईं शाह मस्ताना जी महाराज ने 29 अप्रैल 1948 को डेरा सच्चा सौदा की स्थापना की। इसके पश्चात मई महीने में पहला सत्संग फरमाया था। इसलिए मई महीने को डेरा सच्चा सौदा की साध-संगत गुरुजी की शिक्षाओं पर चलते हुए सत्संग माह भंडारे के रूप में मना रही है। साईंजी, परम पिता शाह सतनामजी और वर्तमान में गुरु संत डा. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां के सानिध्य में रूहानियत पर चल चुके हैं।

शाह सतनामजी आश्रम बरनावा में रविवार को मई महीने के सत्संग भंडारे में मौजूद संगत।

जिला स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता : सोहना के खिलाड़ियों ने जीते 38 गोल्ड समेत 67 मेडल

सोहना के स्टेडियम में खिलाड़ियों का रहा खासा दबदबा

जिला तीरंदाजी संघ के प्रधान पवन शर्मा ने उद्घाटन किया

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

जिला स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में सोहना स्टेडियम में अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों ने सबसे ज्यादा मेडल जीते। सोहना के खिलाड़ियों ने 38 गोल्ड मेडल 18 सिल्वर मेडल 11 ब्रोंज मेडल जीतकर इतिहास रचा है।

शनिवार को भोंडसी स्थित आरबीएसएम स्कूल में जिला तीरंदाजी संघ द्वारा आयोजित दसवीं जिला तीरंदाजी कन्या प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला तीरंदाजी संघ के प्रधान पवन शर्मा ने तीर चला कर किया। इस जिला स्तरीय प्रतियोगिता में सोहना के देवीलाल खेल स्टेडियम में तीरंदाजी का अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों का सबसे ज्यादा मेडल जीतने का इतिहास रहा। सोहना के खिलाड़ियों ने कुल 67 मेडल जीते। जिसमें 38 गोल्ड, 18 सिल्वर और 11 ब्रोंज मेडल जीते। सोहना स्टेडियम में तीरंदाजी का प्रशिक्षण देने वाले खेल विभाग के कोच भगवत सिंह ने बताया कि अंडर-14 इंडियन राउंड में सोहना स्टेडियम की टीम-बी नैंसी, वंदना, आरती, रिशा मेहता की टीम ने गोल्ड मेडल जीता। वहीं रिशा मेहता ने इंडिविजुअल गोल्ड मेडल जीता टीम। गुंजन एंजेल प्रियंका कनिष्का ने कांस्य पदक जीता वहीं इंडिविजुअल में गुंजन ने सिल्वर मेडल जीता। रीकरव राउंड अंडर-9 में याना ने इंडिविजुअल कांस्य पदक अंडर-14 में ऐसा ने भी इंडिविजुअल कांस्य पदक जीता। कंपाउंड राउंड अंडर 14 में तनवी जैन, नव्या, स्वास्थी, देवकी की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं सेंडविचो स्वास्थी ने सिल्वर मेडल नव्या ने ब्रोंज मेडल अपने नाम किया। अंडर-17 रिकरव राउंड में श्वेता सिंह कनिका ऐसा कोमल की टीम ने गोल्ड व इंडिविजुअल में श्वेता सिंह ने गोल्ड मेडल कोमल ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इंडियन राउंड में रिशा मेहता सुष्मिता वंदना पूनम की टीम ने गोल्ड मेडल वहीं इंडिविजुअल में रिचा ने गोल्ड सुष्मिता ने ब्रोंज मेडल अपने नाम किया। कंपाउंड राउंड में तनवी जैन नव्या दीपांशी सवास्ती की टीम ने सिल्वर मेडल जीता। जूनियर आयु वर्ग में 20 इंडियन राउंड में सुष्मिता गुंजन रिशा पूनम की टीम ने गोल्ड मेडल इंडिविजुअल इवेंट में रिशा ने गोल्ड गुंजन ने सिल्वर सुष्मिता ने ब्रोंज मेडल जीता। कंपाउंड राउंड में रचना तन्वी स्वास्थी की टीम ने सिल्वर मेडल, रिकरव में श्वेता सिंह कनिका ऐसा कोमल की टीम ने गोल्ड वही इंडिविजुअल में श्वेता सिंह ने सिल्वर कनिका ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। सीनियर आयु वर्ग अरे करो राउंड में श्वेता सिंह कनिका कोमल की टीम ने गोल्ड वहीं श्वेता सिंह न इंडिविजुअल सिल्वर कोमल ने ब्रॉन्ज मेडल नाम किया।

आरबीएसएम स्कूल में हुई तीरंदाजी प्रतियोगिता में मेडल जीतने वाले खिलाड़ी।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 8 मई, 2023

अशोक अरोड़ा दोबारा बने सिद्धपीठ श्रीहनुमान मंदिर के प्रधान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पावन सिद्धपीठ श्रीहनुमान मंदिर-1 बी ब्लॉक में जनरल बॉडी की बैठक का आयोजन रविवार को मंदिर प्रांगण में किया गया। जिसमें मंदिर कमेटी के प्रधान को लेकर चर्चा की गई। बैठक मंदिर के सरपरस्त गोवर्धन लाल कुमार, हरिओम, रामपाल शर्मा की अध्यक्षता में की गई। इसमें मुख्य रूप से 65 सदस्यों ने शिरकत की। बैठक में सर्वसम्मति से पावन सिद्धपीठ श्रीहनुमान मंदिर-1 बी ब्लॉक के प्रधान अशोक अरोड़ा को अगले दो वर्ष के लिए पुन: प्रधान बनाया गया।

सलाहकार समिति की ओर से राकेश दीवान एवं नवजीवन गोंसाई, विपिन कुमार की देखरेख में यह सारी कार्रवाई हुई। सभी ने एकमत होकर अशोक अरोड़ा के कार्यकाल की जमकर तारीफ की और कहा कि बीते वर्षों में उनकी अध्यक्षता में मंदिर में अनेक धार्मिक कार्यक्रमों का सुंदर आयोजन किया। अधिक से अधिक संख्या में शहर के गणमान्य व्यक्तियों को मंदिर से जोड़ा गया। सलाहकार समिति व संस्था के सरपरस्त ने उनके नेतृत्व की जमकर सराहना की।

बैठक में भाग लेते पदाधिकारी।

अपनी नियुक्ति पर अशोक अरोड़ा ने मंदिर कमेटी से जुड़े तमाम पदाधिकारियों, संरक्षक, सलाहकार समिति के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और कहा कि जो जिम्मेदारी उनको मिली है, उसको पूरी ईमानदारी एवं निष्पक्षता से पूरी करेंगे। जिस प्रकार बीते वर्ष मंदिर में सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजनों की धूम रही। हमारी कोशिश होगी कि मंदिर के साथ शहर के गणमान्य लोगों को जोड़ा जाए, ताकि मंदिर को और सुंदर एवं भव्य रूप प्रदान करने में अपेक्षित सहयोग प्राप्त किया जा सके। मीटिंग में मुख्य रूप से नवजीवन गोसाई, राकेश दीवान, सुरेंद्र अरोड़ा, पवन कुमार, हरीश, मनोज विरमानी, विजय कंठा, रमेश बत्रा, मनोहर नागपाल, दीपक सुखीजा, तरुण, सोनू नागपाल, मोनू नागपाल, दिनेश, कमल, विनोद, राकेश, कमल सेठी, सचिन, धीरज, हरीश, संजय, गोवर्धन कुमार, हेमंत, विपिन, सतीश, मदन, जितेंद्र, आशु, सोनू, सत प्रकाश, हरिओम, गौरव, दिनेश, जियालाल, रामपाल, मनु, गिरीश, मनीष, जितेंद्र, योगेश, सतीश, गुलशन, राहुल, बंसीलाल, सोनू आदि उपस्थित रहे।

रिवाजपुर में कूड़ा घर बनाने का विरोध कर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

कूड़ा घर बनाए जाने का मामला गर्माया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

रैली निकालकर विरोध प्रकट करते ग्रामीण।

रिवाजपुर गांव में कूड़ा घर बनाने के विरोध में ग्रामीणों ने रविवार को जोरदार प्रदर्शन किया। क्षेत्र के गांव रिवाजपुर में इन दिनों कूड़ा घर बनाए जाने का मामला गर्माया हुआ है। ग्रामीण कूड़ा घर बनाने के विरोध में हैं। वह कई दिनों से धरने पर बैठे थे और आज उन्होंने विरोध स्वरूप तरह तरह के वाहनों पर रैली निकालकर अपना विरोध जताया। इस दौरान ग्रामीणों ने काले झंडे लिए हुए थे।

गौरतलब है कि रवाजपुर गांव में कूड़ा घर बनाया जाना प्रस्तावित है और इसी को लेकर पिछले कई दिनों से ग्रामीण विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। ग्रामीण कई दिनों से धरने पर बैठे थे। रविवार को उनके सब्र का बांध टूट गया और उन्होंने तरह तरह के वाहनों पर इलाके में रैली निकाली और विरोध जताया। इस दौरान ग्रामीणों ने रिवाजपुर क्षेत्र से लगते अलग-अलग गांव में जाकर लोगों को अपनी परेशानी से अवगत कराया। ग्रामीणों का कहना है कि जिला प्रशासन उनके यहां कूड़ा घर बनाकर उनके साथ अन्याय कर रहा है। इसके चलते उनके इलाके में न केवल पेयजल खराब हो जाएगा, बल्कि गांव की आबोहवा भी खराब हो जाएगी। इसी वजह से वह इसका विरोध कर रहे हैं। तीन दिन पूर्व ही रिवाजपुर गांव में कूड़ा घर यानी डंपिंग यार्ड न बनाने देने को लेकर रिवाजपुर सोशल वेलफेयर संघर्ष समिति के बैनरतले डपिंग यार्ड की निशानदेही करने पहुंचे निगम कर्मचारियों को वापस लौटाया था। रिवाजपुर सोशल वैलफेयर संघर्ष समिति के अध्यक्ष नाहर सिंह चौहान ने कहा कि सरकार हमारी परीक्षा न ले, क्योंकि हम यह विरोध अपनी भावी पीढ़ी को बचाने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि डंपिंग यार्ड बनने से हमारी फसल और नस्ल दोनों का नष्ट होना तय है।

हम यह लड़ाई पूरी ताकत से लड़ेंगे, क्योंकि यदि हमने ऐसा नहीं किया तो आने वाली पीढ़ी हमें कभी माफ नहीं करेगी। समिति के ही रोहताश चौधरी ने कहा कि सरकार रिवाजपुर, टीकावली, भोपानी, बादशाहपुर, नचौली, महावतपुर, शेरपुर ढाढर, किडावली, खेड़ीकला, अमन विला सोसाइटी, टीडीआई रिट्रीट व कई बीपीएल कॉलोनियों के हजारों लोगों के जीवन से खिलवाड़ न करे। उन्होंने कहा कि एकता में बहुत बल होता है और अपनी आवाज को ऊपर तक पहुंचाने के लिए हमें इसी तरह संगठित रहना पड़ेगा, तभी हम इस संघर्ष में विजयी होंगे। माला चौहान ने कहा कि हमारे इस हरे भरे और खुशहाल क्षेत्र को डंपिंग यार्ड बनाया जा रहा है, जिसका पूरी जनता पुरजोर विरोध करती है। उन्होंने कहा कि जहां डंपिंग यार्ड बनाया जा रहा है यह एक रिहायशी इलाका है, जहां लगभग 70,000 से भी ज्यादा आबादी रहती है। हम सरकार से हाथ जोड़कर विनती करते हैं कि यहां शहर की तरह एक बड़ा टाऊन पार्क या महिला महाविद्यालय बनाया जाए, जिसके लिए हम सभी तन, मन और धन से सहयोग करेंगे। हमें विश्वास है कि सरकार हमारी सुनेगी। इस मौके पर नाहर सिंह चौहान, रोहताश चौधरी, माला चौहान, सुरेंद्र चौहान, विकास कुमार, कुलदीप त्यागी, जसराम चौहान, केहर सिंह सरपंच, मधु चौहान, बिमला, बिंदु, कविता, बिजेंद्र चौहान, उदयवीर, राजेंद्र व पवन सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

सरकार मॉडल संस्कृति स्कूलों के नाम पर बच्चों से फीस न ले : अरोड़ा

प्रेसवार्ता को संबोधित करते डॉ. तरुण अरोड़ा व अन्य।

फरीदाबाद। भारतीय विद्यालय शिक्षा परिषद के लीगल सेल के चेयरमैन डॉ. तरूण अरोड़ा एडवोकेट ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा शिक्षा बोर्ड से संबंधित सरकारी स्कूलों को मॉडल संस्कृति स्कूल बनाकर सीबीएसई में कन्वर्ट कर रही है। इसका भारतीय विद्यालय शिक्षा परिषद पुरजोर विरोध करता है।

अरोड़ा ने कहा कि सरकार द्वारा जो संस्कृति मॉडल स्कूलों में गरीब छात्रों से भी फीस ली जा रही है, उसे तत्काल प्रभाव से रद् कर समाप्त किया जाए और फ्री शिक्षा उपलब्ध करवाई जाए। एडवोकेट तरूण अरोड़ा ने स्पष्ट किया कि भारतीय विद्यालय शिक्षा परिषद हरियाणा सरकार से भारत के संविधान के आर्टिकल 21ए के तहत छह वर्ष से 14 वर्ष तक के बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा की मांग करता है और यदि सरकार के द्वारा हमारी मांग पूरी नहीं की जाती तो जल्द ही हम पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर करेंगे। इस अवसर पर हरियाणा की चेयरपर्सन डॉक्टर मंशा पासवान एडवोकेट ने स्पष्ट किया कि भारत के संविधान की पालना प्रत्येक सरकार का कर्तव्य है और यदि सरकारों के द्वारा ही राइट टू एजुकेशन का उल्लंघन किया जाएगा तो संविधान की पालना आम नागरिक क्या करेगा। यदि सरकार राइट टू एजुकेशन और आर्टिकल 21ए का उल्लंघन करती है तो उसके खिलाफ हमारी लीगल टीम कार्रवाई करेगी।

आईटीआई पलवल की देश स्तर पर बढ़ी ग्रेडिंग

पलवल। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ ट्रेनिंग भारत सरकार एवं कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा सरकार द्वारा की गई राष्ट्रीय स्तर की तृतीय फेस की ग्रेडिंग में आईटीआई पलवल ने 10 में से 7.7 ग्रेडिंग प्राप्त की है। जो पहले 3.4 थी। इस राष्ट्रीय स्तर की तृतीय फेस की ग्रेडिंग के लिए प्रशिक्षण महानिदेशालय भारत सरकार द्वारा कुल आठ मानक निर्धारित किए गए थे। जिसमें संस्थान में गत तीन वर्षों का दाखिला प्रतिशत, महिला प्रशिक्षणार्थियों का दाखिला प्रतिशत, नए युग अनुसार व्यवस्थाओं का संचालन, गत तीन वर्षों का पास प्रतिशत व कंप्यूटर आधारित परीक्षा में परीक्षार्थियों का भाग लेना, प्राप्त अंकों का औसत प्रतिशत, शिक्षुता व रोजगार जैसे कई अन्य मानक शामिल थे।

आईटीआई पलवल में 20 ट्रेड एवं 42 यूनिट चल रही हैं। मौजूदा समय में आईटीआई पलवल में करीब 900 छात्र-छात्राएं प्रशिक्षण ले रहे हैं।

भगत सिंह।

महानिदेशालय भारत सरकार द्वारा की गई ग्रेडिंग में आईटीआई पलवल को 10 में से 7.7 का स्कोर प्राप्त हुआ है। भविष्य में इसको और अधिक सुधारने के प्रयास किए जाएंगे, ताकि आईटीआई पलवल को अच्छा ग्रेड मिल सके।

-भगत सिंह, प्रधानाचार्य कम नोडल अधिकारी, आईटीआई पलवल

नि:शुल्क शिविर में लाभार्थियों का स्वास्थ्य जांचा

आठ से 13 मई तक लगने वाले सभी अंत्योदय मेलों में कैंप लगाकर होगी लाभार्थियों की नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

मेले में जांच कराते लोग।

आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के तहत हसनपुर खंड के क्षेत्र में रहने वाले योजना के पात्र लोगों के लिए खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय में अंत्योदय मेले में निरोगी हरियाणा योजना के तहत निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। कैंप में योजनाओं का लाभ लेने आए सभी लाभार्थियों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई।

सीएमओ डा. लोकवीर ने बताया कि उपायुक्त नेहा सिंह के मार्गदर्शन में निरोगी हरियाणा योजना के तहत सभी पात्र लोगों के स्वास्थ्य की जांच की जा रही है। लोगों में बीमारियों की रोकथाम के लिए मौके पर स्वास्थ्य जांच करने के उपरांत नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गई। चिरायु आयुष्मान कार्ड होने पर पहली स्टेज में ही बीमारी का पता लगाकर मरीज का इलाज करना संभव हो जाता है और लाभार्थी इस योजना के तहत अपनी मर्जी से सरकारी या अधिकृत प्राइवेट अस्पताल में पांच लाख रुपये तक का अपना सालाना इलाज करवा सकते हैं। सीएमओ डॉ. लोकवीर ने बताया कि सरकारी अस्पताल, सीएचसी, पीएचसी में इलाज के लिए सभी मरीजों को परिवार पहचान पत्र अवश्य साथ लाना जरूरी है। इससे दो लाभ होंगे। पहला तो मौके पर ही चिरायु कार्ड बना दिया जाएगा, दूसरा यह कि चिरायु इलाज फ्री करवा सकते हैं। लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं नि:शुल्क देने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने निरोगी हरियाणा योजना शुरू की है। एडीसी डॉक्टर आनंद शर्मा ने बताया कि आगामी 13 मई तक खंडवार मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेलों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें सभी पात्र लाभार्थियों को निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ भी दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि निरोगी हरियाणा योजना के तहत आठ मई को पृथला ब्लॉक, नौ मई को पलवल नगर परिषद, 10 मई को बडोली ब्लॉक तथा 11 से 13 मई तक हथीन ब्लॉक व नगर पालिका क्षेत्र के पात्र लोगों के लिए लगने वाले मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेले में भी चिकित्सकों द्वारा योजना के सभी लाभार्थियों का स्वास्थ्य चेकअप कर जरूरत अनुसार दवाई वितरित की जाएगी।

भूले बिसरे शहीदों के सम्मान के लिए निकाल रहे क्रांति यात्रा : लोहिया

दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में शहीदों के परिजनों को सौंपेंगे क्रांति चक्र सम्मान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फरीदाबाद के मैगपाई टूरिस्ट कांपलेक्स में शहीद क्रांति यात्रा की जानकारी देते गुर्जर आर्ट एंड कल्चर ट्रस्ट के जगदीश लोहिया व अन्य।

गुर्जर आर्ट एंड कल्चर ट्रस्ट देशभर से स्वतंत्रता आंदोलन के भूले बिसरे शहीदों को खोजकर उनके परिजनों को सम्मानित करेगा। अमर शहीदों के चरित्र पाठ्यक्रमों में सम्मिलित करवाने के लिए प्रयास करेगा। यह बात ट्रस्ट के एडवोकेट जगदीश लोहिया ने मैगपाई टूरिस्ट कांपलेक्स में आयोजित प्रेस वार्ता में दी।

लोहिया ने बताया कि ट्रस्ट 14 मई को दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में क्रांति चक्र सम्मान समारोह का आयोजन कर रहा है। जिसमें क्रांतिकारी बलिदानियों और गुमनाम शहीदों को देशभर में सम्मान प्रदान करने का काम प्रारंभ किया जाएगा। इससे पहले मेरठ से सन 1857 के स्वतंत्रता संग्राम सैनानी कोतवाल धन सिंह गुर्जर के गांव से निकाली गई शहीद क्रांति यात्रा का यहां स्वागत होगा। ट्रस्ट के धर्मवीर सिंह ने बताया कि देश की आजादी के लिए अनेक क्रांतिकारियों ने अपना जीवन होम कर दिया, लेकिन इस मामले में इतिहास लेखन के दौरान भारी भेदभाव अथवा लापरवाही बरती गई। जिससे बड़े बड़े योगदान देने वाले शहीदों को भुला दिया गया और उन्हें देश के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में भी स्थान नहीं दिया गया। जिसके लिए अब गुर्जर आर्ट एंड कल्चर ट्रस्ट प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद से करीब 900 ऐसे शहीदों की पहचान की जा चुकी है, जिनके असली वारिसों तक पहुंचने का काम चल रहा है। इन वारिसों के साथ पूरा समाज खड़ा होगा और उनको समाज में सम्मान प्रदान किया जाएगा। नीतू श्याम भड़ाना ने बताया कि वर्षों से हमारे देश के इतिहास को तोड़ मरोड़कर प्रस्तुत किया गया है। लेकिन अब भारत के लोग अपने असली इतिहास को पढ़ना चाहते हैं और उसके लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने पाठ्यपुस्तकों में भी भूले बिसरे शहीदों की गाथाओं को शामिल करने के लिए नई शिक्षा नीति कमेटी को मेमोरेंडम दिए हैं।

हमें उम्मीद है कि इन मिले जुले प्रयासों से नया भारत उदित होगा। इस अवसर पर हंसराज कपासिया, रनबीर लोहिया, राम बेसोया, अन्नू भड़ाना, जगन दायमा, एडवोकेट राजेश खटाना, ज्ञानचंद भड़ाना, रघबीर नागर, रणदीप चौहान, ओमप्रकाश बैसला आदि लोग मौजूद रहे।

एंटी नारकोटिक्स सेल ने नशीली दवाइयों सहित आरोपी को किया गिरफ्तार

पलवल। एंटी नारकोटिक्स सेल होडल ने नशीली दवाइयां सप्लाई करने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एंटी नारकोटिक्स सेल होडल प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिली की जिला नूह के नीमखड़ा गांव निवासी एक व्यक्ति नशीली दवाइयों का काम करता है। जो अपनी मोटर साईकिल पर नशीली दवाइयां लेकर कोसी, उत्तर प्रदेश की तरफ से आयेगा तथा पुन्हाना की तरफ जायेगा। सूचना पर उप निरीक्षक हाजिर खान के नेतृत्व में पुलिस ने पून्हाना मोड होडल पर नाकाबंदी लगाकर वाहन की जांच शुरू कर दी।

इसी दौरान आरोपी आता हुआ दिखाई दिया। जिसके पास प्लास्टिक के कट्टे में कुछ सामान रखा हुआ था। जो पुलिस पार्टी को सामने देखकर भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिस ने उसे काबू कर लिया। आरोपी की पहचान हामीद पुत्र मोरमल निवासी गांव नीमखेडा थाना पुन्हाना जिला नूह के रूप में हुई। जब उसके कट्टे की तलाशी ली तो उसमें क्लोरफेनिरेमाइन मेलेट कोडीन फॉस्फेट सिरप की 100 एमएल की 115 सीसी व कोडीन फॉस्फेट क्लोरोफेनरामाइन सिरप की 115 सीसी (बोतल) बरामद हुई। आरोपी ने अपने कब्जे में कुल 230 नशीली दवाईयों की बोतल रखी हुई थीं। पुलिस ने जब उससे लाईसेंस मांगा तो वह कोई कागजात पेश नहीं कर सका। पुलिस टीम द्वारा सूचना ड्रग्स इंस्पेक्टर संदीप सिंह को दी तो उन्होंने बताया कि लेबल के दावे के अनुसार ओनरेक्स कफ सिरप व वेलसीरेक्स कफ सिरप में उनके सक्रिय घटक के रूप में कोडीन होता है।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

जो एक नारकोटिक दवा है और एसआर में सूचीबद्ध है। एनडीपीएस एक्ट के तहत नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थों की छोटी और व्यावसायिक मात्रा को निर्दिष्ट करने वाली अधिसूचना में नंबर 28 है। प्रभारी एंटी नारकोटिक्स सेल होडल ने आगे बताया कि बरामद नशीली दवाइयां एवं मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर पुलिस ने थाना होडल में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

चोरी की मोटरसाइकिल सहित एक आरोपी को किया गिरफ्तार

पलवल। पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। डिटेक्टिव स्टाफ पलवल प्रभारी उपनिरीक्षक अनीश खान ने बताया कि मुख्य सिपाही समीम खान अपनी टीम के साथ गश्त पर गांव बहीन में मौजूद थे। जहां उन्हें सूचना प्राप्त हुई कि एक युवक जिसके पास एक मोटरसाइकिल है जो चोरी की है। जिसे लेकर गांव कोट से गांव बहीन आएगा।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बिना किसी देरी के होडल नूंह रोड पर नाकाबदी की। थोडी देर बाद सूचना अनुसार एक मोटरसाइकिल सवार गांव कोट की तरफ से आता हुआ दिखाई दिया। जिसको पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो मोटरसाइकिल चालक मोटरसाइकिल को वापिस मोडकर भागने की कोशिश करने लगा। लेकिन पुलिस ने आरोपी को मोटरसाइकिल स्पलेंडर सहित धर दबोचा। काबू किए गए आरोपी से कागजात मांगे तो कोई भी कागजात पेश नहीं कर सका। मोटरसाइकिल पर अंकित इंजन एवं चेचिस नंबर के आधार पर साइबर सेल से पता किया गया तो मोटरसाइकिल वर्ष 2022 में गुरुग्राम के थाना भोंडसी क्षेत्र अंतर्गत चोरी होनी पाई गई।

संक्षिप्त समाचार

शिविर में 84 लोगों के बीपी, शुगर व हीमोग्लोबिन जांच हुई

शिविर में स्वास्थ्य पर चर्चा करते डॉक्टर।

फरीदाबाद। सर्वोदय अस्पताल सेक्टर-8 के सहयोग से मानव सेवा समिति ने रविवार को मानव भवन सेक्टर-10 में कमर दर्द का कारण और निदान विषय पर स्वास्थ्य चर्चा आयोजित की। इस अवसर पर स्वास्थ्य जांच शिविरि में 84 लोगों के बीपी, शुगर व हीमोग्लोबिन की नि:शुल्क जांच करके उचित परामर्श दिया गया। कैंप में डॉक्टर कमल वर्मा डायरेक्टर न्यूरो सर्जन ने बताया कि ऑफिस में काफी देर तक एक ही स्थिति में बैठकर या ज्यादा देर तक खड़े होकर कार्य करने से मांसपेशियों या लिगामेंट में खिचाव हो जाता है, जो कमर दर्द का कारण बनता है। खानपान में पोषक तत्वों की कमी हड्डियों को कमजोर बना देती है। इससे भी कमर दर्द हो जाता है। यह रोग होने पर कुछ दिन पूरी तरह से आराम करना चाहिए, लाइफ स्टाइल में परिवर्तन करना चाहिए। सुबह-सुबह सैर करके व्यायाम जरूर करना चाहिए। फिर भी दर्द रहे तो न्यूरो सर्जन डॉक्टर से उचित परामर्श करके इलाज कराना चाहिए। 90 प्रतिशत कमरदर्द बिना किसी सर्जरी और डॉक्टरी इलाज से ठीक हो जाता है। शिविर के आयोजन में प्रबंधक राकेश त्यागी व सहायक विवेक शर्मा का विशेष सहयोग रहा। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष कैलाश शर्मा, चेयरमैन अरुण बजाज, कोषाध्यक्ष राजेंद्र गोयनका, मुख्य सलाहकार प्रेम पसरीजा, बांकेलाल सितोनी मौजूद रहे।

योग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा

विजेताओं को सम्मानित करते अतिथि व आयोजक।

पलवल। जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन पलवल के तत्वावधान में इंटर सेंटर योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का आयोजन योगाचार्य गुरमेश सिंह के सानिध्य में दादा बगीची मंदिर सीहोल ग्राम में हुआ। जिसमें अमरदीप पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल की योगासन टीम ने सर्वोत्तम अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल चांदहट व घोड़ी की टीम रही। विजेता खिलाड़ियों को अशोक कुमार प्रिंसिपल, अनिल कुमार डबास, मास्टर पाल सिंह, सुमनदेवी, आरती देवी, अर्चना बघेल, आचार्य गुरमेश सिंह ने सम्मानित किया। प्रतियोगिता के दौरान सर्वश्रेष्ठ योगी का खिताब मनजीत को मिला तथा कुणाल उपविजेता रहा। इसी प्रकार लड़कियों के वर्ग में कुमारी अंचल विजेता व कुमारी अंजली उपविजेता रही। लड़कों के सात से नौ आयुवर्ग में दक्ष, पृथ्वी, कुणाल, नौ से 11 आयुवर्ग में मनजीत, राज, भावेश, 11 से 13 आयुवर्ग में कुणाल, धर्मेंद्र, यशकुमार, 14 से 16 आयुवर्ग में देवा, अमन, मोनू, योगेश विजेता रहे। इसी प्रकार लड़कियों सात से नौ आयवर्ग में कुमारी अंजली, चंचल, हिमांशी, नौ से 11 आयुवर्ग में अंचल, प्रिया, श्वेता, 11 से 14 आयुवर्ग में भूमि, प्रिया, सलेहा विजेता रही।

थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चों के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया

थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चों के साथ संस्था के पदाधिकारी।

फरीदाबाद। थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चों के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन इनर व्हील क्लब फरीदाबाद इंडस्ट्रियल टाउन द्वारा मॉडर्न विद्या निकेतन स्कूल सेक्टर-17 में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट की चेयरमैन माला ऋषि, अंतरराष्ट्रीय इनर व्हील की एसोसिएशन मेंबर अनीता जैन, मॉडर्न विद्या निकेतन स्कूल फरीदाबाद के प्रिंसिपल जय प्रकाश गौड़, अगल्या वैंकटेश, इनर व्हील क्लब फरीदाबाद इंडस्ट्रियल टाउन की प्रधान संदीपिका वशिष्ठ, फाउंडेशन अगेंस्ट थैलेसीमिया के महासचिव रविंद्र डुडेजा, जेके भाटिया, आनंद कुमार व पूर्व डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन निशा भारद्वाज द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर की गयी। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. पुनिता हसीजा व रविंदर डुडेजा ने थैलेसीमिया की जानकारी दी। साथ ही थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चों को डॉ. पुनिता हसीजा ने उन्हें स्वस्थ रहने के उपाय बताए। इनरव्हील थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चों को सुविधा पूर्वक रक्त चढ़ाने के लिए फिल्टर दिए गए। साथ ही उनको उपहार देकर खुश रखने की एक कोशिश की गयी। मंच का संचालन सुनीता सिंह और एकता रमन ने किया। इस अवसर पर माला ऋषि, अनीता जैन, संदीपिका वशिष्ठ, रूबी बिंद्रा, विजया कार्तिका, इंद्रमणि शर्मा, अनीता ठक्कर, सुमन घई, मीनू गुप्ता, कमल कालिया, अनिता जैन, संगीता सिंह, मंजू बंसल, रूपा शर्मा, अज्जू महाना, पूजा जैन, रचना सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

विदाई समारोह में हिमांशी को मिला मिस सरस्वती का खिताब

विजेता छात्राओं को सम्मानित करते शिक्षक।

पलवल। सरस्वती महिला महाविद्यालय पलवल में स्नातक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. अनीता कौशिक व समस्त प्राध्यापिकाओं द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम में आरंभ में प्राचार्या को प्राध्यापिकाओं द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवस पर प्राचार्या हर्ष व विषाद से मिलीजुली अनोखी भावनाओं को व्यक्त किया। सभी प्राध्यापिकाओं द्वारा छात्राओं के पठन पाठन व संरक्षण की प्रशंसा करते हुए उनका अभिनंदन किया। साथ ही छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके बाद तृतीय वर्ष की छात्रा रुचि जाखड़ और दीपिका डागर ने महाविद्यालय से जुड़ी यादों को सांझा करते हुए अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। छात्राओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। समारोह में मिस सरस्वती 2023 प्रतियोगिता का आयोजन बृजकुमारी, मीनाक्षी व सोनिया द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. श्वेता छाबड़ा, डॉ. सुनीता शर्मा व डोली भारद्वाज ने निभाई। प्राचार्या ने छात्राओं को बधाई देते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। मिस सरस्वती 2023 प्रतियोगिता हिमांशी को मिस सरस्वती का खिताब मिला। वहीं नंदिनी प्रथम रनरअप व ज्योति पांडे द्वितीय रनरअप रही। कार्यक्रम में मंच का संचालन मिस रचना सौरोत द्वारा किया गया।

जाति सर्वेक्षण
नीतीश को धक्का

पटना उच्च न्यायालय ने नीतीश सरकार को राज्य में जाति-आधारित सर्वेक्षण रोकने का आदेश दिया है। यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए धक्का है। हमारे राजनेता अक्सर न्यायपालिका द्वारा अपने हितों पर प्रहार को 'न्यायिक हस्तक्षेप' मानते हैं। ऐसे में आश्चर्य नहीं कि नीतीश कुमार सरकार के लोग गुरुवार को दिए पटना उच्च न्यायालय के निर्णय से अप्रसन्न हैं जिसने राज्य में जाति-आधारित सर्वेक्षण तत्काल रोकने का आदेश दिया है। हालांकि, अब तक उन्होंने उच्च न्यायालय के आदेश की आलोचना में कुछ नहीं कहा है। राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि महागठबंधन सरकार पटना उच्च न्यायालय के स्थगनादेश का सम्मान करती है। अदालत ने ऐसा कर ठीक किया है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन तथा न्यायमूर्ति मधुरेश प्रसाद की पीठ ने निजता के अधिकार में गैर-जिम्मेदार ढंग से हस्तक्षेप के लिए राज्य सरकार की खिंचाई की। उन्होंने कहा, 'हमने देखा है कि राज्य सरकार द्वारा जारी अधिघोषणा में इस डेटा का राज्य विधानसभा में विभिन्न पार्टियों से साझा करने का इरादा है।' राज्य सरकार ने 7 जनवरी को सर्वेक्षण शुरू कराया था। इस परियोजना पर 500 करोड़ रुपये खर्च होने थे। बिहार के उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने अपनी कार्रवाई को उचित ठहराने के लिए कहा, 'सभी जानते हैं कि जाति-आधारित सर्वेक्षण, जाति सर्वेक्षण नहीं है। जाति-आधारित सर्वेक्षण का उद्देश्य बिहार में गरीबों को लाभ पहुंचाना है। लालू यादव व नीतीश कुमार जाति-आधारित सर्वेक्षण के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी सरकार इसे करेगी। वर्तमान समय में विस्तृत आदेश की प्रतीक्षा है।' लेकिन उनके इस बयान से यह तथ्य छिप नहीं सकता है कि भारतीय जनता पार्टी की विरोधी महागठबंधन में शामिल तथा अन्य पार्टियां ऐसा विमर्श तैयार कर रही हैं जिससे जाति-उन्मुख राजनीति को बढ़ावा मिलता है। इस प्रकार की राजनीति जाति-आधारित आरक्षण के आसपास घूमती है।

विपक्ष की रणनीति को इतिहास से काफी प्रेरणा मिली लगती है। सभी जानते हैं कि तीन दशक पहले आई मंडल आयोग रिपोर्ट ने भाजपा को परेशान कर दिया था। रिपोर्ट की संस्तुतियों ने 'हिंदू समाज' में विभाजन पैदा कर दिया था जिसके परिणामस्वरूप भाजपा के राजनीतिक समर्थक भी जातीय आधार पर बंट गए थे। पार्टी इस दुविधा का शिकार थी कि यदि वह मंडल का विरोध करती है तो भाजपा-विरोधी नेताओं व बुद्धिजीवियों द्वारा प्रचारित इस धारणा को बल मिलेगा कि वह केवल तथाकथित उच्च-जातीय लोगों के हितों का प्रतिनिधित्व करती है। यदि वह संस्तुतियों का समर्थन करती तो उच्च जातियों की संभावनायें प्रभावित होतीं और उसके प्रमुख मतदाता नाराज हो सकते थे। ऐसे में भगवान राम ने भाजपा की सहायता की। यह सब काफी लंबे समय पहले हुआ और तब से यमुना में बहुत पानी बह गया है। राम मनोहर लोहिया के राजनीतिक व वैचारिक वारिस एक मरे घोड़े को कोड़े मार कर जिन्दा करने के प्रयास कर रहे हैं। आज भारत 1980 की तुलना में बहुत बदल गया है और आज की भाजपा भी लालकृष्ण आडवाणी व अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली भाजपा नहीं है। आज उसका नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह कर रहे हैं। लोहियावादी इन तथ्यों को महत्व नहीं देना चाहते हैं कि आज भाजपा 1990 की तुलना में ज्यादा समावेशी है और स्वयं नरेन्द्र मोदी का संबंध अन्य पिछड़े वर्ग-ओबीसी से है। महागठबंधन की राजनीति भी इसी समूह के चारों ओर घूमती है। इतिहास स्वयं को दुहराता नहीं है और इस बार भी वह स्वयं को दुहराएगा नहीं।

विपक्षी एकता विफलः मनोहर लाल खट्टर

विपक्षी एकता प्रयासों के बावजूद हरियाणा के मुख्यमंत्री हतोत्साहित नहीं हैं। साक्षात्कार में मनोहरलाल खट्टर ने बताया कि ये प्रयास कारगर नहीं होंगे।

मनीष आनन्द
(साक्षात्कारकर्ता)

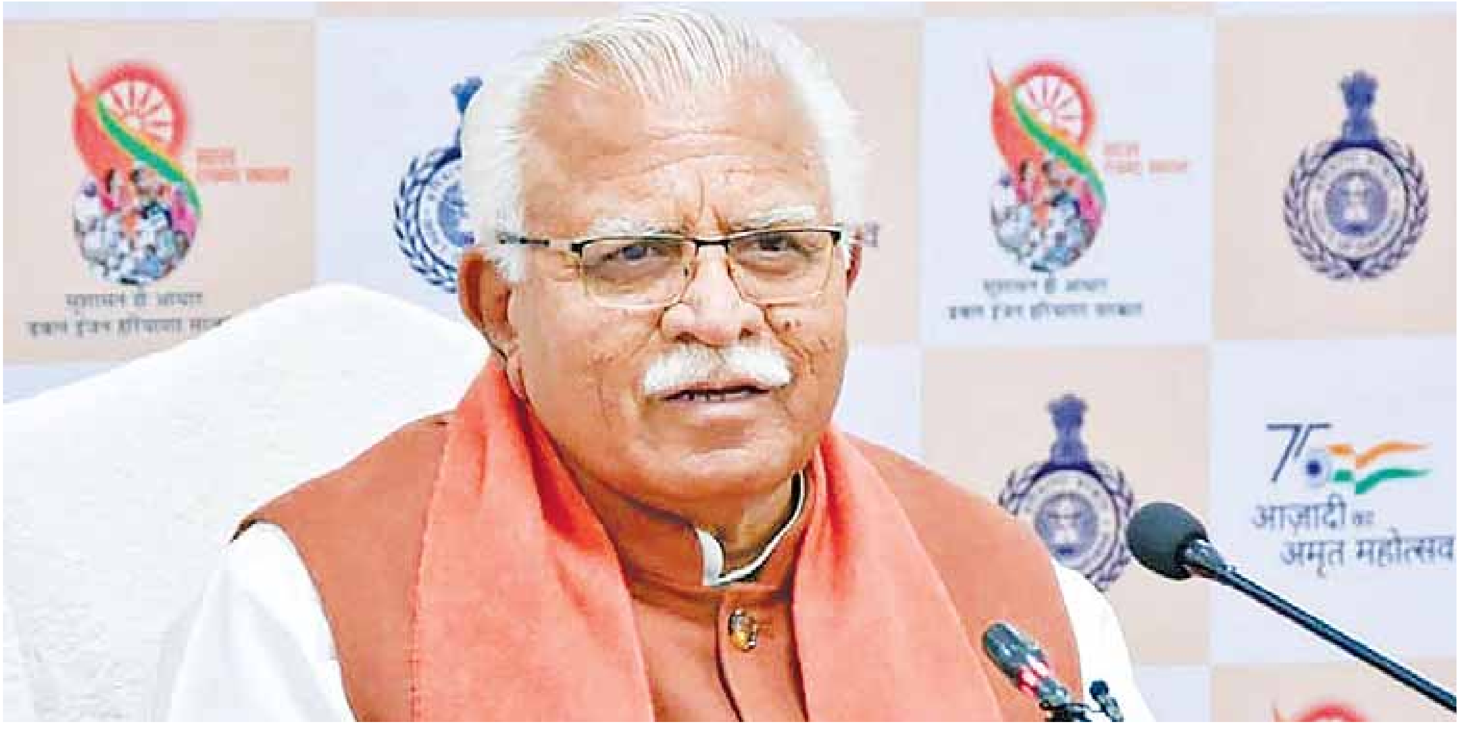

हरियाणा राज्य में कम से कम तीन बड़ी पार्टियां हैं। आप विपक्षी एकता संभावनाओं को किस प्रकार देखते हैं? इनका हरियाणा पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

खट्टरः इसमें कुछ नया नहीं है। विपक्षी एकता प्रयास एक विफल परियोजना है। अतीत में भी उन्होंने इसका प्रयास किया था, पर वे बुरी तरह विफल हुए। विपक्षी दलों ने ये सारी तरकीबें 2019 के चुनाव में आजमाईं, पर जनता ने उनको अस्वीकार कर दिया। विपक्षी पार्टियां समझ नहीं पा रही हैं कि जनता से उनका संबंध टूट गया है। कांग्रेस ने अपने कदम उठाए, जैसे बेरोजगारों को नकद भत्ता, मुफ्त बिजली व अन्य वादे।

क्या कांग्रेस अगले साल होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव में कोई चुनौती पेश करेगी?

खट्टरः हरियाणा के लोग बहुत गौरवशाली हैं और उनका 'खैरातों' के प्रति कोई आकर्षण नहीं है। हरियाणा की भाजपा सरकार ने दिखा दिया है कि सुशासन लोगों को तेजी से विकास और समृद्धि के रास्ते पर ले जा सकता है। हरियाणा में भाजपा सरकार आने से पहले बिजली क्षेत्र का नुकसान 34 प्रतिशत से अधिक था। लेकिन हमने जनता को बिजली बिलों के भुगतान के लाभ समझाए। 'जगमग गांव योजना' का जन्म हुआ और ग्रामीणों ने 24 घंटे बिजली सप्लाई के लिए बिजली बिलों का भुगतान शुरू किया। गांवों में बिजली आने से लोग लाभदायक गतिविधियों में शामिल हुए जिससे उनकी आमदनी बढ़ी। हमने दिखा दिया है कि अच्छे इरादों से सुशासन स्थितियों को बेहतर बना सकता है। इस प्रकार हरियाणा में कोई 'खैरातें' लेने को तैयार नहीं है।

केन्द्र में नरेन्द्र मोदी सरकार 30 मई को 9 साल पूरे करेगी। आपके क्या विचार हैं?

खट्टरः मोदी सरकार ने सुशासन दिखाया है। शासन में तकनीक प्रयोग से लोगों को लाभ हुआ है। तकनीक प्रयोग से भ्रष्टाचार भी दूर हुआ है। सुशासन के लाभ लोगों तक बड़े पैमाने पर पहुंच रहे हैं।

पिछले आठ साल में कितने लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं?

खट्टरः केन्द्र ने राज्यों को गरीबी रेखा के नीचे वाले लोगों का पता लगाने को कहा था जिनकी प्रति परिवार आय 1.20 लाख वार्षिक से कम हो। लेकिन हरियाणा में प्रति व्यक्ति आय बहुत अधिक है। इस प्रकार दूसरे राज्यों जैसी गरीबी हरियाणा में नहीं है। हमने तय किया कि राज्य सरकार बीपीएल श्रेणी के उन लोगों का पता लगाएगी जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख से कम हो। यह केन्द्र द्वारा निर्धारित मानक से बहुत अधिक थी। इसके साथ ही हमने आईटी-समर्थित 'परिवार पहचान पत्र' बनाने का व्यापक अभियान चलाया। इसमें फील्ड सर्वेक्षण से प्राप्त सारा डेटा शामिल किया गया। इससे हम बीपीएल में लोगों के शामिल होने व उससे बाहर निकलने की स्वचालित व्यवस्था बनाने में सफल हुए जो उनकी आय पर आधारित थी।

वर्तमान समय में बीपीएल सूची में 31.5 लाख लोग शामिल हैं। हालांकि, क्या व्यवस्था की गड़बड़ी से कुछ वास्तविक लोगों के इससे बाहर जाने की संभावना हो सकती है?

खट्टरः बाहर जाने के मामले में भी स्वचालित रूप से तीन महीने तक राशन बंद नहीं होता है। ऐसे लोग तीन महीने तक राशन प्राप्त करने के साथ अपने पृथक्करण को चुनौती दे सकते हैं जिसका आंकलन एक और फील्ड जांच के आधार पर होगा। लेकिन हम बीपीएल सूची से नौ लाख से अधिक ऐसे परिवारों को बाहर करने में सफल हुए हैं जो आयकर रिटर्न भरते थे या सरकारी अथवा प्राइवेट नौकरियों में थे। उनके स्थान पर हमने 12 लाख से अधिक परिवारों को इसमें शामिल किया जो पहले मुफ्त राशन के अधिकार से वंचित थे।

क्या उन परिवारों को शामिल करने पर कोई विचार हुआ जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये की सीमा से थोड़ी अधिक हो?

खट्टरः हम अन्य आठ लाख लोगों को मुफ्त राशन योजना में शामिल करने पर विचार कर रहे हैं जिस पर खर्च होने वाली मासिक 3000 रुपये का आधा केन्द्र सरकार व आधा राज्य सरकार साझा करेगी। हम 1.80 लाख से 3 लाख वार्षिक आय वाले परिवारों को शामिल करेंगे।

आप हरियाणा में गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। क्या सहयोगी जेजेपी से चुनाव-पूर्व गठबंधन की संभावना है?

खट्टरः भाजपा ने 2019 हरियाणा विधानसभा चुनाव अकेले लड़े थे। हमने चुनाव के बाद गठबंधन सरकार बनाई। इसलिए अगले साल भाजपा एक बार फिर अकेले चुनाव लड़ेगी। हरियाणा ने तय किया है कि अकुशल श्रमिक कार्यबल का 75 प्रतिशत राज्य से होगा।

इसका उद्योगों पर क्या प्रभाव है?

खट्टरः उद्योगों ने सकारात्मक रूप से इसे स्वीकार किया है। यह अनेक अन्य राज्यों में भी लागू है। हमने एक पहल शुरू की थी जिसमें हम कर्मचारियों व सेवायोजकों को एकसाथ लाने के फैसिलिटेटर की भूमिका निभाते हैं। पहली मांग 6,000 अकुशल श्रमिकों की आई और हमने 12000 से अधिक उम्मीदवारों की प्रोफाइल पेश की जिनके रिकार्ड की जांच पहले ही सरकारी विभाग ने कर ली थी। इससे बिचौलियों से मुक्ति मिली तथा सुनिश्चित हुआ कि कर्मचारियों को पूरा भुगतान तथा अनिवार्य लाभ मिलेंगे।

क्या हरियाणा सरकार उद्योगों को स्थानीय लोगों को रोजगार देने के लिए कोई प्रोत्साहन भी देती है?

खट्टरः हमने हरियाणा को चार श्रेणियों-समूह ए से समूह डी तक बांटा है। हरियाणा सरकार ने उद्योगों को समूह डी में प्रति कर्मचारी 4000 रुपये की मासिक सहायता दी है। यह जिलों में औद्योगीकरण प्रोत्साहित करने की पहल का हिस्सा है।

हरियाणा ने प्रशासन में तकनीक का प्रयोग कैसे किया है?

खट्टरः हरियाणा में बहुत जीवन्त तकनीक-सक्षम प्रशासन माडल है। किसान अपनी खेती योग्य भूमि के विस्तृत विवरण निर्धारित पोर्टल पर अपलोड कर वर्तमान योजनाओं का लाभ प्राप्त करते हैं। 'भावान्तर योजना' के अंतर्गत राज्य सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य तथा बाजार मूल्य के बीच अंतर का भूगतान करती है जिसका क्रियान्वयन एक पोर्टल के माध्यम से किया जाता है। हमने बिचौलियों का पूरी तरह सफाया कर दिया है। यदि सरकार अपनी भूमि परती छोड़ते हैं तो उनको स्वतः ही इसका मुआवजा मिलता है।

हरियाणा की कृषि में कैसे परिवर्तन हो रहे हैं?

खट्टरः हरियाणा के किसान अत्यधिक प्रगतिशील प्रकृति के हैं। यहां किसान पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रहते हैं और कृषि में सर्वोत्तम औजारों व तकनीक प्रयोग करते हैं। हमने 'मेरा पानी, मेरी विरासत' योजना किसानों को टिकाऊ कृषि को प्रोत्साहन देने के लिए शुरू की है। हम चाहते हैं कि किसान धान की खेती के बजाय अन्य फसलें पैदा करें क्योंकि उनमें कम पानी लगता है। पिछले कुछ सालों में बड़ी संख्या में किसानों ने धान की खेती के बजाय कम-अवधि वाली फसलों की खेती शुरू की है जिनसे बहुत अधिक लाभ भी होता है।

पीएलआई योजना ने सौर उद्योग को दिया नया जीवन

" पीएलआई योजना भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में स्वतंत्र बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। "

कुणाल सक्सेना
(लेखक, एएमपी एनर्जी इंडिया के महाप्रबंधक हैं)

भारत के विकास के लिए विद्युतीकरण एक आवश्यक लीवर है। विद्युतीकरण को शून्य-शून्य लक्ष्य के साथ संरेखित करने के लिए, नवीकरणीय ऊर्जा विकास एक नितांत आवश्यक है। नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के लिए सौर मॉड्यूल, पवन टर्बाइन आदि जैसे उपकरणों की आवश्यकता होती है। सौर ऊर्जा की बात करें तो वर्तमान में भारत में सौर मॉड्यूल की निर्माण क्षमता 38 गीगावाट है, लेकिन अपस्ट्रीम उत्पाद भारतीय क्षेत्र से काफी हद तक गायब हैं। यह भारतीय सौर मॉड्यूल निर्माताओं को सहायक और अपस्ट्रीम सामग्री के लिए विदेशी आपूर्तिकर्ताओं की योनि के संपर्क में लाता है। सौर सेल, वेफर्स, पॉलीसिलिकॉन आदि, बदले में भारतीय सौर मॉड्यूल को अप्रतिस्पर्धी बना रहे हैं।

इसलिए, भारत में एक पूर्ण विकसित सौर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की आवश्यकता है। इसके लिए, भारत सरकार प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना लेकर आई, जहां बोलीदाताओं को एकीकरण, प्रौद्योगिकी और स्थानीय सोर्सिंग की सीमा के आधार पर बोली लगाने की आवश्यकता थी। पीएलआई – आईएनआर 4500 करोड़ की पहली किश्त। 2021 में 9 गीगावाट की कुल जीतने की क्षमता के साथ संपन्न हुआ था, जबकि पीएलआई- आईएनआर 19500 करोड़ की किश्त 2। हाल ही में 40 गीगावाट की जीतने की क्षमता के साथ संपन्न हुआ है।

हाल ही की पीएलआई-ट्रेंच 2 बोली में, एक बोलीदाता को एकीकरण की सीमा, स्थापित की जाने वाली निर्माण क्षमता, मॉड्यूल की दक्षता और तापमान सह-कुशलता और प्रत्येक वर्ष प्राप्त होने वाले स्थानीय मूल्यवर्धन को उद्धृत करना था। साथ ही, बिक्री की मात्रा पीएलआई सब्सिडी गणना में एक कारक है। इसलिए,

स्थानीय मूल्य संवर्धन को बनाए रखते हुए बोली लगाने वाले से प्रतिबद्ध प्रौद्योगिकी के सौर मॉड्यूल बेचने की उम्मीद की जाती है। यदि बोली लगाने के दौरान, एक बोलीदाता उच्च पीएलआई राशि को प्राप्त करने के लिए प्रौद्योगिकी में अति-आशावादी हो जाता है, तो यह मॉड्यूल बेचने की बात आने पर बोली लगाने वाले के खिलाफ कार्रवाई कर सकता है, क्योंकि उक्त मॉड्यूल महंगा हो सकता है जिससे सीमित उठाव का सामना करना पड़ सकता है। इसके विपरीत, यदि कोई बोलीदाता किसी ऐसी तकनीक का उद्धरण करता है, जो मॉड्यूल बेचते समय अप्रचलित हो जाती है, तो बोली लगाने वाले को ग्राहकों से पुशबैक का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, सरकार ने मॉड्यूल प्रौद्योगिकी पर निर्णय लेने का निर्णय उद्योग के विवेक पर छोड़ दिया है। वही स्थानीय मूल्यवर्धन के लिए जाता है। पीएलआई योजना ने वर्ष-दर-वर्ष आधार पर त्न स्थानीय मूल्यवर्धन का प्रक्षेपवक्र अनिवार्य किया है। उदाहरण के लिए, सेल + मॉड्यूल श्रेणी में, पहले वर्ष में न्यूनतम 50 प्रतिशत से शुरू होता है और 5 वें वर्ष में 75 प्रतिशत तक जाता है। यदि हम वर्तमान परिदृश्य को देखें, तो अधिकांश लागत-संवेदनशील कच्चे माल अर्थात। वेफर्स, सिल्वर पेस्ट, मॉड्यूल बीओएम आदि आयात किए जाते हैं। यह स्थानीय मूल्यवर्धन को 35 प्रतिशत – 40 प्रतिशत तक छोड़ देता है। इसे देखते हुए, सहायक क्षमताओं को विकसित करना और योजना को सफल बनाना उद्योग पर निर्भर है। पीएलआई अप्रत्यक्ष रूप से भारत में सहायक विकास को संबोधित करता है। कुल मिलाकर, योजना की सफलता भारत के आयात बिल को कम करते हुए भारत को अपनी ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में अधिक मजबूती से स्थापित करेगी।

इसके अलावा, एक बार एक उद्योग का पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो जाने के बाद, यह अन्य उद्योगों के साथ पार-परागण करता है। एक बड़ी डाउनस्ट्रीम क्षमता घोषणा के साथ, प्रत्येक संबंधित उद्योग को अवसर की गंध आती है। वर्तमान में, प्रक्रिया उपकरण और रोबोटिक्स निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र से पूरी तरह गायब है। यह उसके लिए एक नींव रख सकता है।

पीएलआई योजना भारत के सौर विनिर्माण परिदृश्य में एक नया जीवन लाती है और उद्योग को यह चुनने के लिए प्रेरित करती है कि इसके लिए सबसे अच्छा क्या है। यह सीधे सौर मॉड्यूल के घरेलू उत्पादन की आवश्यकता को संबोधित करता है और ऊर्जा के मामले में भारत को स्वतंत्र बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसके अलावा, प्रौद्योगिकी निर्माण क्षेत्र को स्थापित करने से जुड़े लाभ एक बड़े बोनस के साथ आते हैं। विनिर्माण इतिहास में ऐसे उदाहरण हैं जब एक विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास से अन्य उद्योगों में विकास हुआ। यह भारतीय अर्थव्यवस्था को गुणक प्रभाव प्रदान करता है और सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि को बढ़ावा देने में मदद करता है, जिससे भारत वास्तव में आत्मनिर्भर भारत बन जाता है।

आप की बात

पाकिस्तान में अल्पसंख्यक

पाकिस्तानी कहते हैं कि हमारा देश अब बदल गया है एवं यहां आजकल सभी धर्मों के साथ बेहतर और शालीन व्यवहार किया जाता है एवं सभी अल्पसंख्यकों के अधिकार सुरक्षित हैं। लेकिन यह सब झूठ है। आज भी वहां हिंदू सुरक्षित नहीं है। पिछले दिनों सिंध प्रांत में एक मुठभेड़ के दौरान वहां एक हिंदू लड़के की हत्या कर दी गई। कहते हैं कि एक पुलिस अधिकारी ने हिंदू होने के कारण ही उस लड़के को गोली मार दी। जब वहां की पाठ्य पुस्तकों में ही हिंदू अल्पसंख्यकों के प्रति अपशब्द और अभद्रता की भाषा लिखी हुई है तब पाकिस्तान में हिंदू कैसे सुरक्षित हो सकते हैं। बचपन से ही वहां पर हिंदुओं से नफरत करने का पाठ सिखाया जाता है जो कहीं से भी उचित नहीं है। आज के समय में पाकिस्तान में अल्पसंख्यक कतई सुरक्षित नहीं है। इसके विपरीत भारत में मुस्लिम, सिख, ईसाई आदि धर्मों का पालन करने वाले न केवल सुरक्षित हैं बल्कि उनके सारे मानवीय, कानूनी व संवैधानिक अधिकार भी हर तरह से सुरक्षित है। इसी कारण जहां पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की संख्या लगातार घटी है, वहीं भारत में मुसलमानों समेत सभी अल्पसंख्यकों की संख्या काफी बढ़ी है और वे हिंदुओं की तरह ही फल-फूल रहे हैं।

– **मनमोहन राजावत,** शाजापुर

नशे की लत

समाजशास्त्रियों ने एक अध्ययन में खुलासा किया है कि अगले एक दशक में 10 से 18 वर्ष आयुवर्ग के किशोर बड़ी संख्या में नशे और ड्रग्स के आदी हो जाएंगे। नशे के इस घृणित व्यापार में आतंकवादी और पाकिस्तान जैसे दुश्मन सक्रिय रुप से सहयोग कर रहे हैं। वे जब आतंकियों को पैसा नहीं भेज पाते हैं तो ड्रग्स की खेप भेज देते हैं जिसे बेचकर यह लोग आतंकवाद फैलाने के लिए धन एकत्र कर लेते हैं। इस तरह भारत पर दोहरा वार हो जाता है। युवा नशे की लत में पड़ते हैं और देश आतंकवादियों को भुगतना है। हमारे देश में ड्रग्स के खिलाफ बहुत ही सख्त नियम लागू है। इसके बावजूद इनका बड़े पैमाने पर व्यापार और पान की दुकानों तक इनकी उपलब्धता वर्तमान तंत्र की नाकामी को प्रकट करती है। ड्रग्स के आदी किशोरों-युवकों की हालत यह है कि वह कहीं भी चोरी कर लेते हैं, बात-बात पर लड़ने-मरने को उतारू हो जाते हैं और ड्रग्स के एवज में कुछ भी अपराध करने को तैयार हो जाते हैं। सरकार के साथ-साथ परिवार और धर्मगुरुओं को भी नशाखोरी के खिलाफ सक्रिय अभियान चलाना चाहिए।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

सौंदर्य के मानक

लोगों के मन पर खूबसूरती संबंधी भ्रामक मानक हावी हो गए हैं। जरा सा भी बदलाव शरीर में आने से लोगों की हंसी-खुशी छिन जाती है। वैसे तो हर किसी को अपनी खूबसूरती पर नाज़ होता है और वो चाहता है कि सबसे अलग दिखे व अच्छा दिखे। लेकिन हम ये क्यों भूल जाते हैं कि उम्र के साथ-साथ शरीर में भी बदलाव आते हैं। अब यदि नौजवान जैसा चेहरा अगर आप बुढ़ापे में भी चाहते हैं, तब ये ख्वाहिश नहीं पूरी हो सकती। सुंदरता के मानकों के पीछे फैशन उद्योग तथा कास्मेटिक सर्जनों, आदि का बड़ा हाथ है। यह उद्योग लोगों को अपनी गाढ़ी कमाई का पैसा सौंदर्य प्रसाधनों तथा शरीर को सुंदर बनाने के लिए सर्जरी तक पर खर्च करने को प्रेरित करता है। कुछ साल पहले तक गोरा बनाने वाली क्रीमों का धंधा बहुत तेजी से बढ़ रहा था, पर महिला आंदोलनकारियों ने इस प्रकार के सौंदर्य मानकों का विरोध किया। इसके परिणामस्वरूप आज अश्वेत व कम गोरी तथा वृद्ध व थोड़ी मोटी महिलाओं में भी आत्मविश्वास आया है और वे सौंदर्य के संकुचित मानकों का विरोध कर रही हैं। जनता तक यह जागरूकता फैलाने व उनमें विश्वास पैदा करने की जरूरत है।

– **सृष्टि मौर्य,** फरीदाबाद

कैपिटाल हिल हिंसा

भारत ही नहीं एशिया के प्रथम नोबेल पुरस्कार से सम्मानित महान कवि, दार्शनिक व साहित्यकार रवीन्द्र नाथ टैगोर ने द्वितीय विश्वयुद्ध के समय अंध-राष्ट्रवाद के लिये सही बात कही थी। उन्होंने कहा था कि राष्ट्रवाद बुराई की एक क्रूर महामारी है जो वर्तमान युग की मानव दुनिया में व्यापक है। पूरी दुनिया में अति-राष्ट्रवाद या अंध-राष्ट्रवाद लोगों को हिंसक बनाता है, उनसे हमले करवाता है तथा उनको दूसरे का दुश्मन बनाता है। इसी के कारण दुनिया के सबसे पुराने माने जाने वाले लोकतंत्र अमेरिका के कैपिटल हिल में तोड़फोड़ हुई थी जो उस देश के लिए भयावह घटना थी। आखिरकार प्राउड बॉयज नामक उग्र राष्ट्रवादी गुट के 5 सदस्यों को आगजनी फैलाने व तोड़फोड़ का दोषी पाया है। इन्हें आजीवन जेल में ही रहना पड़ेगा। आशा करनी चाहिए कि कैपिटाल हिल हिंसा के अन्य दोषियों को भी सजा मिलेगी। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को इस घटना का जिम्मेदार माना जाता है। देखना होगा कि क्या अमेरिकी अदालतें अपने पूर्व-राष्ट्रपति को भी सजा देंगी?

– **जंगबहादुर सिंह,** जमशेदपुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

सुदृढ़ कानून व्यवस्था आज उत्तर प्रदेश की पहचान है: मुख्यमंत्री

लखनऊ। नगर निकाय चुनाव के दूसरे चरण में 11 मई को मतदान होना है। इस चरण में होने वाले नगर निगमों, पंचायतों व पालिका में भारतीय जनता पार्टी की जीत हो और बोर्ड बने, इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ धुआंधार प्रचार कर रहे हैं। रविवार को मुख्यमंत्री ने बदायूं, शाहजहांपुर में चुनाव प्रचार कर भाजपा के कार्यों का उल्लेख किया तो जनविरोधी कार्यों के लिए विपक्षी दलों पर हमलावर भी रहे। मुख्यमंत्री ने छह वर्ष में प्रदेश सरकार के कार्यों की बदौलत वोट रूपी हथियार में आमजन का साथ भी मांगा। बदायूं में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सुदृढ़ कानून व्यवस्था आज उप्र की पहचान है। छह वर्ष पहले परिवारवादी दल युवाओं के हाथों में तमंचा पकड़ाते थे। हमारी सरकार युवाओं के हाथ में टैबलेट दे रही है। हम उप्र के युवाओं के टैलेंट को टेक्नोलॉजी और ट्रेनिंग के साथ जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बन रहे हैं। इसी का नतीजा है कि यूपी तेजी के साथ भारत के विकास का ग्रोथ इंजन बन रहा है। गंगा एक्सप्रेसवे बदायूं से होते हुए गुजर रहा है। एक ओर से मेरठ

जुड़ेगा और दूसरी तरफ प्रयागराज। दिल्ली जाना हो या प्रयागराज बदायूं से होकर ही जाना पड़ेगा। इससे बदायूं एक डेस्टिनेशन के हब के रूप में उभरेगा। हमारी सरकार हर घर जल योजना के तहत यहां शुद्ध पेयजल पहुंचाने जा रही है। बदायूं में सीवर लाइन का काम बहुत जल्द शुरू करने जा रहे हैं।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने शाहजहांपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि शाहजहांपुर बलिदानी भूमि है। यहां क्रांतिकारियों की फौज खड़ी करने वाले पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान और ठाकुर रोशन सिंह जैसे महान क्रांतिकारी हुए हैं। देश और प्रदेश को अपनी विचारधारा से सेवा करने वाले सेठ किशनचंद, जितेंद्र प्रसाद रहे हैं। वह अपनी माटी के प्रति आत्मीयता से जुड़े रहे। जिन लोगों के कारनामों से प्रदेश की जनता ऊब चुकी थी। ऐसे लोगों को तिलांजलि देकर अर्चना वर्मा ने विकास का साथ देने वाली पार्टी का दामन थामा है। अब उनका प्रत्यावेदन आपकी अदालत में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम प्रदेश में कोई भी योजना शुरू करते हैंए खन्ना जी उसे शाहजहांपुर ले आते हैं। शाहजहांपुर को पहले उन्होंने नगर निगम बनवाया। इसके बाद जनपद को स्टेट स्मार्ट सिटी योजना में शामिल कराया। गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ा। हनुमत धाम में रोपवे की सुविधा करवा रहे हैं। शाहजहांपुर में हनुमत धाम के बाद अब शहीद संग्रहालय का निर्माण हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोनिवि के मंत्री जितिन प्रसाद शाहजहांपुर के आसपास सिक्स लेन और फोर लेन सड़कों का जाल बिछा रहे हैं। बाईपास बना रहे हैं।

बिजली दरों पर आयोग की बैठक आज

लखनऊ। प्रदेश की बिजली कंपनियों की तरफ से दाखिल बिजली दर में बढ़ोतरी प्रस्ताव या बिजली दरों में कमी के मामले पर सोमवार को विद्युत नियामक आयोग की राज्य सलाहकार समिति की बैठक होगी। सोमवार को प्रात: 11 बजे से विद्युत नियामक आयोग के चेयरमैन आरपी सिंह की अध्यक्षता में आयोग सभागार में होने वाली इस बैठक में अपर मुख्य सचिव ऊर्जा सहित पावर कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक के अलावा कृषि, खाद्य, सिंचाई आदि विभागों के प्रमुख सचिव भाग लेंगे। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा है कि सभी विधिक पहलुओं का अध्ययन किया गया है। परिषद बैठक में यह साबित करेगी कि बिजली दरों में वृद्धि नहीं बल्कि इसमें कमी लाने के लिए आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक सरप्लस निकल रहा है।

प्रदेश की जनता का बगैर भेद-भाव के हो रहा विकास: भूपेन्द्र चौधरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने रविवार को कहा कि भाजपा सरकार में जाति धर्म से हटकर प्रदेश की जनता का बिना भेद-भाव के विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में हर वर्ग तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंच रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने रविवार को रामपुर में स्वार विधानसभा उपचुनाव को लेकर आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में अब दंगे व अराजकता फैलाने वाले तत्व स्वयं थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर रहे है। यह भाजपा की अपराध और अपराधियों पर जीरो टॉलरेंस की नीति का ही परिणाम है। भूपेन्द्र चौधरी ने रविवार को अपना दल एस और भाजपा गठबंधन के प्रत्याशी शफीक अहमद के समर्थन में आयोजित विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए उक्त बातें कहीं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने भाजपा.अपना दल एस गठबंधन प्रत्याशी को भारी मतों से जिताने का आह्वान करते हुए कहा कि पिछले 6 साल तक स्वार टांडा में कोई विकास का कार्य नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि स्वार टांडा में ऐसा विधायक रहा जो सिर्फअपने विकास में ही लगा रहा। भूपेन्द्र चौधरी ने कहा कि पूर्ववर्ती सपा सरकार का मूल ऐजेण्डा ही अपना व अपने परिवार का विकास रहा है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य की भाजपा सरकार द्वारा जनता के हित में जनकल्याणकारी योजनाओं को शत.प्रतिशत लागू कर उनकी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए भाजपा की डबल इंजन की सरकार प्रतिबद्ध है। भाजपा सरकार के एजेंडे में सिर्फ गरीब का विकास और उनका उत्थान ही है।

भूपेन्द्र चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ और सबका विकास के मूल मंत्र पर काम करती है। आने वाले समय में स्वार विधानसभा के उपचुनाव में जब भाजपा.अपना दल एस गठबंधन के प्रत्याशी यहां से जीत कर जाएंगे तो इस क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा में जोड़कर और तीव्र गति से क्षेत्र का विकास कार्य होगा जिससे यहां की आम जनता को लाभ पहुंचेगा।

दूसरे चरण की वोटिंग को लेकर तैयारी शुरू 48 घंटे पहले बंद हो जाएगा चुनाव प्रचार

- 11 को होगा मतदान मतगणना 13 को

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी में हो रहे नगरीय निकाय चुनाव के दूसरे व अंतिम चरण के मतदान की तैयारी शुरू हो गई है। आगामी 11 मई को राज्य के 38 जिलों के नगरीय निकायों में वोट डाले जाएंगे। मंगलवार नौ मई की शाम छह बजे चुनाव प्रचार थम जाएगा और पोलिंग पार्टियों की रवानगी शुरू हो जाएगी। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार ने बताया कि दूसरे चरण के 38 जिले में से सात नगर निगमों, 590 नगर निगम वार्डोंए 95 अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, 2551 सदस्य नगर पालिका परिषद वार्ड, 268 अध्यक्ष नगर पंचायत एवं 3495 सदस्य नगर पंचायत वार्ड सहित अर्थात् 370 निकायों एवं 6636 वार्डों में 7006 पदों का चुनाव कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन सात नगर निगमों में 6111 मतदान स्थल 1798 मतदान केंद्र बनाए गए हैं जिनमें 3969294 पुरुष मतदाता एवं 3457512 महिला मतदाता हैं। उन्होंने बताया कि नगर पालिका परिषदों में 8198 मतदान स्थल तथा 2537 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं जिनमें 3886525 पुरूष मतदाता एवं 3444385 महिला मतदाता हैं।

आयुक्त मनोज कुमार ने बताया कि 268 नगर पंचायतों एवं 3495 नगर पंचायत वार्डों में 5309 मतदान स्थल एवं 2043 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं जिनमें 2361173 पुरुष मतदाता एवं 2113115 महिला मतदाता हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रकार 370 निकायों एवं 6635 वार्डों के लिए 19618 मतदान स्थल तथा कुल 6378 मतदान केन्द्र बनाए गए हैंए जिनमें कुल पुरुष मतदाता 10216992 और कुल महिला मतदाताओं की संख्या 9015012 है। आयुक्त मनोज कुमार ने बताया कि सात नगर निगम के महापौर पदों के 92 नामांकन प्राप्त हुए थे जिसमें 90 नामांकन वैध पाए गए हैं। इन नगर निगमों के महापौर पद पर निर्वाचन लड़ने वाले 83 उम्मीदवार हैं। उन्होंने बताया कि इन सात नगर निगमों के 581 पार्षदों के लिए निर्वाचन लड़ने वाले 3840 उम्मीदवार हैं, 95 नगर पालिका अध्यक्षों के लिए 969 उम्मीदवार, नगर पालिका परिषद के 2520 सदस्यों हेतु 13315 उम्मीदवार और 267 नगर पंचायत अध्यक्षों के पद के लिए 2942 उम्मीदवार तथा 3459 नगर पंचायत सदस्यों के लिए 17997 उम्मीदवार मैदान में हैं। इस प्रकार 6929 विभिन्न पदों के लिए 39146 उम्मीदवार मैदान में हैं।

मुख्यमंत्री योगी आज अयोध्या, बाराबंकी मिर्जापुर में करेंगे जनसभा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को बाराबंकी, मिर्जापुर तथा अयोध्या में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करेगें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सुबह 11:30 बजे जीआईसी मैदान बाराबंकी तथा दोपहर 01:45 बजे बापू उपरौध इण्टर कालेज, लालगंज, मिर्जापुर में जनसभा को सम्बोधित करेंगें। जबकि दोपहर 03:40 बजे मणिराम दास छावनीए नई बिल्डिंग, अयोध्या में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करेंगें।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी सोमवार को अमेठी व अम्बेडकर नगर प्रवास पर रहेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी सुबह 11:30 बजे नगर पालिका परिषद जायस में रोड शो तथा दोपहर 12:50 बजे रणन्जय इंटर कालेज मैदान गौरीगंज नगर पालिका में रोड शो के साथ ही आयोजित जनसभा को सम्बोधित करेगें। जबकि दोपहर 02:25 बजे देवी पाटन मंदिर से रामलीला मैदान तक नगर पंचायत अमेठी में रोड शो व जनसभा को सम्बोधित करेंगे। वहीं सायं 04 बजे नगर पंचायत मुसाफिरखाना बाजार में रोड शो में सम्मिलित होगें। तत्पश्चात् सायं 06:30 बजे भाजपा जिला कार्यालय अकबरपुर जनपद अम्बेडकर नगर में पार्टी की संगठनात्मक बैठक में सम्मिलित होगें। केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी सोमवार को अमेठी विभिन्न स्थानों पर रोड़ शो एवं जनसभा को सम्बोधित करेंगी। सांसद दिनेश लाल यादव सोमवार को अमेठी में विभिन्न स्थानों पर रोड शो एवं जनसभा को सम्बोधित कर भाजपा प्रत्याशी के वोट देने की अपील करेंगे। केन्द्रीय मंत्री बीएल वर्मा सोमवार को बदायूं में जनसभा को सम्बोधित करते हुए जनसम्पर्क करेगें। केन्द्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति जी सोमवार को हमीरपुर में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित जनसभा को सम्बोधित कर भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में वोट देने की अपील करेंगी।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह जी सोमवार को कानपुर में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को सम्बोधित करेंगें। प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री ;स्वतंत्र प्रभारद्ध श्री गिरीश चन्द्र यादव जी सोमवार को अमेठी में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रोड़ शो व जनसभा को सम्बोधित करेंगे। प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री दानिश अंसारी सोमवार को बलिया में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को सम्बोधित करेंगे। प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री अनूप प्रधान बाल्मीकि जी सोमवार को पीलीभीत में पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को सम्बोधित करेंगे।

उपमुख्यमंत्री केशव व ब्रजेश पाठक भी भरेंगे हुंकार

लखनऊ। निकाय चुनाव को लेकर अलग-अलग जिलों में सोमवार को प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद व ब्रजेश पाठक जनसभाओं में हुंकार भरते हुए विपक्षी दलों पर हमला बोलने के साथ ही सरकार की उपलब्धियों को जनता के सामने रखेंगे। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सोमवार को शाहजहांपुर बदायूं पीलीभीत तथा बरेली में जनसभा को सम्बोधित करेंगे।

केशव प्रसाद मौर्य सुबह 11:05 बजे ब्लू हेवन्स मैरिज लॉनए जलालाबाद, शाहजहांपुर तथा दोपहर 12:20 बजे श्याम धर्मशाला ग्राउण्डए दातागंज बदायूं में आयोजित जनसभाओं को सम्बोधित करेंगे। जबकि दोपहर 01:45 बजे से नागेश पाठक चौराहाए व दोपहर 02:45 बजे क्षत्रिय चौराहा पीलीभीत से आयोजित रोड शो को प्रारम्भ कर भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान के लिए जनता से समर्थन मांगेगे। इसके उपरान्त दोपहर 03:55 बजे एमण्बी इंटर कालेजए बरेली में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करेंगे। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक सोमवार को सोनभद्र, भदोही तथा अयोध्या में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। पाठक सुबह 11:05 बजे क्लब मैदान रावर्टसगंज, सोनभद्र तथा दोपहर 12:25 बजे रामलीला ग्राउण्ड, गोपीगंज, भदोही में आयोजित जनसभाओं को सम्बोधित करेंगें। जबकि दोपहर 02:05 बजे बामदेव स्थलए कुमारगंजए अयोध्या तथा दोपहर 03:25 बजे बड़ी नहर के पास पुष्करपुरम्ए रूदौली, अयोध्या में आयोजित जनसभा को सम्बोधित कर भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने की अपील करेंगे।

किसान हित के मुद्दों पर कोई समझौता नहीं: रामाशीष राय

- चौधरी अजित सिंह की द्वितीय पुण्यतिथि मनाई गयी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश मुख्यालय में रविवार को स्व.चौधरी अजित सिंह की द्वितीय पुण्यतिथि मनाई गयी। इस अवसर पर रालोद नेताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया। माल्यार्पण के पश्चात राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय की अध्यक्षता में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। गोष्ठी का संचालन व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने किया।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने कहा कि चौधरी अजित सिंह ने आजीवन किसानों के हितों के लिए संघर्ष किया। उनकी एक आवाज से किसान संगठनों द्वारा अपने हक के लिए किये जा रहे आन्दोलनों को नई ऊर्जा मिलती थी। चौधरी अजित सिंह देश के विकास को गांव और किसान के विकास से जोड़ कर देखते थे। इसी चिंतन के चलते वह गांव और किसान का शोषण और उसके साथ होने वाले किसी अन्याय को सहन नहीं कर पाते थे। मंत्री पद पर रहते हुए भी चौधरी साहब ने किसान हित के मुद्दों पर कोई समझौता नहीं किया। उन्होंने चौधरी चरण सिंह के द्वारा जलाई गयी मशाल को अविरल जलाये रखा और आज उसी मशाल को आगे ले चलने का कार्य राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयन्त सिंह कर रहे हैं। राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने कहा कि मुद्दा चाहे किसानों के शोषण का हो या गरीब जनता के साथ अन्याय का या छोटे राज्यों के निर्माण का, चौधरी अजित सिंह इस सब के लिए संगठन पर बल देते थे। वह विशालकाय उत्तर प्रदेश को हरित प्रदेश, पूर्वांचल, बुंदेलखंड और मध्य उत्तर प्रदेश में विभाजित करने के पक्षधर थे। वह हमेशा किसानों और पिछड़ों की आशाओं का केन्द्र बिन्दु बने रहे। समाज के कमजोर वर्गो पर उनका विशेष ध्यान रहता था और पार्टी के छोटे छोटे कार्यकर्ता की आवाज को सुनकर उनकी समस्याओं का निराकरण करते थे। गोष्ठी में राष्ट्रीय सचिव ओंकार सिंह, टीम आरएलडी के राष्ट्रीय संयोजक अनुपम मिश्रा, मीडिया प्रभारी सुरेन्द्रनाथ त्रिवेदी, वरिष्ठ नेता वसीम हैदर, रजनीकांत मिश्रा, जितेन्द्र सिंह, आदित्य विक्रम सिंह, मनोज सिंह चौहान, अवध क्षेत्र के संगठन महासचिव चंद्रकांत अवस्थी, अम्बुज पटेल, छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष अमन पाण्डेय, जिलाध्यक्ष रफी अहमद सिद्दीकी, रमावती तिवारी, प्रमोद शुक्ला, रामगोपाल सिंह चंदेल, भोलानाथ वमा, अफसर अली, सम्राट सिंह चौहान, मंजू शुक्ला, महेश पाल धनगर, रमेश कश्यप, शफीक सिद्दीकी, आमिर, सोनू जिया ने भी अपने अपने विचार व्यक्त करते हुये चौधरी अजीत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कांग्रेस, सपा, बसपा की सरकारें भ्रष्टाचार में लिप्त रहीं: ब्रजेश पाठक

लखनऊ। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने रविवार को बलिया, बस्ती और सिद्धार्थनगर में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देश व प्रदेश में पंडित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सपनों को साकार कर रहे है। उन्होंने कहा कि 2014 से पूर्व में कांग्रेस, सपा, बसपा की देश प्रदेश में भ्रष्टाचार में लिप्त सरकारें रही। कांग्रेस के शासनकाल में भ्रष्टाचार चरम पर रहा तो वहीं 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार और गरीबों पर अत्याचार करने वाली सपा.बसपा की सरकारों ने सत्ता में रहकर प्रदेश को बर्बाद करने का काम किया। ब्रजेश पाठक ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की प्राथमिकता में गरीबों का उत्थान और उनका विकास ही एकमात्र एजेंडा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में गरीबों को पक्का मकान एहर घर शौचालय एनिर्बाध बिजली सहित निशुल्क गरीबों को आयुष्मान योजना के माध्यम से नि शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं सहित कोरोना जैसी महामारी के समय हर ज़रूरतमंद व्यक्ति को मुफ़्त भोजन राशन देने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार अपराध व अपराधियों पर जीरों टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए उत्तर प्रदेश को अपराध मुक्त प्रदेश बनाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सपा सरकार में सत्ता का संरक्षण प्राप्त अपराधी सत्ता की मलाई खाते थे। आज वही अपराधी भाजपा सरकार में पुलिस की गोली खा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं के सम्मान व सुरक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है जिसका परिणाम है कि आज प्रदेश में बहू बेटी दिन हो या रात किसी भी समय कहीं भी आ जा सकती है । तो वहीं पूर्व की सपा सरकार की बात करे तो बेटियाँ दिन में भी घर से निकलने से पहले कई बार सोचती थी। उन्होंने कहा कि गुंडे माफ़िया सपा सरकार में ख़ाली प्लॉट और मकानों को क़ब्ज़ा करने का काम करते थे तो वहीं आज मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार अवैध ज़मीन के क़ब्ज़ो को मुक्त करा रही है और उस पर गरीबों के लिए पक्के मकान बना रही है। यह प्रदर्शित करता है कि भाजपा सरकार ग़रीबो के साथ है तो वही सपा आज भी अपराधियों के पक्ष में बात करती है । श्री पाठक ने कहा कि आज गाँवए ग़रीबए किसानए महिलाओंए नौजवानों से लेकर शहरी नागरिकों की सुविधा के लिए सभी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करते हुए उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने का काम भाजपा सरकार कर रही है।

सपा प्रमुख ने व्यक्त किया शोक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जालौन सड़क हादसे में हुई 5 लोगों की मौत पर गहरा शोक जताते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की और संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

सपा प्रमुख ने सरकार से मांग की है कि सड़क दुर्घटना में मारे गये सभी लोगों के परिजनों को एक.एक करोड़ रूपये का मुआवजा और घायलों को 10-10 लाख रूपये की आर्थिक मदद के साथ उनके इलाज की समुचित व्यवस्था की जाए। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रशासनिक अनदेखी तथा परिवहन विभाग द्वारा वसूली के कारण रोजाना सड़क हादसो में लोगों की जानें जा रही है। ऐसी सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को ट्राफ़िक नियमों का कड़ाई से पालन कराना चाहिए।

सपा ने मंत्री आशीष पटेल पर आचार संहिता का उल्लंघन करने का लगाया आरोप

- मुख्य निर्वाचन आयुक्त नई दिल्ली को लिखा पत्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचन सदन अशोका रोड नई दिल्ली को भेजे गये पत्र में सपा ने जनपद मिर्जापुर के विधानसभा छानबे के उपचुनाव में उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री आशीष पटेल द्वारा सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर, प्रधानों को सत्तापक्ष के प्रत्याशी को वोट करने और कराने के लिए धमकाकर आचार संहिता का खुला उल्लंघन करने पर कार्यवाही की मांग की गई है।

पूर्व सांसद अरविन्द कुमार सिंह ने शिकायत की है कि जनपद मिर्जापुर की विधान सभा क्षेत्र छानबे में हो रहे उपचुनाव में सत्तापक्ष के मंत्री आशीष पटेल ने विकासखण्ड लालगंज के भाजपा मण्डल अध्यक्ष रामबली गुप्ता के आवास पर प्रधानों को बुलाकर धमकाया और समाजवादी समर्थक प्रधानों के साथ गाली गलौज भी की। उन्होने कहा यदि आप लोगों ने सत्तापक्ष के प्रत्याशी को वोट देने और दिलाने का काम नहीं किया तो जैसे पतारकला के प्रधान अरविन्द यादव का मकान गिरवा दिया उसी तरह आपके साथ भी होगा जिसने भी ऐसा नहीं किया उसके विरूद्ध मुकदमे कायम कराकर जेल भेजने का भी काम करेंगे। आप सभी लोग सत्तापक्ष के प्रत्याशी की मदद करें। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री का यह आचरण उनके द्वारा सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग सम्मानित प्रधानों को धमकाने जैसा कृत्य सरासर आचार संहिता का उल्लंघन व स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव को प्रभावित करने वाला और लोकतंत्र की हत्या करना है। अत: इसका तत्काल संज्ञान लेकर मंत्री श्री आशीष पटेल के विरूद्ध समुचित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराकर कठोर कार्यवाही करने का कष्ट करें। जिससे वहां निष्पक्ष व भयमुक्त चुनाव सम्पन्न हो सके।

किसी को भी कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने की छूट नहीं:प्रशांत

- यूपी मे माफिया की 66 नामों की सूची मे शामिल तीन अपराधी मारे गए, शेष अब भी पुलिस के लिए चुनौती

लखनऊ। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुख्यात माफिया अनिल दुजाना के पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने के बाद पुलिस की घोषित माफिया सूची में एक और नाम कम हो गया है, लेकिन अब भी उसमें (सूची में)शामिल 63 माफिया प्रदेश पुलिस के लिए चुनौती बने हुए हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस की ओर से जारी सूची में शामिल चार माफिया (गैर-कानूनी गतिविधियों में संलिप्त अपराधी संगठनों के सरगना) फरार हैं, जबकि 20 माफिया जमानत पर हैं और 38 अन्य राज्य की विभिन्न जेलों में कैद हैं। एक माफिया को पंजाब पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। उत्तर प्रदेश के विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने कहा कि पुलिस सभी पर नजर रखे हुए है और किसी को भी कानून-व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने की छूट नहीं दी जाएगी। कुमार ने कहा, कि उप्र के फरार माफिया की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग कई टीम काम कर रही हैं। जमानत पर रिहा माफिया की भी सभी गतिविधियों पर पुलिस की नजर है, पुलिस समय-समय पर उनका सत्यापन करती रहती है।

उत्तर प्रदेश के अपराध जगत की समझ रखने वाले जानकारों का कहना है कि सूचीबद्ध फरार माफिया के कारण तो पुलिस की नींद उड़ी ही है, जमानत पर चल रहे माफिया भी पुलिस के लिए कम सिरदर्द नहीं हैं। गैंगवार से लेकर उनके गिरोह की आपराधिक गतिविधियों का खतरा हमेशा बना रहता है। जमानत पर रिहा अंबेडकरनगर के अजय प्रताप सिंह उर्फ अजय सिपाही, मुजफ्फरनगर के सुशील मूंछ, प्रतापगढ़ के अनूप सिंह एवं प्रदीप उर्फ डब्बू सिंह, गोरखपुर के सुधीर सिंह, राकेश यादव और विनोद उपाध्याय, कानपुर के सऊद्द अख्तर, लखनऊ के बच्चू यादव तथा प्रयागराज के राजेश यादव, कमरूल हसन और जाबिर हुसैन जैसे अपराधियों के अलावा पूर्व एमएलसी बृजेश सिंह (वाराणसी) और पूर्व एमएलसी संजीव द्विवेदी उर्फ रामू द्विवेदी (देवरिया) जैसे नाम भी शामिल हैं। जेल में कैद माफिया में पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी, पूर्व सांसद रिजवान जहीर, त्रिभुवन सिंह, सुंदर भाटी, अमित कसाना और सुभाष ठाकुर जैसे 38 नाम शामिल हैं।

पुलिस ने 66 माफिया की एक सूची जारी की थी, जिसमें तीन मारे जा चुके हैं। इनमें गैंगस्टर से नेता बने पूर्व सांसद अतीक अहमद, आदित्य राणा उर्फ रवि और अनिल दुजाना शामिल हैं। अतीक की हत्या के तीन दिन पहले 12 अप्रैल को उप्र पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने पुलिस अभिरक्षा से फरार चल रहे माफिया आदित्य राणा उर्फ रवि को मुठभेड़ में मार गिराया था। अतीक की 15 अप्रैल की रात तीन हमलावरों ने उसके भाई अशरफ के साथ हत्या कर दी थी। पिछले दो दशकों में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में खौफ का सबब बना माफिया अनिल दुजाना मेरठ में चार मई को उप्र पुलिस के एसटीएफ की एक टीम की जवाबी कार्वाई में मारा गया था।

गौतमबुद्ध नगर जिले के बादलपुर थाना क्षेत्र के दुजाना गांव के निवासी अनिल दुजाना पर हत्या और जबरन वसूली सहित 60 से अधिक मामले दर्ज थे। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, हमारी कई टीम अपराधियों की तलाश में हैं और अगर समर्पण की बजाय कोई पुलिस पर गोलीबारी करेगा, तो निश्चित रूप से उसे जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। पिछले हफ्ते गौतमबुद्ध नगर में कुख्यात माफिया मनोज आसे को एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था। आसे पुलिस की गोली से घायल हुआ था। पंजाब पुलिस ने शनिवार को उप्र के घोषित माफिया हरविंदर सिंह उर्फ जुगनू वालिया को गिरफ्तार कर लिया। जुलाई 2020 से फरार जुगनू वालिया मुख्तार अंसारी का करीबी है और उसकी गिरफ्तारी के लिए एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शनिवार को यह जानकारी दी थी।

देश के सामाजिक व रचनात्मक निर्माण में कांग्रेस सेवादल की अहम भूमिका

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस सेवादल के संस्थापक एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी डॉ नारायण सुब्बाराव हार्डीकर की 134 वीं जयंती पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेस जनों द्वारा प्रदेश कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष ;मध्य जोन राजेश सिंह काली के नेतृत्व में महापुरुष को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी ने अयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ नारायण सुब्बाराव हार्डीकर ने 1923 में सेवादल की स्थापना सत्यए अहिंसा और सेवा के सिद्धांतों पर किया था।

अकाल, महामारी, देश.विभाजन जैसे तमाम विषम परिस्थितियों और देश में आए प्रकोपों के दौरान कांग्रेस सेवादल ने नि:स्वार्थ सेवा के प्रतिमान कायम किया है। खाबरी ने बताया कि डॉ. हार्डीकर के नेतृत्व में आज़ादी की लड़ाई के साथ ही भारत देश के सामाजिक और रचनात्मक निर्माण में उनके द्वारा स्थापित क्रांतिकारी संगठन सेवा दल ने हमेशा अपना अभूतपूर्व योगदान दिया हैं।स्वतंत्रता सेनानी डॉण् हार्डीकर का जीवन संघर्ष भारत को सदैव सेवा एवं स्वाधीनता की प्रेरणा देता रहेगा। संगोष्ठी को वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पूर्व प्रवक्ता वीरेंद्र मदान, जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी, पूर्व प्रवक्ता विजेंद्र सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष विजय बहादुर सिंहएप्रवक्ता विकास श्रीवास्तव, एमएलसी प्रत्याशी रहे बृजेश सिंह, अनिल शुक्ला, राकेश पांडे, पूर्व एनएसयूआई अध्यक्ष रेहान अहमद खान, सिद्धि श्रीएचंद्रेश सिंह आदि प्रमुख कांग्रेस जन मौजूद थे।

भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है : मुख्यमंत्री

संवाददाता। शाहजहांपुर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा भारत विश्व गुरू बनने की ओर अग्रसर है दुनिया में कहीं भी संकट आता है तो पूरी दुनिया भारत की तरफ उम्मीद की निगाह से देखती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व में देश के सम्मान को बढ़ाने का कार्य किया है अब देश बदल चुका है और दुनिया में भारत के प्रति नजरिया भी बदल है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को शाहजहांपुर के खिरनीबाग रामलीला मैदान में नगर निगम चुनाव की चुनावी सभा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा शाहजहांपुर क्रांतिकारियों की धरती है इसको नमन करता हूँ यह जनपद पुरे देश में अमर क्रान्तिकारियों के नाम से जाना जाता है हलांकि अब इसकी पहचान हनुमंतधाम और शहीद संग्रालय से भी होती है। मुख्यमंत्री ने कहा भाजपा ने निकाय चुनाव को संजीदगी के साथ लेते हुए सभी महापौर की सीटों को जिताने का लक्ष्य रखा है। इसलिए मतदाता ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने में अपना सहयोग करें।

मुख्यमंत्री ने विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा हमने प्रदेश में माफियाओं की गर्मी दूर कर दी। अब प्रदेश में व्यापारी सीना तानकर और माफिया सर झुका कर चलता है सभी पर्व शांति के साथ मनाए जा रहे है अब त्योहार कर्फ्यू में नहीं उल्लास में मनाए जाते हैं। उत्सव बगैर व्यवधान के होते हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भाजपा सरकार की विकास की योजनाओं सहित प्रधानमंत्री आवासीय योजना का जिक्र करते हुए कहा केंद्र की भाजपा सरकार ने करोड़ों लोगों को आवास की योजना दी। इसके साथ ही गरीब लोगो को कोरोना काल के दौरान अस्सी करोड़ लोगों को फ्री राशन दिया जा रहा है। ऐसा तो अमेरिका जैसे देश में भी नहीं हुआ। विकास की कोई योजना हो सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के तहत सभी पात्रों को उसका लाभ मिल रहा है।

शाहजहांपुर में पहली बार नगर निगम-मुख्यमंत्री ने कहा कि शाहजहांपुर में पहली बार नगर निगम के चुनाव हो रहे हैं। लोगों को नगरीय विकास की बुनियादी सुविधाओं का लाभ पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। नगर निगम बनने से जिले को जीडीपी बढ़ती है।

अर्थव्यवस्था में बदलाव होता है इसलिए भाजपा की महापौर प्रत्याशी अर्चना वर्मा सहित सभी नगर पालिकाओं व नगर पंचायतों ने मतदाता भाजपा के कैंडिडेट्स को चुनाव जितने में अहम् भूमिका अदा करें। ताकि जनपद का विकास ओर अधिक तेज गति से हो सके इसके साथ भाजपा के महापौर बनने के बाद योजनाओं के लिए धन की कमी नहीं होने दी जाएगी

मुख्यमंत्री ने जनपद के नेता विशन चन्द्र सेठ से लेकर कांग्रेसी दिग्गज जितेंद्र प्रसाद का नाम लेकर विकास में उनके योगदान की सराहना की। महापौर के लिए वोट देने के लिए हाथ उठवाए।

जिले को राज्य स्मार्ट सिटी की सूची में शामिल किया- इसके बाद उन्होंने कहा शाहजहांपुर में 2017 से पहले हमारे नगर कूड़े के ढेर दिखते थे। आज काम किया जा रहा है। जिले विकास की ओर बढ़ रहा है जिले को राज्य स्मार्ट सिटी की सूची में शामिल किया गया है

इलेक्ट्रिक बसें बढ़ा रहीं जिले की शोभा-25 इलेक्ट्रिक बसें शाहजहांपुर की शोभा बढ़ा रही हैं। सीएम की जनसभा के दौरान मंच पर कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद समेत महापौर प्रत्याशी अर्चना वर्मा व नगर पंचायत के प्रत्याशी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने महापौर प्रत्याशी को लेकर सपा पर निशाना साधते हुए कहा भाजपा की महापौर प्रत्याशी अर्चना वर्मा ने सही समय पर सही निर्णय लेते हुए सपा को अलविदा कहकर भाजपा के साथ आकर जनपद के विकास में अहम् योगदान करने का फैसला किया यह सही समय पर किया गया सही फैसला था

बता दें कि भाजपा ने मेयर सीट के लिए सपा की बागी अर्चना वर्मा को प्रत्याशी बनाया है। उनको जीत दिलाने के लिए सीएम योगी ने नेताओं और कार्यकर्ताओं में जोश भरा। लगातार इस सीट पर सपा का कब्जा होने के कारण भाजपा इस सीट को हर हाल में जीतना चाहती है।

मंत्री के भतीजे ने भेंट किया राम दरबार-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को वित्त मंत्री सुरेश खन्ना के भतीजे चंद्र शेखर खन्ना धीरू ने राम दरबार भेंट किया। गुरु सिंह सभा की कमलेश कौर माटा ने सरोपा भेंट किया।

चप्पे-चप्पे पर तैनात रही पुलिस-सीएम के दौरे से पहले कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना सभा स्थल पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के खास इंतजाम किए हैं। गेट से लेकर रोड और जगह जगह पुलिस बल तैनात है। सीएम योगी की सभा के लिए रूट डायवर्ट कर दिया गया है।

सीतापुर वॉरियर्स ने रॉयल लायंस को 20 रनों से हराया

संवाददाता। सीतापुर

बेसिक टीचर क्रिकेट यूनियन के द्वारा आरएमपी इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित होने वाली क्रिकेट प्रतियोगिता टीचर्स प्रीमियर लीग के दसवें संस्करण के दसवें लीग मैच सीतापुर वॉरियर्स ने रॉयल लायंस को 20 रनों से हरा कर टूर्नामेंट में तीसरी जीत दर्ज की। नौशाद आलम की मेंटरशिप वाली टीम वॉरियर्स के कप्तान एहतेशाम आलम ने टॉस जीतकर लायंस के कप्तान धीरेंद्र कुमार को फील्डिंग के लिये आमंत्रित किया। वॉरियर्स ने निर्धारित 15 ओवर में 131 रन बनाए। जवाब में बैटिंग करने उतरे लायंस क्लब टीम 111 रन में आउट हो गई। बेहटा के अध्यापक नित्यानंद अग्निहोत्री ने मनीष प्रताप को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया। इस दौरान आयोजन समिति बीटीसीयू के आशीष पांडे, रत्नेश, अनिल अवस्थी, राजकुमार सिंह, मदन मोहन त्रिवेदी, मो. वाइज मौजूद रहे।

सीतापुर के चार परीक्षा केन्द्रों में सकुशल सम्पन्न हुई नीट परीक्षा

संवाददाता। सीतापुर

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट यानी नीट की परीक्षा रविवार को सीतापुर के चार परीक्षा केंद्रों पर संपन्न हुई। देश की सबसे प्रतिष्ठित एंट्रेंस परीक्षाओं में से एक नीट के लिए सीतापुर के सुमित्रा मॉडर्न स्कूल नैपालापुर को नोडल सेंटर बनाया गया था। नीट परीक्षा में सीतापुर में पंजीकृत 1666 में से 1624 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि 42 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। दोपहर 2 से शाम 5 बजकर 20 मिनट तक संपन्न हुई परीक्षा में कोई भी मुन्ना भाई नहीं पकड़ा गया। सीतापुर के सुमित्रा मॉडर्न स्कूल में पंजीकृत 418 में से 403, सेक्रड हार्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पंजीकृत 456 में से 446, लखनऊ पब्लिक स्कूल में पंजीकृत 408 में से 399 जबकि महर्षि विद्या मंदिर नैपालापुर में पंजीकृत 384 परीक्षार्थियों में से 376 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। आई इंडिया को यह जानकारी देते हुए सिटी को-ऑर्डिनेटर सुमित्रा मॉडर्न स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ.रावी त्रिपाठी ने बताया कि चारों परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा सकुशल संपन्न हुई। सुमित्रा मॉडर्न स्कूल में केंद्र पर्यवेक्षक शोभना बाजपेई, महर्षि विद्या मंदिर में केंद्र पर्यवेक्षक प्रधानाचार्या शिक्षा दीक्षित, लखनऊ पब्लिक स्कूल में इंद्रेश सिंह और सैक्रेड हार्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पंकज श्रीवास्तव को केंद्र पर्यवेक्षक बनाया गया था।

सीतापुर डोर फाउंडेशन ने अंतरराष्ट्रीय श्रम दिवस सप्ताह पर रिक्शा चालकों को वस्त्र किए वितरित

सीतापुर। सीतापुर डोर फाउंडेशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस सप्ताह पर रिक्शा चालकों को वस्त्र वितरित किए गए। वस्त्र वितरण स्वर्गीय ममता मेहरोत्रा की स्मृति में लालबाग में किया गया। कार्यक्रम का संयोजन अध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ अन्नी मेहरोत्रा ने किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष आकाश राय, सुधांशु मिश्रा, शिव बालक त्रिवेदी, रत्नेश द्विवेदी, अशोक प्रजापति, अम्ब्रीश दीक्षित, सचिन त्रिपाठी, राम कुमार कटियार, लक्ष्मीकांत बाजपाई, विजय शुक्ला, बृजेश रस्तोगी, शशिकला मिश्रा, शशि सिंह, प्रियंका सिंह, कमलेश मेहरोत्रा, संजय पांडेय, डॉ. शांति स्वरूप रस्तोगी, वेद प्रकाश कश्यप, विनोद त्रिपाठी, डॉ विकाश जैन, डॉ. राजीव मिश्रा, राकेश टंडन मौजूद रहे।

जेल अधीक्षक ने महिला बंदियों को बांटा दैनिक उपयोग का सामान

संवाददाता। शाहजहांपुर

जेल में गरीब व जरुरत मंद महिला बंदियों को किरन वेदी पूर्व उपराज्यपाल, पुडुचेरी, देश की प्रथम महिला आईपीएस अधिकारी, रोमन मैगसेसे पुरस्कार तथा संयुक्त राष्ट्र संघ के पुरस्कार सहित अनेक अन्तरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित) द्वारा स्थापित इंडिया विजन फाउंडेशन के सौजन्य से विभिन्न प्रकार के वस्त्र, स्लीपर, हेल्थ व हाइजीन किट भेंट की गई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर जिला जजध्सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा महिला बंदियों को वस्त्र, स्लीपर व बहुउपयोगी दैनिक उपयोग की सामग्री भेंट की गई। किरन वेदी के अन्दर समाज सेवा व लेखन कार्य का ऐसा जुनून था कि पुलिस अनुसंधान व विकास ब्यूरो के महानिदेशक जैसे महत्वपूर्ण पद पर कार्यरत रहते हुए भी उन्होंने सेवा से सन्यास ले लिया। और समाज सेवा में जुट गई। इंडिया विजन फाउंडेशन अन्य क्षेत्रों के अतिरिक्त देश की जेलों में भी बंदी सुधार कार्यक्रम चला रहा है जिसमें बंदी कल्याण, शिक्षा, कौशल विकास आदि क्षेत्र में अनेकानेक कार्यक्रम संचालित कराता है। कारागारों में सुधार कार्य के दृष्टिकोण से वह अधिकारीध्कर्मचारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित कराता है।शाहजहांपुर जेल में जरुरतमंद बंदियों हेतु 100 जोड़ी महिला स्लीपर, 200 थैले हेल्थ व हाइजीन किट (2 लाइफब्वॉय साबुन, 1 कपड़े का साबुन, कॉलगेट टूथपेस्ट, टूथब्रश, डाबर आमला केशतेल व कंघी) 100 लेडीज वस्त्र शामिल थे।

क्विक न्यूज

एसीएमओ को सिकंदराबाद पीएचसी पर सबकुछ ठीक मिला

लखीमपुर खीरी। एसीएमओ डॉ. अनिल कुमार गुप्ता द्वारा मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले के दृष्टिगत पीएचसी सिकंदराबाद का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान मेडिकल ऑफिसर डॉ. शिवपूजन सहित समस्त कर्मचारी उपस्थित मिले, परंतु आशा और आंगनबाड़ी अनुपस्थित मिली। मेले में निरीक्षण के समय तक 50 मरीज देखे गए थे। स्वास्थ्य मेले में पहुंचे हुए सभी मरीजों को दवाएं दी गई थीं। फैमिली प्लैनिंग काउंसलिंग की जा रही थी। लैब में जांच भी चल रही थी। इस दौरान उन्होंने ओपीडी में पहुंचे मरीजों को बलगम परीक्षण हेतु लक्षणों के आधार पर संदर्भित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने बताया कि एएनएम द्वारा बीते एक सप्ताह में चार डिलीवरी पीएचसी पर कराई गई है। इस दौरान पीएचसी पर साफ-सफाई की व्यवस्था भी सही मिली।

आयोजित हुआ नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

सीतापुर। अग्रवाल सभा सीतापुर द्वारा आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में 250 से अधिक महिलाओं पुरूषों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शहर के अग्रेसन अतिथि भवन में आयोजित शिविर में लखनऊ से पधारी वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. वैशाली जैन ने स्त्री रोगों से संबंधित परामर्श महिलाओं को दिया, जबकि डा. मनीष, डा. पीयूष बाजपेई ने हड्डी व जोड़ों के दर्द संबंधी मरीजों को देखा और उन्हें उचित सलाह दी। शिविर समापन के अवसर पर अग्रवाल सभा अध्यक्ष विजय बंसल, महामंत्री आकाश बजरंगी, कोषाध्यक्ष आशीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष रविंद्र अग्रवाल, संदीप भरतिया, अरविन्द जिंदल, डॉ प्रवीण गुप्ता, संरक्षक राजाराम जिंदल, मंत्री हिमांशु अग्रवाल, तन्मय बंसल, अंकित अग्रवाल अशोक अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

3 किलो 60 ग्राम अफीम के साथ चार गिरफ्तार

बरेली। बिशारतगंज पुलिस ने 4 अफीम तस्करों को किया गिरफ्तार, कब्जे से 03 किलो 60 ग्राम अफीम बरामद हुई है इसकी कीमत लगभग 8 लाख रूपये है । थाना विशारतगंज पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर अखा मोड रामगंगा पुल के किनारे प्रातः 08.50 बजे 04 अभियुक्तगणध्अभियुक्ता शहजिल अंसारी पुत्र इशरत निवासी ग्राम मझगंवा थाना विशारतगंज , मोहम्मद उवेश पुत्र वकील अहमद निवासी ग्राम मंझगवा थाना विशारतगंज , कुमारी सोनिया पुत्री असीदुल्ला खां निवासी ग्राम मझगवां थाना विशारतगंज , हुशनबानो पत्नी मोहम्मद सुआले निवासी नई बस्ती कस्बा व थाना विनावर जिला बदांयू को गिरफ्तार किया गया,जिनके पास से 3 किलो 60 ग्राम अवैध अफीम, 6910 रूपये नगद व 05 मल्टीमीडिया मोबाइल बरामद किये गये। दबिश के दौरान प्रभारी निरीक्षक शितांशु शर्मा , उ0नि0 महावीर सिंह , का0 अंकुर मलिक , का0 मौ0 उमर का0 विजय प्रताप , म0का0 मानसी त्यागी , म0का0 मोहिनी मौजूद थी।

बहेड़ी पुलिस ने 4 चोर किये गिरफ्तार, चोरी की 3 मोटर साइकिल सहित 42 बैट्री बरामद

बरेली। थाना बहेड़ी पुलिस द्वारा दिनांक 2 मई को ग्राम हथमना मे मुखबिर की सूचना पर दो अभियुक्तगणों को थाना बहेड़ी ने चोरी की एक मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया तथा इनकी निशादेही पर पकडे गये अभियुक्तगणो के घर से चोरी की दो अन्य मोटरसाइकिल व चोरी की 42 बैट्रियां अलग-अलग कम्पनियों की व तीन अभियुक्तगणों को 3 मई समय 0.50 बजे से 01.35 बजे के मध्य अहाता विनोद ब्रहद ग्राम पंडिरा अशोक थाना बहेडी से गिरफ्तार किया गया । पकडे गये अभियुक्त रंजीत पुत्र ख्यालीराम , विनोद पुत्र अमर सिंह , ऐवरन सिंह पुत्र रामचन्द्र , उमेश पुत्र तेजराम , विकास पुत्र द्वारिका प्रसाद निवासीगण पिन्डारी अशोक थाना बहेड़ी जनपद बरेली जिनके कब्जे से 03 अदद मोटरसाइकिल व 42 अदद बैटरियां बरामद हुई । रंजीत पुत्र ख्यालीराम , विनोद पुत्र अमर सिंह , रंजीत पुत्र रामभरोसे , ऐवरन सिंह पुत्र रामचन्द्र , उमेश पुत्र तेजराम , विकास पुत्र द्वारिका प्रसाद निवासीगण पिन्डारी अशोक के विरुद्ध पंजीकृत किया गया । गिरफ्तारी के दौरान उ0नि0 बलवीर सिंह , का0 यश गौड़ , का0 शाहरुख खान , का0अभिषेख भाटी मौजूद थे।

छात्र संगठन ने कुश्ती खिलाड़ियों के समर्थन में खोला मोर्चा

बरेली। परिवर्तनकामी छात्र संगठन ने आज कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष के खिलाफकिए जा रहे धरना धरना प्रदर्शन के समर्थन में आज राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा।तमाम धरना प्रदर्शन और तहरीरों के बाद भी कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफएफआईआर दर्ज नहीं हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इसका संज्ञान लेते हुए बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफएफआईआर करने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला पंजीकृत किया गयाएफआईआर दर्ज होने के बाद भी बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफकोई कार्यवाही नहीं हुई।

11 को शत प्रतिशत मतदान की अपील

शाहजहांपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मतदान प्रतिशत में वृद्धि किए जाने तथा स्वशासन में मतदाताओं की भूमिका सुनिश्चित करने हेतु वार्ड 24 ख्वाजा फिरोज में बूथ संख्या 133 पुराना चिकित्सालय चौभुर्जी जो मतदाता से लगभग 3 किलोमीटर दूर मतदान केंद्र था, उसके स्थान पर करीबी मतदान केंद्र मंगल सेन इंटर कॉलेज में किए जाने का उप जिला निर्वाचन अधिकारी अपर जिलाधिकारी के प्रस्ताव का अनुमोदन दिया गया। इस प्रकार वार्ड 24 ख्वाजा फिरोज के मतदाता अब 3 किलोमीटर दूर वोट न डालकर अपने समीपस्थ मतदान केंद्र मंगलसेन इंटर कॉलेज में मतदान करेंगे। इस आदेश से मतदाताओं को नजदीक वोट डालने में सुविधा मिलेगी, इससे न तो कोई नया बूथ बनेगा और न ही कोई नया मतदान केंद्र बढ़ेगा क्योंकि मंगल सेन इंटर कॉलेज में अन्य बूथ पहले से बने हुए हैं ।उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने उक्त सूचना निर्वाचन आयोग को भेजने के साथ रिटर्निंग ऑफ्सिर तथा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को आवश्यक संशोधन के आदेश दिए हैं। साथ में जिला निर्वाचन अधिकारी जनपद शाहजहांपुर के नगर निकाय के मतदाताओं से अपील की गई है।

संदीप चौरसिया ने स्कूल को बना दिया आम से खास

● कान्वेंट की तर्ज पर आगे बढ़ रहा संविलियन विद्यालय मटहिया बैलहा

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

...**कौन** कहता है कि आसमान में छेद नहीं हो सकता है, एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों... दुष्यंत कुमार की यह लाइनें संविलियन विद्यालय मटहिया (बैलहा) की इं. प्रधानाध्यापक संदीप चौरसिया पर सटीक बैठती हैं। मात्र कुछ सालों में स्कूल में गुणवत्तायुक्त शिक्षा ही नहीं दी बल्कि विद्यालय का माहौल भी बदल दिया। डीएम की अभिनव पहल बेस्ट स्कूल आफ द वीक के तहत इस सप्ताह का सर्वश्रेष्ठ विद्यालय बनने का खिताब अपने नाम दर्ज किया।

बेसिक शिक्षा विद्यालयों में नौनिहाल स्वयं को निजी विद्यालय के बच्चों से कमतर न समझें। इसके लिए डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की प्रेरणा, मार्गदर्शन में जिले के शिक्षक मेहनत, समर्पण से परिषदीय विद्यालयों का स्तर उठाने में लगे हैं। निघासन ब्लॉक का संविलियन विद्यालय मटहिया (बैलहा) का माहौल हर किसी को आकर्षित करता है। शिक्षिको ने स्कूल के भौतिक, शैक्षिक परिवेश को शानदार बनाकर नजीर पेश की। विद्यालय में बाला मॉडल पेंटिग, टीएलएम, बाल संसद, शैक्षिणेत्तर गतिविधियां, दो-दो स्मार्ट क्लासेज, लर्निंग कार्नर, लाइब्रेरी, कक्षा-कक्ष सज्जा, विद्युतीकरण, हरा-भरा कैंपस विद्यालय को अनूठा बनाता है। बच्चों का नामांकन वर्तमान में 210+ है। कक्षाए को प्रिंटरीच मटेरियल से सुसज्जित है। संदीप ने अपनी मेहनत से विद्यालय के भौतिक परिवेश को इस कदर बदला कि लोग आज कहने को मजबूर हैं कि वाह वाह क्या बात है। इं. प्रधानाध्यापक संदीप चौरसिया बताते हैं कि विद्यालय में उनकी सेवाएं 2015 से एक विज्ञान अध्यापक के रूप में एक बंद विद्यालय खोलने से शुरू हुई। 2019 में विद्यालय के संविलियन के बाद विभागीय सहयोग के अलावा उन्होंने कुछ व्यक्तिगत प्रयासों से विद्यालय का कायाकल्प करने में सफलता अर्जित की। तबसे ये सफर जारी है। संदीप ने स्टाफ से समन्वय कर बच्चों को विद्यालय व शिक्षा से जोड़ने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर कई प्रयास शुरू किए। वह बच्चों को खेल-खेल में इस प्रकार पढ़ाते हैं कि बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ आनंद की अनुभूति हो।

वाइट बोर्ड पर मार्कर से पढ़ाते हैं संदीप

शिक्षक संदीप चौरसिया ने इं. प्रधानाचार्य का दायित्व संभालते ही विद्यालय में श्यामपट्ट प्रथा को विराम लगाकर कॉन्वेंट स्कूलों की तर्ज पर वाइट बोर्ड पर मारकर से पढ़ाना शुरू किया। यही नहीं वह बच्चों को भी स्टाफ के सहयोग से कॉन्वेंट स्कूलों की तर्ज पर ट्रेंड कर रहे हैं। इसी का नतीजा है कि वहां के बच्चे किसी कॉन्वेंट स्कूलों से कमतर नहीं है। इस वर्ष 10 बच्चो को स्पेशल क्लास देकर नवोदय परीक्षा हेतु ट्रेंड किया गया है।

मन मोह रही विद्यालय की हरियाली, संदीप ने विद्यालय को बनाया हरा-भरा

निघासन से आठ किलोमीटर दूर झंडी रोड पर स्थित संविलियन विद्यालय मटहिया (बैलहा) इन दिनों अपनी खूबसूरती, हरियाली, पठन पाठन के लिए चहुओर सराहा जा रहा। संदीप ने अपनी मेहनत, सहायक अध्यापक आदित्य व अनुराग के सहयोग से यहांतक का सफर तय किया। संदीप ने अपने मेहनत और काम करने के तरीके से स्कूल को किसी निजी स्कूल की तरह हरा भरा और सुंदर बना दिया है। स्कूल परिसर में पहुंचते ही बरबस लोग आकर्षित हो जाते हैं।

स्मार्ट क्लास से स्मार्ट बन रहे विद्यार्थी, स्कूल बन रहा निपुण

संविलियन विद्यालय मटहिया बैलहा में प्रोजेक्टर, एलईडी के जरिए नौनिहालों को पढ़ाई में होशियार बनाना जा रहा है। साथ ही विषयों की पढ़ाई में नवाचार का प्रयोग किया जा रहा है, ताकि परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा का अच्छा वातावरण बने और छात्रों की संख्या में इजाफा हो। डिजिटल क्लास में पढ़ने को लेकर छात्र-छात्राओं में उत्साह रहता है। प्रोजेक्टर पर कहानी कार्टूनों के साथ चलने पर छात्र -छात्राओं को जल्दी याद हो रहा है। यह विद्यालय निपुण बनने की श्रंखला में खड़ा है।

सभी उम्मीदवार चुनावी गुणा-भाग में जुटे

संवाददाता। सिंगाही खीरी

नगर पंचायत चुनाव के मतदान की प्रक्रिया बृहस्पतिवार को पूरी होने के बाद सभी उम्मीदवार वोटों की गुणा-गणित में जुटे हैं। समर्थकों से बूथवार आंकड़े लिए जा रहे हैं। इन आंकड़ों में कोई भी प्रत्याशी खुद को हारता हुआ नहीं पा रहा है। लिहाजा अंदर ही अंदर अब जीत के जश्न की तैयारी भी शुरू हो चुकी है। फूल, मिठाई के ऑर्डर दिए जा रहे हैं। बैंडबाजे वालों को भी मतगणना के दिन के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

ऑर्डर लेने वाले माली, मिठाई विक्रेता चुनाव का मिजाज समझते हुए फूंक कर कदम रख रहे हैं। इन्हें भी पता है कि एक नगर निकाय से एक ही अध्यक्ष की जीत होनी है। ऐसे में कई ऑर्डर दे रहे तो उनसे फूल मंगाने के लिए एडवांस रकम ली जा रही है। कारोबारी प्रत्याशियों का नाम बताने से परहेज कर रहे हैं। उनका कहना है कि एडवांस देने वाले हर उम्मीदवार यह बात गोपनीय रखने की हिदायत दी है।

क़स्बे में अध्यक्ष पद के साथ 13 सदस्य पद के उम्मीदवार के भाग्य मतपेटिका में कैद हैं। 13 मई को मतगणना के दौरान इनके भाग्य का फैसला होगा।

नगर नगर पंचायत की बात करें तो यहां दो ऐसे प्रत्याशी हैं, जो जीत की रेस में आगे हैं। जिसमें हार-जीत का अंतर बहुत नहीं रहेगा। इधर वार्डों की स्थिति भी बदली हुई है। जिसमे कई कद्दावर सदस्यों की साख दांव पर लगी हुई है। इसके अलावा कई नये चेहरे इस बार सभासद के रूप में चुनकर आएंगे।

जनता ने कराए गए विकास कार्यों पर मुहर लगाई-मुझे पूरा विश्वास है कि जनता ने मेरे कार्यों पर मुहर जरूर लगाई होगी। पूरा कस्बा मेरे लिए परिवार की तरह है। कस्बेवासियों की सहायता के लिए मैं हर समय उपस्थित रहूंगा। उत्तम कुमार मिश्रा, भाजपा प्रत्याशी

भाजपा ने केवल सब्जबाग ही दिखाए-भाजपा की सरकार ने सिवाय जनता को सपने दिखाने के अलावा और कोई काम नहीं किया है। ट्रिपल इंजन की सरकार में भ्रष्टाचार भी तीन गुना तेजी से हुआ है। सपा में अगर सत्ता में आती है तो स्थानीय समस्याओं का त्वरित गति से निराकरण कराया जाएगा। राजीव गुप्ता, सपा प्रत्याशी -

सभी वर्गों की समस्याओं का समाधान करूंगी-क़स्बे की जनता का समर्थन मुझे मिला है। पांच वर्षों में भाजपा ने क़स्बे में समस्याओं का अंबार खड़ा कर दिया है। अगर मैं नगर पंचायत की बागडोर संभालता हूं तो सभी वर्गों की समस्या का करुंगा। - मोहम्मद क़य्यूम, निर्दल प्रत्याशी

जनता के सुख-दुख का सहभागी बनूंगा-विकास बसपा के नगर पंचायत में आने पर ही होगा। भाजपा ने लोगों को पांच साल केवल सब्जबाग दिखाए हैं। मुझे अगर जनता रहनुमा चुनती है तो उनके सुख-दुख में सहभागी तो बनूंगा ही नया सिंगाही बनाने का सपना भी साकार करूंगा। राजू कादरी, बसपा प्रत्याशी

उम्मीदवारों ने लड्डू लेने के लिए बुलाया-कस्बे के दो नगर पंचायत अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों ने मुझे लड्डू के लिए बुलाया है। हालांकि अभी किसी ने एडवांस नहीं दिया है। हो सकता है आजकल में फिर से कुछ कहें। - **शौर्य रुहेला मिठाई विक्रेता**

नवजात बच्चों का इलाज महत्वपूर्ण

बरेली। एसआरएमएस मेडिकल कालेज में पीडियाट्रिक्स विभाग की ओर से नियोनेटोलॉजी अपडेट्स विषय पर दो दिवसीय कांफ्रेंस और वर्कशाप हुई। पहले दिन शनिवार को उद्घाटन के साथ वर्कशाप में बेसिक नियोनेटोलॉजी सत्र का आयोजन हुआ। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में लखनऊ स्थित कमांड हास्पिटल पीडियाट्रिक व नियोनेटोलॉजी विभागाध्यक्ष ब्रिगेडियर डा. वंदना नेगी, नेशनल नियोनेटोलॉजी फेडरेशन के सेक्रेटरी व स्वामी दयानंद हास्पिटल शाहदरा के डा.सुरिंदर बिष्ट, एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति , एसआरएमएस मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयरमार्शल (सेवानिवृत) डा.एमएस बुटोला, कांफ्रेंस की आर्गनाइजिंग चेयरपर्सन डा.अनीता कुमारी और कांफ्रेंस की आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.सुरभि चंद्रा ने दीप प्रज्वलन के साथ कांफ्रेंस का उद्घाटन किया। डा.अनीता ने वर्कशाप में आए विशेषज्ञों सहित सभी का स्वागत किया और आयोजन के बारे में जानकारी दी। डा.बुटोला ने नवजात शिशुओं के इलाज को महत्वपूर्ण बताया और शिशु मृत्यु दर रोकने में इसकी भूमिका को स्पष्ट किया। उन्होंने एसआरएमएस मेडिकल कालेज की उपलब्धियों की भी जानकारी दी। ब्रिगेडियर डा.वंदना नेगी ने कांफ्रेंस के नियोनेटोलॉजी अपडेट्स विषय के साथ ऐसे आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों के साथ चिकित्सकों को भी सीखने का मौका मिलता है। डा.सुरिंदर बिष्ट ने नेशनल नियोनेटोलॉजी फेडरेशन के बारे में जानकारी दी। । उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. ऋतु मलिक ने किया। वर्कशाप सत्र में डॉ. अनीता कुमारी, लखनऊ स्थित कमांड हास्पिटल के सीनियर एडवाइजर कर्नल आशुतोष कुमार, एसआरएमएस मेडिकल कालेज में पीडियाट्रिक्स विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) डॉ. पीएल प्रसाद, केजीएमयू के प्रोफेसर एसएन सिंह, एसजीपीजीआई के प्रोफेसर डॉ.कीर्ति नारंजे, डॉ.सुरिंदर बिष्ट, डा.वंदना नेगी, डा.अतुल कुमार ने अपने अपने विषय पर व्याख्यान दिया। इस मौके पर डा.सीएम चतुर्वेदी, डा.अनीस बेग, सभी विभागाध्यक्ष और विद्यार्थी मौजूद रहे।

मतदाताओं को अपनी पसंद के उम्मीदवार को मत देने का अधिकार: संयुक्ता

बरेली। नगर निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 की प्रेक्षक संयुक्ता समद्दार ने कलेक्ट्रेट सभागार में पत्रकारों से वार्ता की और कहा कि सभी मतदाताओं को बिना किसी प्रलोभन और दबाव के स्वतंत्र रूप से अपनी पसंद के उम्मीदवार को मत देने का अधिकार है। प्रेक्षक श्रीमती संयुक्ता समद्दार ने बरेली कालेज में ई0वी0एम0 का निरीक्षण किया तथा

ईवीएम मशीनों को अपने सामने चेक कराकर भी देखा, सभी व्यवस्थाएं सही पाई गई उन्होंने कहा कि लोगों को कोई कठिनाई होने पर सीधे सम्पर्क कर सकते हैं। इसके उपरांत प्रेक्षक श्रीमती संयुक्ता समद्दार ने बरेली कालेज में ईवीएम का निरीक्षण किया तथा ईवीएम मशीनों को अपने सामने चेक कराकर देखा, सभी व्यवस्थाएं सही पाई गई। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।इस अवसर पर प्रेक्षक श्री राजीव पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्री संतोष बहादुर सिंह, एसीएम द्वितीय श्री राजीव शुक्ला सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 8 मई, 2023

कर्नाटक कांग्रेस घोषणापत्र पार्टी की दूषित मानसिकता का परिचायक : निरंजन ज्योति

● योजनाओं को धरातल पर लाने के लिए ट्रिपल इंजन की सरकार जरूरी - पटेल

● ईमानदारी किया जाएगा नगर पंचायत का चौमुखी विकास-अमित द्विवेदी

संवाददाता। चित्रकूट

केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने रविवार को मऊ नगर पंचायत में भाजपा से अध्यक्ष पद के प्रत्याशी अमित द्विवेदी के समर्थन में चुनावी जनसभा को सम्बोधित किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को भ्रष्टाचार मुक्त धरातल पर उतारने के लिए निकायों में भी भाजपा की सरकार जरूरी है। उन्होने जलसभा में उमड़े जनसैलाब से नगर पंचायत मऊ में भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने के लिए अमित द्विवेदी को रिकार्ड मतों से जिताने की अपील की।

चित्रकूट जिले की नवसृजित नगर पंचायत मऊ में भाजपा प्रत्याशी अमित द्विवेदी के समर्थन में चुनावी जनसभा को सम्बोधित करने केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट वंदनीय भूमि है। कहा कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा जारी किये गये घोषणा पत्र में राष्ट्रवादी संगठन बजरंग दल की तुलना आतंकी संगठन पीएफआई से करते हुए प्रतिबंध लगाने की बात की है। यह कांग्रेस पार्टी की दूषित मानसिकता का परिचायक है।

वहीं बांदा-चित्रकूट सांसद आर के सिंह पटेल ने कहा कि केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी की डबल इंजन की सरकार में गरीबों का सर्वांगीण विकास हुआ है। डबल इंजन की सरकार ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास देकर गरीबों को पक्की छत देकर ऐतिहासिक कार्य किया है। सांसद ने कहा कि बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे और चित्रकूट एयरपोर्ट बनने से भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट में पर्यटन विकास को नई उड़ान मिली है। उन्होंने नगर पंचायत मऊ से भाजपा प्रत्याशी अमित द्विवेदी को रिकार्ड मतो से जिताकर ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने का आह्वान किया।

नगर पंचायत मऊ से अध्यक्ष पद के भाजपा प्रत्याशी अमित द्विवेदी ने कहा कि जनता की सेवा की उनके जीवन का लक्ष्य है। उन्होने कहा कि पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य कर नगर पंचायत परिक्षेत्र का भेदभाव रहित विकास किया जायेगा। नगर के सभी गरीबों के पक्के माकान बनवाना उनकी प्राथमिकता होगी।

नवजात बच्चे की मौत पर अस्पताल में किया हंगामा

फर्रुखाबाद। सिपाही की प्रसूता पत्नी की प्रसव के बाद मौत हो गयी। उसके नवजात नें भी दम तोड़ दिया। परिजनों नें हंगामा किया। सूचना पर पुलिस मौके पर पंहुची। परिजन नें लापरवाही में मौत होनें का आरोप लगाया। जनपद एटा के अलीगंज मिलिकिया निवासी अर्जुन सिंह यादव आगरा के छाबनी थानें में सिपाही हैं। उसकी 25 वर्षीय पत्नी सपना को नगर के बढ़पुर स्थित एक अस्पताल में सुबह लगभग 7:30 बजे प्रसब पीड़ा होनें पर भर्ती किया गया था। सपना के देवर राहुल नें बताया कि सुबह सपना नें नवजात को जन्म दिया। जिसकी मौत हो गयी। वहीं हालत गंभीर होने पर उसे रिफर कर दिया गया। जब परिजन ले जाने लगे तो प्रसूता सपना की भी मौत की पुष्टि हो गयी। सपना की मौत पर परिजन आक्रोशित हो गये। उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर आवास विकास चौकी इंचार्ज स्वदेश कुमार मौके पर पहुंचे जांच की। परिजनों का आरोप है कि मरीज से मिलने नही दिया गया।

पुलिस के हत्थे चढ़े जिला बदर व पांच वारंटी, तमंचा व कारतूस भी बरामद

संवाददाता। चित्रकूट

पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला के निर्देश पर वांछित/वारंटी की गिरफ्तारी को जारी अभियान के क्रम में थानाध्यक्ष भरतकूप सूबेदार बिन्द की अगुवाई में पुलिस ने पांच वारंटियों को गिरफ्तार किया है। रविवार को भरतकूप थाने के दरोगा कन्हैयालाल पाण्डेय की टीम ने एससी-एसटी एक्ट के वारंटी संजय द्विवेदी पुत्र गनेश द्विवेदी निवासी सुदिनपुर को गिरफ्तार किया है। टीम में दरोगा कन्हैयालाल पाण्डेय, सिपाही सौरभ राजपूत शामिल रहे। इसी क्रम में दरोगा इमरान खान की टीम ने खनिज अधिनियम के वारंटी राधेश्याम पुत्र हीरालाल निवासी गोण्डा को गिरफ्तार किया है। टीम में दरोगा इमरान खान, सिपाही अजीजुद्दीन शामिल रहे।

इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक राजापुर भास्कर मिश्रा की अगुवाई में दरोगा कृष्ण देव मिश्रा की टीम ने चोरी माल बरामद के मामले में सुनील सिंह पुत्र रामसंवारे निवासी नादिन कुर्मियान को गिरफ्तार किया है। टीम में दरोगा कृष्ण देव मिश्रा, सिपाही अंकित शुक्ला शामिल रहे। वहीं प्रभारी निरीक्षक बहिलपुरवा गुलाबचन्द्र सोनकर की अगुवाई में दरोगा रविन्द्र कटियार की टीम ने गैंगस्टर एक्ट के वारंटी बुद्धराज सिंह पुत्र शिवसागर सिंह व सोनू उर्फ महिलु पुत्र भुरैया सविता निवासी ऐंचवारा को गिरफ्तार किया है। टीम में दरोगा रविन्द्र कुमार कटियार, सिपाही एहसान अली शामिल रहे। वहीं प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कर्वी गुलाब त्रिपाठी की अगुवाई में दरोगा श्यामदेव सिंह चौकी प्रभारी जिला कारागार की टीम ने दीपक वाजपेई पुत्र रामनरेश निवासी सब्जी मंडी कस्बा राजापुर से तमंचा व कारतूस बरामद कर गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

बांदा में भाजपा प्रत्याशी ने प्रचार-प्रसार के साथ चलाया जागरूकता अभियान

संवाददाता। बांदा

नगर निकाय चुनाव प्रचार अभियान में भारतीय जनता पार्टी द्वारा अपनी प्रत्याशी मालती गुप्ता बासू के लिए बनाई गई रणनीति के तहत जहां नगर में जगह जगह पर कहीं संगठन कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों जनप्रतिनिधियों और अध्यक्ष पद प्रत्याशी मालती गुप्ता बासू व महिला मोर्चा की मातृशक्ति ने नगर के देवतुल्य मतदाताओं से जनसंपर्क कर उनकी मूलभूत सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

वहीं अपने द्वारा संकल्प पत्र में लिए गए संकल्पों को बतलाया जिससे मतदाताओं ने एक सुर में ट्रिपल इंजन सरकार बनाने में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन व विजय को ऐतिहासिक बनाने की बात कही। वहीं इस प्रचार अभियान के साथ मतदाता जागरूकता अभियान से प्रेरित होकर अधिक से अधिक मतदान कर वोटिंग को शत-प्रतिशत होने का भरोसा दिया। वहीं इस प्रचार-प्रसार के दौरान बहुत से जागरूक नगरवासियों ने पिछले नगर पालिका अध्यक्ष व अन्य प्रत्याशियों के क्रियाकलापों के बारे में बेबाकी से रायशुमारी करते हुए उनके लम्बे चौड़े वादों को चुनावी प्रचार बताया। काम की जगह खाली विधवा बिलाप में पांच साल निकालकर दुबारा से हमको ठगने के लिए आ गये है। इस बार हम बिना किसी भूल किए भाजपा प्रत्याशी को भारी मतों से विजयी बनाकर अध्यक्ष बनाएंगे।

● बांदा की महिलाओं के लिए विशेष योजना बनाकर कार्य करेंगें : गीता साहू

आज सपा प्रत्याशी नगर पालिका बांदा अध्यक्ष पद हेतु गीता मोहन साहू पत्नी मोहन साहू पूर्व चेयरमैन अपने जनसमूह के साथ समर्थकों के साथ बांदा की सम्मानित जनता का आशीर्वाद लेने के लिए जन संपर्क करते हुए शम्भु नगर हरदौली घाट रोड, केन रोड, क्योंटारा,कटरा पहाड़, करबला, किरण कॉलेज चौराहा, कंचन पुरवा आदि जगह पहुंचे जहां शहर की सम्मानित जनता का भरपूर समर्थन एवं प्यार मिला स्थानीय लोगों ने कहा कि बांदा नगर में जमीन में 5 वर्ष मोहन साहू हर व्यक्ति के सुख दुख में खड़ा रहा है उसका जवाब हम लोग 11 तारीख को अपने बांदा की बहू गीता मोहन साहू को भारी बहुमत से जिताने के बाद ही दम लेंगे।

कांग्रेस की आदिशक्ति दीक्षित ने बदले सारे समीकरण

बांदा। बता दें कि नगर पालिका चुनाव की शुरुआत में जहां भाजपा और सपा में मुकाबला नजर आ रहा था वहीं कांग्रेस से अध्यक्ष पद की प्रत्याशी आदिशक्ति दीक्षित की एंट्री के बाद पहले तो पूरा मुकाबला त्रिकोणीय हुआ और फिर उसके बाद अब आदिशक्ति दीक्षित का पलड़ा भारी होता नजर आ रहा है। आज आदिशक्ति दीक्षित ने शहर के क्यूटरा और छोटी बाजार मोहल्ले में जनसंपर्क किया इस दौरान कई जगह लोगों ने फूल मालाओं के साथ कांग्रेस प्रत्याशी आदिशक्ति दीक्षित का स्वागत किया लोगों ने अपनी समस्याएं बताईं और समर्थन देने का आश्वासन दिया।

व्यवस्था परिवर्तन के लिए मार्क्सवाद जरूरी : अमित

चित्रकूट। भाकपा जिला सचिव का अमित यादव एड ने कार्ल मार्क्स की 205वीं जयंती पांच मई के मौके पर कहा कि कम्युनिस्ट पार्टियों की लोग आलोचना करते हैं। अब कम्युनिस्ट पार्टी सत्ता में नहीं हैं, वो कहीं नजर नहीं आती। एक केरल में कोने में बैठे हैं, फिर भी वो विचारधारा खतरनाक है। भाजपा जिला सचिव का अमित यादव ने कार्ल मार्क्स की जयंती पर कहा कि लोकतान्त्रिक देश में लोकतान्त्रिक प्रक्रिया से चुनकर आये सत्ता शिखर पर विराजमान व्यक्ति ने आजादी के बाद पहली बार कम्युनिस्टों और उनके सिद्धांत के बारे में इस तरह के विचार व्यक्त किए हैं। यह स्वत: गंभीर विचार का विषय बन जाता है। वक्ता की नीयत और इरादों पर भी सवाल खड़े करता है। हमारी विचारधारा खतरनाक है, क्योंकि एकमात्र वही सिद्धांत है जिसे मानने वालों ने ओढ़े गए धर्म-संस्कृति और आस्था के चोगे को उघाड़ कर देश-दुनिया और जनता के सामने ला दिया। सिर्फ और सिर्फ शोषक पूंजीवाद, जो आज कारपोरेट राज बन चुका है, उसके दुमछल्ले मात्र हैं। अपने इस कुरूप पर पर्दा डालने को ही आपने यह धर्म- संप्रदाय-जाति का लबादा ओढा हुआ है। संविधान और लोकतंत्र की नींवों को खोखला कर देश अब एक फासीवादी निजाम की ओर बढ़ेगा, वही हुआ भी।

यह दृष्टि हमें किसी अन्य से नहीं विश्व के मेहनतकशों के मसीहा और समाजवाद के स्वप्न को हकीकत में ढालने वाले महा मनीषी कार्ल मार्क्स से मिली है। आज हम तुम पर नहीं, महान मार्क्स और उनके दर्शन और कृतित्व पर चर्चा की जायेगी।

प्रेक्षक ने जिलाधिकारी के साथ किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

कानपुर देहात। निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक जय शंकर दुबे, विशेष सचिव, वित्त विभाग, एवं जिला मजिस्ट्रेट, जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा जैन द्वारा अकबरपुर नगर पंचायत के अंतर्गत बीआरसी अकबरपुर में संचालित प्राथमिक एवं कन्या पाठशाला तथा अकबरपुर कस्बा के चौकी निकट स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय के संवेदनशील, अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रेक्षक द्वारा मतदान के दृष्टिगत बूथों पर की गई व्यवस्थाओं विद्युतीकरण, बाउंड्रीवाल, पानी की व्यवस्था, शौचालय रैम्प आदि का जायजा लिया गया तथा मतदान केंद्रों पर सुरक्षा संबंधी आवश्यक सुधार के साथ सभी व्यवस्थाओं को समय से दुरुस्त करने हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये । उन्होंने कहा कि आगामी गर्मी को देखते हुए मतदान केंद्र पर पानी का उचित प्रबंध किया जाए, जिससे कि किसी को दिक्कत ना हो, उन्होंने कहा कि छाया का भी प्रबंध किया जाए तथा शौचालय आदि दुरस्थ रहे, किसी प्रकार की लापरवाही ना की जाए। वहीं उन्होंने पैदल अकबरपुर कस्बे में भ्रमण भी किया तथा मतदाताओं से निर्भीक होकर मतदान करने हेतु प्रेरित किया, उन्होंने कहा कि किसी के बहकावे में ना आएं।

जिलाधिकारी ने किया तरणताल कायाकल्प का निरीक्षण

कानपुर देहात। जिलाधिकारी नेहा जैन ने जनपद में संचालित स्पोर्ट्स स्टेडियम माती में बने तरणताल (स्विमिंग पूल) के चल रहे कायाकल्प का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित कार्यदाई संस्था को निर्देशित किया कि इस तरणताल में गुणवत्ता एवं तकनीकी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा इस तरणताल को शीघ्र से शीघ्र कायाकल्प के कार्य को पूर्ण करते हुए संचालित किया जाए, जिससे यहां के खिलाड़ियों एवं लोगों को तरणताल की सुविधा उपलब्ध हो सके, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही ना की जाए। इस मौके पर पूर्व क्रीडा अधिकारी प्रदीप कुमार चौहान द्वारा पूर्व में किए गए तरणताल के संचालन के संबंध में जानकारी दी गई।

मेधा अलंकरण समारोह में मेधावियों को किया सम्मानित

संवाददाता। फतेहपुर

शहर के वीआईपी रोड स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में मेधा अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें पीसीएस, जेईई मेंस, नीट समेत बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक हासिल करने वाले मेधावियों को अतिथियों ने उपहार देकर सम्मानित किया। सम्मान पाकर मेधावियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। मुख्य अतिथि ने बच्चों को एकाग्रता पर बल देने का आहवान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष संजय श्रीनेत ने हिस्सा लिया।

सरस्वती वंदना के साथ शुरू हुए कार्यक्रम में विद्यालय के मेधावियों व उनके अभिभावकों ने उपस्थित होकर सफल बनाया। अध्यक्षता विद्या भारती पूर्वी के सह मंत्री चिंतामणि सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर विद्या भारती कानपुर प्रांत के प्रदेश निरीक्षक आत्मानंद सिंह ने शिरकत की। प्रबंध समिति के अध्यक्ष आनंद स्वरूप रस्तोगी, प्रबंधक डा. हरेश प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष अजय मिश्र, प्रधानाचार्य नरेंद्र सिंह ने अतिथियों का परिचय करवाया और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने गुरू की महत्ता का वर्णन करते हुए एकाग्रता पर बल देने की बच्चों से अपील की, क्योंकि विवेकानंद जैसे व्यक्तित्व को स्थापित करने में गुरुजनों का विशेष योगदान है।

टोल फ्री नंबर पर बात कर खाते से निकाले 87 हजार

फतेहपुर। गूगल से कोरियर एजेंसी का टोल फ्री नंबर निकालकर बात करने के बाद युवक के खाते से साइबर अपराधियों ने हजारों की रकम पार कर दी। मामले में एसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज की है। साइबर सेल मामले की जांच कर रहा है। धाता थाना क्षेत्र के ग्राम जाम के रहने वाले धर्मेंद्र कुमार निर्मल ने बताया कि मार्च महीने में एक कोरियर दिल्ली से मिर्जापुर भेजा था। कोरियर समय से नहीं पहुंचा तो 12 मार्च को गूगल से कोरियर एजेंसी का नंबर निकालकर फोन से बात चीत की। बात होने के दौरान फोन कट गया। कुछ देर बाद दूसरे नम्बर से फोन आया और गलत पते को सही करने के लिए बताया। उसने फोन पर एक फार्म लिंक भेजा जिसको भरने के बाद पांच रुपया ट्रांसफर करने को बोला। इसके दूसरे दिन उसके खाते से 87 हजार रुपया निकाल लिया गया।

सिरसी में दिनदहाड़े वृद्ध की गोली मारकर हत्या, भाइयों के तोड़े हाथ

हुसैनगंज, फतेहपुर। थाना क्षेत्र के गांव सिरसी मजरे भलेवा में लगभग एक दशक पुराने जमीन के एक टुकड़े के विवाद को लेकर चार सगे भाइयों ने अपनी ही बिरादरी के एक वृद्ध की दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी और उसके दो सगे भाइयों को बुरी तरह मारपीट कर हाथ तोड़ दिए। उपलब्ध घटनाक्रम के मुताबिक सिरसी मजरे भलेवा गांव में लोधी बिरादरी के दो पक्षों के बीच भूखण्ड के एक टुकड़े को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा है। विगत दिसंबर माह में थाना दिवस में भी यह मामला पहुंचा था किन्तु पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया, नतीजतन यह विवाद आज इस दहलीज तक पहुंच गया। बताते हैं कि लगभग साठ वर्षीय प्रेम लोधी पुत्र जगमोहन आज दोपहर एक बजे के करीब अपने घर के बाहर बैठा था, तभी दूसरे पक्ष के धनंजय लोधी एड. अपने भाई संजय, कल्लू, अनिल पुत्रगण सत्य प्रकाश ने हमला बोल दिया, तभी कल्लू ने तमंचे से फायर कर दिया, गोली प्रेम के लगी और वह वहीं गिरकर तड़पने लगा। जिसकी वहीं पर कुछ देर बाद मौत हो गई। गोली की आवाज सुनकर मृतक के भाई चन्द्र किशोर, राम बहादुर, गोरे, जुगराज व होरीलाल भी भागकर मौके पर पहुंचे जिन पर भी धनंजय आदि ने हमला कर दिया, जिनमें चन्द्र किशोर व राम बहादुर के हाथ टूट गए हैं। इस मामले में होरीलाल द्वारा दी गई तहरीर में पांच लोगों को नामजद किया गया है। खबर है कि पुलिस ने तीन को हिरासत में लिया है। उधर घटना की जानकारी होने पर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और सीओ सिटी व क्षेत्रीय पुलिस को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस घटना को लेकर फिर एक बार जहां इलाकाई पुलिस पर ऊंगली उठ रहीं हैं, वहीं चर्चाओं का भी बाजार गर्म है।

सपा प्रत्याशी एकता सिंह के समर्थन में किया गया धुआंधार जनसंपर्क

संवाददाता। फर्रुखाबाद

फतेहगढ़ की जनता ने सपा प्रत्याशी जिताने का किया वादा सपा प्रत्याशी एकता सिंह के समर्थन में अविनाश सिंह विक्की ने धुआदार जनसंपर्क जारी रखा। उन्होंने फतेहगढ़ में पुल मंडी व भूसा मण्डी मोहल्लों में घर घर जाकर जनसंपर्क करके वोट मांगे, जनता ने उन्हें हाथो हाथ लिया और 11 मई को साइकिल पर वोट देने का वादा किया। उनके साथ युनुस अंसारी, रिजवान अहमद ताज, खुर्शीद अहमद, असलम नवाब, भईया लाल आदि कई लोग साथ रहे। सपा प्रत्याशी एकता सिंह ने अरविंद सिंह सिक्की के साथ जय नारायण वर्मा रोड,सैनिक कालोनी में घर घर जाकर जनसंपर्क किया और वोट मांगे।

पेज एक का शेष

जनता का...

शुरुआत में मोदी को जब हनुमान की मूर्ति और भगवा रंग की शिवाजी पगड़ी भेंट की गई तो भीड़ जय श्री राम के नारे लगाने लगी। प्रधानमंत्री ने भी बजरंग बली की जय के नारे लगाए।

कश्मीर पर...

किया, जिसका विवरण रविवार को जारी किया गया। पहली बार पाकिस्तान की यात्रा पर आए किन गैंग ने अपने पाकिस्तानी समकक्ष बिलवाल भुट्टो जरदारी के साथ बैठक की अध्यक्षता की। बयान के अनुसार, बैठक में राजनीतिक, रणनीतिक, आर्थिक, रक्षा सुरक्षा, शिक्षा और सांस्कृतिक डोमेन सहित द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग की समीक्षा की गई, जबकि बातचीत के दौरान पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की गई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि वह चीन पर छींटाकशी नहीं, बल्कि गंभीर बातचीत करना चाहते हैं। यह टिप्पणी कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा चीन पर जानकारी की कमी की बात कहते हुए विदेश मंत्री की आलोचना के संदर्भ में आई है। राहुल गांधी के बयान कि जयशंकर चीन की तरफ से उपजे खतरे को नहीं समझ रहे हैं, के बारे में मैसूर में सवालों का जवाब देते हुए जयशंकर ने तंज कसते हुए कहा कि इस मामले में वह राहुल गांधी से क्लास लेने के लिए तैयार हैं, लेकिन मुझे पता चला कि राहुल स्वयं चीनी राजदूत से चीन पर क्लास ले रहे हैं।

मणिपुर में...

सलाह दी कि इस समय राहत शिविरों में रह रहे लोगों की अपने घरों को सुरक्षित वापसी की व्यवस्था की जाए। मालूम हो कि अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में राज्य के दस पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद हिंसा भड़क उठी थी, जिसमें कम से कम 54 लोगों की मौत हो गई। मणिपुर राज्य की कुल आबादी का लगभग 53 प्रतिशत मेइती समुदाय के लोग ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। आदिवासी नागा और कुकी की जनसंख्या राज्य में 40 प्रतिशत है। ये जनजातियां अधिकतर पहाड़ी जिलों में रहती हैं। राज्य में स्थिति में सुधार को देखते हुए गृह विभाग ने जिलाधिकारियों और उपायुक्तों को अपने जिलों के कुछ हिस्सों में दोपहर 1 से 3 बजे तक कर्फ्यू में ढील देने का निर्देश दिया है। हिंसा का केंद्र रहे चुराचांदपुर में रविवार को सुबह सात बजे से 10 बजे तक पाबंदियों में ढील दी गई है, ताकि लोग भोजन और दवा जैसी जरूरी चीजें खरीद सकें। इंफाल पश्चिम जिले में सोमवार को सुबह पांच बजे से रात आठ बजे तक कर्फ्यू में ढील दी जाएगी। अधिसूचना में कहा गया है कि इम्फाल शहर वह क्षेत्र है, जहां प्रमुख बाजार, दुकानें, गोदाम, व्यापारिक संस्थाएं आदि स्थित हैं। यहां से लोग अपनी जरूरतों के सामान खरीदते हैं। ये बाजार न केवल जिले की आबादी की जरूरतों को पूरा करते हैं, बल्कि पूरे राज्य (एसआईसी) में सामान की आपूर्ति करते हैं। रविवार सुबह एक रक्षा बयान में कहा गया कि पिछले 24 घंटों में सेना ने इंफाल घाटी के भीतर मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) यानी ड्रोन एवं हेलीकाप्टरों से निगरानी व्यवस्था बढ़ा दी है। इस बीच, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने इंफाल हवाई अड्डे पर यात्रियों की मदद के लिए कई उपाय किए हैं। एयरलाइंस ने यहां चलने वाली उड़ानों के लिए पुनर्निर्धारण और टिकट रद्द होने की स्थिति में शुल्क माफ कर दिया है। पिछले कुछ दिनों में 108 उड़ानों के जरिए इंफाल हवाईअड्डे से कुल 10,531 यात्रियों ने यात्रा की है। विभिन्न राज्य अपने लोगों को मणिपुर से निकालने का अभियान चला रहे हैं। आंध्र प्रदेश ने अब तक 100 से अधिक छात्रों को निकाला है, जबकि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि राज्य के 22 छात्र मणिपुर में फंसे हुए हैं और उन्हें घर वापस लाने की व्यवस्था की जा रही है। त्रिपुरा ने अपने 208 छात्रों को बचा लिया और नागालैंड ने 676 लोगों को हिंसा प्रभावित राज्य से निकाल लिया है। सिक्किम भी अब तक 128 छात्रों को मणिपुर से निकाल चुका है।

मणिपुर आरक्षण...

मार्च के दौरान चुराचांदपुर जिले के तोरबंग क्षेत्र में हिंसा भड़क गई थी, जो धीरे-धीरे पूरे राज्य में फैल गई थी। नगा और कुकी सहित अन्य आदिवासी समुदायों की ओर से इस मार्च का आयोजन मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा 27 मार्च को किया गया था। राज्य सरकार को मेइती समुदाय की एसटी दर्जे की मांग पर चार सप्ताह के भीतर केंद्र को एक सिफारिश भेजने का निर्देश देने के बाद यह मार्च आयोजित किया गया था। मेइती समुदाय को अनुसूचित जनजाति दर्जे पर मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए विभिन्न आदेशों को चुनौती देते हुए भाजपा विधायक एवं पहाड़ी क्षेत्र समिति (एचएसी) के अध्यक्ष डिंगांगलुंग गंगमेई द्वारा अपील दायर की गई है, जिसमें मेइती को एसटी दर्जे पर मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा पारित विभिन्न आदेशों को चुनौती दी गई है। इसमें उच्च न्यायालय के आदेश की आलोचना पर अवमानना नोटिस जारी करना भी शामिल है। गंगमेई ने अपनी अपील में कहा कि एचएसी एक आवश्यक और उचित पक्षकार है और एचएसी को पक्षकार नहीं बनाने के कारण उच्च न्यायालय के समक्ष कार्यवाही प्रभावित हुई और उच्च न्यायालय के आदेश से तनाव उत्पन्न हुआ और इससे दो समुदायों के बीच हिंसा हुई।

भारतीय नभ...

के मुताबिक, पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद विमान ने मुल्तान के लिए उड़ान भरी। इसके मुताबिक, विमान ने लगभग दस मिनट तक भारतीय क्षेत्र में कुल 120 किलोमीटर की उड़ान भरी।

बृजभूषण की...

सामना करते है तो पूरा देश उनके साथ खड़ा है। शाम को पहलवानों ने सैकड़ों समर्थकों के साथ कैंडल (मोमबत्ती) मार्च निकाला। इस दौरान इंकलाब जिंदाबाद के नारे गूंज रहे थे और पहलवान एक-दूसरे का हाथ पकड़कर चल रहे थे। मार्च शुरू होने से ठीक पहले मेरा रंग दे बसंती चोला जैसे देशभक्ति गीत बजाए गए। रविवार को महापंचायत में पहलवानों की ओर से अगले कदम पर चर्चा के दौरान धोती-कुर्ता पहने और सैकड़ों की संख्या में पगड़ीधारी किसानों को प्रदर्शन स्थल पर देखा गया। यह दृश्य किसानों के उस विरोध की तरह था, जो 13 महीने तक चला था। दिल्ली पुलिस ने धारा 161 के तहत सात महिला शिकायतकर्ताओं के बयान दर्ज कर लिए हैं, जबकि आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 164 (मजिस्ट्रेट के सामने) के तहत बयान दर्ज किए जाने बाकी हैं। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण पर कई महिला पहलवानों के यौन शोषण का आरोप लगाया है और उन्हें हटाने की मांग की है। टिकैत ने कहा कि तिरंगे का अपमान किया गया है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, हम पहलवानों की हर संभव तरीके से मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन लंबा चलेगा और यह पूरे देश में फैल सकता है। उन्होंने कहा, यह (जंतर मंतर) अभी विरोध स्थल बना रहेगा। हमें लंबी लड़ाई के लिए तैयार रहना होगा और यह विरोध प्रदर्शन और बढ़ेगा। टिकैत ने कह ा कि यह कोई राजनीतिक विरोध नहीं है, यह एक गैर-राजनीतिक संगठन है। लेकिन कुछ राजनेता पार्टी लाइन से हटकर इन पहलवानों के समर्थन में आ गए हैं। सिरसा ने कहा कि हमने यह भी तय किया है कि हम सरकार को बृजभूषण को गिरफ्तार करने के लिए मजबूर करेंगे। किसानों ने जिस तरह (कृषि कानूनों के खिलाफ) अपनी लड़ाई लड़ी थी, उसी तरह पहलवान अपना संघर्ष जारी रखेंगे। विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता विनेश फोगाट ने भी संकेत दिया कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो विरोध और बड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा, अगर 21 मई तक सरकार का कोई प्रस्ताव नहीं आया तो हम एक बड़ा फैसला ले सकते हैं। किसी ने भी हमारे विरोध को हाईजैक नहीं किया है। सिर्फ अन्याय के खिलाफ हमारी लड़ाई में लोग हमारे साथ हैं। ये लोग हमारा सम्मान करते हैं और हमारी गरिमा की परवाह करते हैं।

खाप पंचायतों...

मत मानो, अगर आपके गांव की बिटिया, लड़की पहलवानी करती है तो एक मिनट उसे अकेले में बुला कर पूछ लेना, कोई बच्चा पहलवानी करता हो, चाहे कैडेट का हो, जूनियर का हो, सीनियर का हो एक मिनट अकेले में उससे आप पूछ लेना। अगर वह कह दे कि बृजभूषण शरण सिंह के ऊपर जो आरोप लगाए जा रहे हैं, बृजभूषण सिंह ऐसे ही हैं, तो जो इच्छा होगी कर लेना।' सिंह ने कहा, 'महीने, दो महीने, तीन महीने बाद जब जांच रिपोर्ट आएगी, तब मेरे चाचा ताऊ कहीं ऐसा न हो कि आपको पछताना पड़े। लेकिन एक बात मैं हाथ जोड़कर आपसे कहना चाहता हूं कि जब भी जांच पूरी होगी। मैं आपके खाप पंचायत में आ जाऊंगा। अगर मैं गुनाहगार हूं तो आप जूते से मार-मार कर मेरी जीवन लीला समाप्त कर देना।' उन्होंने कहा, 'चाचा ताऊ मेरे खाप पंचायत के बुजुर्गों मैं आपका बहुत सम्मान करता हूं। लेकिन इतना जरूर कहूंगा कि ज्यादा से ज्यादा जांच में एक महीना, दो महीना या तीन महीना लगेगा। ए बच्चे (प्रदर्शनकारी पहलवान) गलती कर जाएं तो कर जाएं, मेरे बुजुर्गों हाथ जोड़ कर विनती करता हूं कि आप गलती न करो।'

इमरान ने आईएसआई के शीर्ष अधिकारी पर लगाया आरोप

मेजर जनरल फैसल नसीर वरिष्ठ पत्रकार की हत्या में थे शामिल

भाषा। लाहौर

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने आरोप लगाया है कि दो बार उनकी हत्या की कोशिश करने वाले आईएसआई अधिकारी मेजर जनरल फैसल नसीर वरिष्ठ पत्रकार अरशद शरीफ की हत्या में शामिल थे। खान ने यह टिप्पणी लाहौर में अपने बुलेट-बम-प्रूफ वाहन से एक रैली को संबोधित करते हुए की। रैली का वीडियो लिंक के जरिए अन्य शहरों में सीधा प्रसारण किया गया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी प्रमुख खान ने कहा, (पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसी) इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के मेजर-जनरल फैसल नसीर ने दो बार मेरी हत्या करने की कोशिश की। वह (टेलीविजन प्रस्तोता) अरशद शरीफ के कत्ल में भी शामिल हैं। उन्होंने मेरी पार्टी की सीनेटर आज़म स्वाति को भी निर्वस्त्र कर उन्हें यातना दी थी।

सेना के आलोचक रहे अरशद शरीफ की पिछले साल अक्टूबर में केन्या में हत्या कर दी गई थी। वह सुरक्षा एजेंसियों से अपनी जान को खतरा होने का जिक्र करते हुए देश छोड़ कर भाग गए थे। केन्या में पुलिस ने खोजी पत्रकार पर गोली चलाई थी, जिससे उनकी मौत हुई थी। केन्या की पुलिस ने अपनी शुरुआती रिपोर्ट में कहा था कि गलत पहचान के चलते 49 वर्षीय व्यक्ति की गाड़ी पर गोली चलाई गई थी जिससे उनकी मौत हो गई। खान (71) ने इससे पहले, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह के साथ-साथ जनरल नसीर पर पिछले साल नवंबर में पंजाब प्रांत के वजीराबाद में उनकी (खान की) हत्या की कोशिश करने का आरोप लगाया था। इस हमले में उनके पैर में तीन गोलियां लगी थीं। पूर्व क्रिकेटर ने कहा, यह व्यक्ति(जनरल नसीर) पिछले 20 महीनों से मेरी पार्टी के लोगों पर जुल्म कर रहा है, लेकिन उसकी संस्था (सेना) में किसी को इसकी परवाह नहीं है। पाकिस्तान से प्यार करने वाला कोई भी व्यक्ति वह नहीं कर सकता जो यह कर रहा है। खान ने मौजूदा सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर से परोक्ष रूप से यह सवाल किया कि वह आईएसआई के इस कर्मी पर कार्वाई क्यों नहीं करते हैं? उन्होंने देश के लोगों से माफिया शासकों और उनके आकाओं (सैन्य प्रतिष्ठान में मौजूद तत्वों) के खिलाफ सड़कों पर उतरने की अपील की। उन्होंने कहा, हत्या की इन योजनाओं के बावजूद मैं इस देश की खातिर सड़क पर उतर कर विरोध कर रहा हूं। मेरा साथ देना आपका फर्ज है क्योंकि यह सियायत नहीं बल्कि जेहाद है- असली आज़ादी के लिए लड़ना कभी राजनीति नहीं होती है। खान ने कहा कि उनकी पार्टी पंजाब में चुनाव की मांग को लेकर अगले हफ्ते से 14 मई तक रैलियां आयोजित करेगी। उन्होंने कहा कि अगर उच्चतम न्यायालय की अवज्ञा की जाती है, तो संविधान ध्वस्त हो जाएगा। उन्होंने कहा इसका मतलब कानून के शासन का अंत और जंगल राज की शुरुआत होना है। हम ऐसा नहीं होने देंगे।

खान ने यह भी सवाल किया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ब्रिटेन में क्या कर रहे हैं? शहबाज, ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय के राज्याभिषेक में हिस्सा लेने के लिए लंदन गए थे। खान ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के एक सम्मेलन में शिरकत करने के वास्ते भारत जाने के लिए विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी की भी आलोचना की। खान ने सवाल किया कि भारत यात्रा से क्या फायदा हुआ। उन्होंने कहा, पाकिस्तान की दुनिया में बदनामी हुई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एससीओ की बैठक में अपने संबोधन में भुट्टो-जरदारी को आड़े हाथों लिया था और पाकिस्तान के विदेश मंत्री के उस बयान का विरोध किया गया था, जिसमें कहा गया था कि आतंकवाद का इस्तेमाल कूटनीतिक फायदे के लिए हथियार के तौर पर नहीं करना चाहिए।

लंदन पुलिस ने राज्याभिषेक के दौरान राजशाही विरोधी प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी का बचाव किया

भाषा। लंदन

ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय के राज्याभिषेक के दौरान देश के सबसे बड़े राजशाही विरोधी समूह के प्रमुख सहित कुल 52 लोगों को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, इन गिरफ्तारियों का लंदन पुलिस मुख्यालय स्कॉटलैंड यार्ड ने बचाव किया है। लंदन पुलिस ने शनिवार शाम को कहा कि गिरफ्तारियां मारपीट, सार्वजनिक व्यवस्था के उल्लंघन, शांति भंग करने और सार्वजनिक उपद्रव करने की साजिश सहित अन्य अपराधों के लिए की गईं। इनमें राजशाही विरोधी समूह रिपब्लिक के मुख्य कार्यकारी ग्राहम स्मिथ भी शामिल हैं, जिन्हें महाराजा के राज्याभिषेक के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान ट्राफलगर स्क्वायर में गिरफ्तार किया गया। राज्याभिषेक दिवस के लिए सुरक्षा अभियान का नेतृत्व करने वालीं पुलिस कमांडर करेन फिंडले ने कहा, हम गिरफ्तारियों के बाद लोगों की चिंता को पूरी तरह से समझते हैं। विरोध प्रदर्शन जायज है लेकिन यह विघटनकारी हो सकता है। उन्होंने कहा, हमने राज्याभिषेक समारोह की तैयारी और आयोजन के दौरान बिना किसी दखल के कई प्रदर्शनों को नियंत्रित किया है। हमारा कर्तव्य प्रासंगिक कानून के अनुरूप कदम उठाना है। जब प्रदर्शन बेकाबू हो जाता है और गंभीर व्यवधान पैदा कर सकता है, तो हस्तक्षेप करना भी हमारा कर्तव्य है। फिंडले ने कहा, यह संदर्भ पर निर्भर करता है। राज्याभिषेक पीढ़ी में एक बार होने वाली घटना है और हमारे आकलन में इसकी अहमियत का ध्यान रखा जाना चाहिए। लंदन पुलिस ने कहा कि गिरफ्तारियों के बावजूद प्रदर्शनकारियों का एक बड़ा समूह ट्राफलगर स्क्वायर पर बिना किसी रोकटोक के आगे बढ़ा। लंदन पुलिस ने शनिवार को राज्याभिषेक दिवस के लिए 11,500 से अधिक अधिकारियों की तैनाती की थी और पूरे सप्ताहांत तक कुल 29,000 अधिकारी तैनात किए गए हैं।

ऋषि सुनक सामुदायिक नायकों के लिए राज्याभिषेक भोज की मेजबानी करेंगे

लंदन। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति महाराजा चार्ल्स तृतीय और महारानी कैमिला की ताजपोशी का जश्न मनाने के लिए सामुदायिक नायकों के वास्ते रविवार को लंदन के डाउनिंग स्ट्रीट में एक भव्य राज्याभिषेक भोज की मेजबानी करेंगे। आमंत्रित लोगों में ब्रिटिश सिख उद्यमी नवजोत सिंह साहनी भी शामिल हैं, जिन्होंने इस साल की शुरूआत में पर्यावरण अनुकूल एवं हाथ से चलने वाली वाशिंग मशीन परियोजना के लिए ब्रिटेन का प्रतिष्ठित पॉइंट ऑफ लाइट पुरस्कार जीता था। यह भव्य भोज, शनिवार को यहां वेस्टमिंस्टर एबे में हुए राज्याभिषेक का जश्न मनाने के लिए पूरे ब्रिटेन के विभिन्न हिस्सों में आयोजित करीब 50,000 बड़े और छोटे भोज का हिस्सा है। ऋषि सुनक ने कहा, ताजपोशी के ऐतिहासिक क्षण का जश्न मनाने के लिए हमारे राज्याभिषेक भोज के लिए डाउनिंग स्ट्रीट में कुछ अविश्वसनीय सामुदायिक नायकों का स्वागत करते हुए मुझे गर्व हो रहा है।

लूला ने असांजे की रिहाई के लिए समन्वित प्रयासों की मांग की

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय के ताजपोशी समारोह में शामिल होने के बाद कहा कि विकिलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे को रिहा कराने के लिए समन्वित प्रयास किए जाने चाहिए। असांजे पिछले चार वर्षों से ब्रिटेन की बेलमार्श जेल में बंद हैं। ब्राजील के राष्ट्रपति ने कहा, यह शर्मनाक है कि एक पत्रकार, जिसने एक देश के खिलाफ दूसरे देश की धोखेबाजी को उजागर किया और उसकी सरेआम निंदा की, उसे गिरफ्तार किया जाता है, जेल में मरने के लिए छोड़ दिया जाता है और हम उसे छुड़ाने के लिए कुछ नहीं करते हैं। लूला ने कहा, हम अभिव्यक्ति की आजादी की बात करते हैं। यह शख्स इसलिए जेल में है, क्योंकि इसने गलत काम की आलोचना की। और प्रेस इस पत्रकार को बचाने के लिए कुछ नहीं कर रहा है। यह बात मेरी समझ से परे है। लूला ने यह टिप्पणी असांजे के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में की। उन्होंने कहा कि वह ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से इस बारे में बात करना भूल गए और ब्राजील लौटने के बाद इस संबंध में सुनक को एक पत्र लिखेंगे। गौरतलब है कि असांजे खुद को अमेरिका प्रत्यर्पित किए जाने के प्रयासों के खिलाफ लंबे समय से कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। लूला का बयान ऐसे वक्त में आया है, जब उन्होंने भूराजनीतिक मामलों में अमेरिका के उलट बयान देने में कोई कोताही नहीं बरती है। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया भी अमेरिका पर असांजे के खिलाफ अभियोजन को समाप्त करने के लिए लगातार राजनयिक दबाव बना रहा है। असांजे ऑस्ट्रेलियाई नागरिक हैं। गौरतलब है कि अमेरिका प्रत्यर्पित किए जाने की सूरत में असांजे को जासूसी से जुड़े 17 आरोपों और कंप्यूटर के दुरुपयोग से जुड़े एक आरोप का सामना करना पड़ सकता है।

न्यूजीलैंड में भारतीय मूल के व्यक्ति को यौन उत्पीड़न और हत्या में 20 साल सजा

मेलबर्न। न्यूजीलैंड में भारतीय मूल के 33 वर्षीय एक बेघर व्यक्ति को सितंबर 2021 में डाउन सिंड्रोम से पीड़ित एक महिला का यौन उत्पीड़न करने और गला घोंटकर उसकी हत्या करने के जुर्म में करीब 20 साल कैद की सजा सुनाई गई है। मीडिया में यह खबर आई है। समाचार पत्र द न्यूजीलैंड हेराल्ड में बृहस्पतिवार को प्रकाशित खबर के अनुसार, आरोपी शामल शर्मा ने 22 सितंबर, 2021 को ऑकलैंड में डाउन सिंड्रोम से पीड़ित 27 वर्षीय लीना झांग हैरप का सुबह की सैर के दौरान यौन उत्पीड़न किया। खबर के मुताबिक, हैरप का शव उसके घर से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर मिला था। खबर के अनुसार, आरोपी शर्मा को इस जघन्य अपराध के दो दिन बाद 24 सितंबर, 2021 को गिरफ्तार कर लिया गया था। शर्मा को साढ़े 19 साल की सजा सुनाई गई है। पुलिस के अनुसार, हरप को लगभग दो घंटे तक प्रताड़ित किया गया। उसने बताया कि गला घोंटने से पहले उसके चेहरे पर कई हमले किए गए, जिससे उसकी मौत हो गई।

नेपाल में हिमस्खलन से तीन लोगों की मौत

काठमांडू। नेपाल के करनाली प्रांत में शनिवार को हुए हिमस्खलन में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। एक मीडिया रिपोर्ट में रविवार को यह जानकारी दी गई। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना करनाली प्रांत के मुगु जिले के चियारखू दर्रे के पास शनिवार सुबह हुई।अधिकारियों के अनुसार, करनाली जिले की पतरासी नगरपालिका के 12 लोग कीड़ा जड़ी लेने के लिए चियारखू गए थे, तभी वे हिमस्खलन की चपेट में आ गए। उन्होंने बताया कि हादसे में इनमें से तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

सीरिया को अरब लीग में वापस लाने के लिए मतदान किया गया

काहिरा। अरब देशों की सरकारों के प्रतिनिधियों ने 12 साल के निलंबन के बाद सीरिया को अरब लीग में वापस लाने के लिए रविवार को मतदान किया। मिस्र की राजधानी काहिरा में हुए इस मतदान के कुछ दिन पहले शीर्ष स्थानीय राजनयिकों की जॉर्डन में मुलाकात हुई थी, जिसमें संघर्ष लगातार कम होने के मद्देनजर सीरिया को अरब लीग में वापस लाने की रूपरेखा पर चर्चा की गई थी। 19 मई को सऊदी अरब की मेजबानी में अरब लीग सम्मेलन होने वाला है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2254 के अनुरूप संकट के राजनीतिक समाधान तक पहुंचने के लिए अरब सरकारों के साथ जारी संवाद के तहत भी सीरिया की वापसी का निर्णय लिया गया है।

भारत में लोकतांत्रिक मूल्यों में कोई कटौती नहीं हुई है: धनखड़

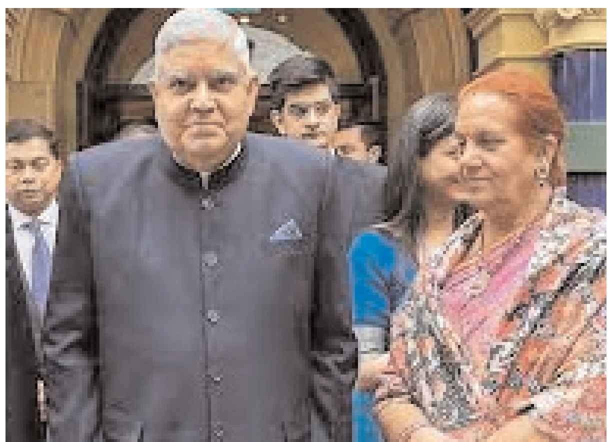

भाषा। लंदन। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि भारत में किसी भी लोकतांत्रिक मूल्य में कोई कटौती नहीं हुई है और यह पहले की अपेक्षा कहीं अधिक फल-फूल रहा है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन में रह रहे भारतीय छात्रों की यह जिम्मेदारी है कि वे अपने देश के बारे में गलत विमर्श का विरोध करें। उपराष्ट्रपति ने यहां शनिवार को वेस्टमिंस्टर एबे में ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय के ऐतिहासिक राज्याभिषेक समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। धनखड़ ने नई दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले भारतीय उच्चायोग द्वारा शनिवार शाम आयोजित एक कार्यक्रम में भारत के छात्रों से बातचीत की। उपराष्ट्रपति ने कार्यक्रम में मौजूद छात्रों से कहा कि भारत को उनकी उपलब्धियों और प्रतिभा पर गर्व है तथा उनसे देश के सद्भावना दूत की भूमिका निभाने का आग्रह किया।उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की उपलब्धियों का जिक्र किया और इसकी मजबूत लोकतांत्रिक पहचान पर जोर दिया।

उपराष्ट्रपति ने कहा, भारत वैश्विक मामलों में अपनी समझ,अपने कल्याण तथा वैश्विक शांति के हिसाब से अपना रुख निर्धारित करता है। भारत महाशक्ति के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा, भारत के अलावा दुनिया के किसी भी हिस्से में अभिव्यक्ति की इतनी स्वतंत्रता नहीं है। हमारे देश में किसी भी लोकतांत्रिक मूल्य में कटौती नहीं हुई है, बल्कि यह पहले की अपेक्षा कहीं अधिक फल -फूल रहा है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ब्रिटेन में रह रहे भारतीय छात्रों की यह जिम्मेदारी है कि वे देश के बारे में गलत विमर्श का विरोध करें। धनखड़ ने कहा, अगर आप इससे सहमत नहीं हैं, तो आपको इसका विरोध करना चाहिए। इस तरह के जीवंत लोकतंत्र के लिए गलत विमर्श हमारे राष्ट्रीय हित के खिलाफ है। मुझे इसमें जरा भी संदेह नहीं है कि सर्वाधिक मजबूत प्रतिक्रिया तार्किक सोच-विचार से आती है।

मॉल में बरसाईं गोलियां, नौ मारे गए

अमेरिका के डलास शूटआउट में हमलावर भी हुआ ढेर

एजेंसी। ह्यूस्टन। अमेरिका के टेक्सास प्रांत में डलास शहर के एक मॉल में एक बंदूकधारी ने गोलियां चलाईं जिसमें आठ लोग मारे गए और सात अन्य घायल हो गए। पुलिस की कार्रवाई में हमलावर भी मारा गया। गोलीबारी की घटना शनिवार को एलेन प्रीमियम आउटलेट्स में दोपहर तीन बजकर 30 मिनट पर हुई। यह स्थान डलास से 25 मील उत्तर में है और उसमें 120 से अधिक दुकानें हैं।

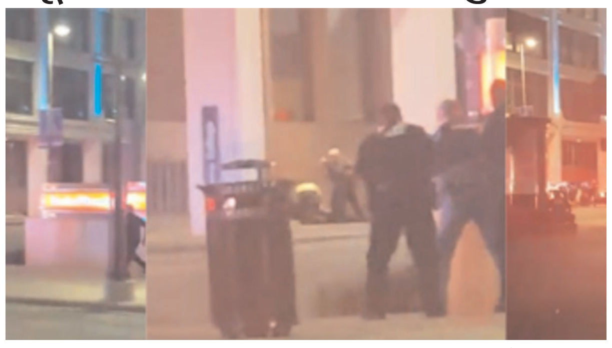

पुलिस ने कहा कि बंदूकधारी को मार गिराया गया है और लगता है कि उसने अकेले ही गोलीबारी की थी। पुलिस ने फिलहाल हताहतों और हमलावार के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। डलास के एक चिकित्सालय ने कहा कि पांच साल के एक बच्चे का उपचार चल रहा है। कम से कम सात लोगों का उपचार चल रहा है,जिनमें तीन की हालात गंभीर है। एलेन दमकल विभाग के प्रमुख जोनाथन बॉयड ने कहा कि हमलावर सहित सात लोगों को घटनास्थल पर मृत घोषित किया गया, दो की बाद में मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि एलेन पुलिस के एक अधिकारी को एलेन प्रीमियम आउटलेट्स में गोलीबारी की आवाज सुनाई दी। पुलिस विभाग ने ट्वीट किया, अधिकारी ने तत्काल कार्वाई की और हमलावर को ढेर कर दिया। इसके बाद उसने अन्य पुलिसकर्मियों को भेजे जाने का अनुरोध किया। इलाके को अब कोई खतरा नहीं है। सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में कहा घटना के वीडियो में गोलीबारी के वक्त सैकडों लोग दुकानों से बाहर निकलते दिखाई दिए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बतायाा कि कुछ लोग उक्त स्थान पर कम से कम दो घंटे तक छिपे रहे और इस दौरान पुलिसकर्मियों ने इलाके को साफ किया। गवर्नर ग्रेग एबोट ने इसे स्तब्ध करने वाली घटना करार दिया। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन को घटना के बारे में सूचित कर दिया गया है और प्रशासन ने स्थानीय अधिकारियों को मदद का भरोसा दिलाया है।

पाकिस्तान, चीन और अफगानिस्तान आतंकवाद के मुकाबला को सहमत हुए

इस्लामाबा। पाकिस्तान, चीन और अफगानिस्तान आतंकवाद का मुकाबला करने और विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। विदेश कार्यालय ने रविवार को यह जानकारी दी। उसने एक बयान में कहा कि शनिवार को इस्लामाबाद में आयोजित पांचवीं चीन-पाकिस्तान-अफगानिस्तान त्रिपक्षीय विदेश मंत्रियों की वार्ता में तीनों देशों के विदेश मंत्रियों ने भाग लिया।

बयान में कहा गया है, तीनों पक्ष त्रिपक्षीय ढांचे के तहत राजनीतिक जुड़ाव, आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग और व्यापार, निवेश और संपर्क (कनेक्टिविटी) बढ़ाने पर सहमत हुए। त्रिपक्षीय वार्ता के बारे में कोई विस्तृत विवरण नहीं दिया गया है। बैठक के लिए अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी को संयुक्त राष्ट्र द्वारा विशेष रूप से पाकिस्तान की यात्रा करने की अनुमति दी गई थी। चीनी विदेश मंत्री छिन कांग ने त्रिपक्षीय बैठक में भाग लेने के लिए गोवा से उड़ान भरी थी, जहां उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में भाग लिया था। मुत्तकी ने रविवार को पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी से मुलाकात की और प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। शांति और सुरक्षा के मद्देनजर उन्होंने आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए समन्वय बढ़ाने और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। मुत्तकी ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल सैयद असीम मुनीर से भी मुलाकात की और दोनों ने आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा की। सेना की मीडिया इकाई ने एक बयान में यह जानकारी दी।

दक्षिण कोरिया और जापान के नेताओं ने की मुलाकात

रिश्तों में सुधार के लिए दोनों देशों के नेताओं की दूसरी मुलाकात

एजेंसी। सियोल

दक्षिण कोरिया और जापान के नेताओं ने द्विपक्षीय रिश्तों में सुधार के लिए रविवार को मुलाकात की। यह दो महीने से भी कम समय में दोनों देशों के नेताओं के बीच दूसरी मुलाकात है।दक्षिण कोरिया और जापान ऐतिहासिक मसलों पर लंबे समय से जारी गतिरोध को दूर करना चाहते हैं तथा उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम व अन्य क्षेत्रीय चुनौतियों के मद्देनजर आपसी सहयोग को बढ़ावा देना चाहते हैं। जापान के प्रधानमंत्री फिमियो किशिदा दो दिन की यात्रा पर रविवार को दक्षिण कोरिया पहुंचे। इससे पहले, मार्च के मध्य में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल ने तोक्यो का दौरा किया था। जापान और दक्षिण कोरिया के नेताओं ने बीते 12 साल में पहली बार एक के बाद एक, एक-दूसरे के देशों की यात्रा की है।

यून ने बैठक की शुरुआत में कहा, आवाजाही की कटनीति शुरू होने पर 12 साल लग गए, लेकिन हमारी यात्राओं का आदान-प्रदान दो महीने से भी कम वक्त में हो गया। मेरे ख्याल से यह पुष्टि करता है कि हाल ही में नई शुरूआत करने वाले दक्षिण कोरिया-जापान के रिश्ते तेज़ गति से आगे बढ़ रहे हैं। यून ने कहा कि सियोल और तोक्यो के बीच सहयोग मौजूदा गंभीर अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक स्थिति और वैश्विक संकटै को देखते हुए आवश्यक है। उन्होंने इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। हालांकि पहले उन्होंने कहा था कि उत्तर कोरिया के समृद्ध होते परमाणु कार्यक्रम, अमेरिका-चीन के बीच तेज होती रणनीतिक दुश्मनी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में समस्याओं के चलते जापान के साथ अधिक सहयोग की जरूरत है।किशिदा ने कहा कि वह और यून द्विपक्षीय संबंधों को और विकसित करने के लिए विचारों का आदान-प्रदान किशिदा ने कहा कि वह और यून द्विपक्षीय संबंधों को और विकसित करने के लिए विचारों का आदान-प्रदान करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यून के साथ मार्च में उनकी शिखर बैठक के बाद से वार्ताओं की एक श्रृंखला गतिशील रूप से आगे बढ़ने लगी है। दक्षिण कोरियाई और जापानी अधिकारियों ने कहा कि योल और किशिदा उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम, दक्षिण कोरिया व जापान की आर्थिक सुरक्षा, समग्र संबंधों और अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे।दोनों देशों ने बीते कई वर्षों में ऐतिहासिक कारणों से एक-दूसरे के खिलाफ उठाए गए आर्थिक कदमों को हाल के हफ्तों में वापस ले लिया है। गौरतलब है कि 1910 से 1945 तक कोरियाई प्रायद्वीप पर जापान के औपनिवेशिक शासन से उपजे मुद्दों की वजह से सियोल और तोक्यो के बीच रिश्तों में लंबे समय से खटास रही है। यून के साथ शिखर सम्मेलन से पहले किशिदा और उनकी पत्नी यूको किशिदा ने सियोल में राष्ट्रीय कब्रिस्तान का दौरा किया। इस कब्रिस्तान में ज्यादातर वे लोग दफन हैं जिन्होंने कोरियाई जंग के दौरान जान गंवाई थी लेकिन जापान के शासन के दौरान स्वंतत्रता की लड़ाई लड़ने वाले लोग भी यहां दफन हैं। उन्होंने एक स्मारक के सामने मौन श्रद्धांजलि दी।

तुर्किए के हेते प्रांत में एक ट्रक के कई अन्य वाहनों से टकराने पर 12 की मौत, 31 घायल

इस्तांबुल। तुर्किए के दक्षिणी प्रांत हेते में एक ट्रक के कई अन्य वाहनों से टकरा जाने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 31 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि घायल हुए लोगों में से तीन की हालत गंभीर है। तुर्किए की अनादोलू समाचार एजेंसी के मुताबिक, शनिवार देर रात ट्रक चालक के नियंत्रण खो देने के बाद वह सड़क की विपरीत लेन में चला गया और नौ कारों तथा दो मिनी बसों से टकरा गया। उस समय कई वाहन एक गैस स्टेशन के पास सड़क किनारे खड़े थे। स्वास्थ्य मंत्री फहार्टिन कोका ने कहा कि इस्केंडरुन-अंटाक्य राजमार्ग पर आग लग गई। मंत्री ने ट्वीट किया कि तोपबोगजली में 22 एंबुलेंस और चिकित्सा टीम को घटनास्थल पर भेजा गया। उन्होंने ट्वीट किया, ईश्वर हमारे उन नागरिकों पर दया करें जिन्होंने अपनी जान गंवाई, मैं उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। हम यह सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश करेंगे कि हादसे में घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। तुर्किएं में छह फरवरी को आए भूकंप से प्रभावित देश के 11 प्रांतों में हेते सबसे अधिक प्रभावित हुआ था। होने इस भूकंप ने तुर्किए और सीरिया के कुछ हिस्सों में तबाही मचा दी थी। सरकार के अनुसार, तुर्किए में कम से कम 50,783 लोग मारे गए। एक निजी न्यूज एजेंसी ने कहा कि ट्रक भूकंप से क्षतिग्रस्त हुई इमारतों का मलबा लेकर जा रहा था और स्थानीय समयानुसार शाम करीब सात बजे राजमार्ग की विपरीत लेन में जाने से पहले उसने एक अन्य ट्रक को टक्कर मारी थी। अनादोलू समाचार एजेंसी के मुताबिक, प्रत्यक्षदर्शी अली र्साक ने बताया कि मारे गए लोगों में से कुछ की जलकर मौत हो गई। समाचार एजेंसी द्वारा जारी की गई तस्वीरों में वाहनों में आग लगती दिखाई दे रही है।

यूक्रेन में परमाणु संयंत्रों की सुरक्षा को लेकर आईएईए चिंतित

कीव। संयुक्त राष्ट्र के परमाणु निगरानी निकाय ने ऐसे में यूक्रेन के जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता जताई है जब रूस के नियंत्रण वाले इस इलाके के गवर्नर ने इस क्षेत्र को खाली करने का आदेश दिया है। गौरतलब है कि इलाके में लगातार हो रहे हमलों के बावजूद परमाणु संयंत्र में काम करने वाले ज्यादातर कर्मचारी इसी शहर में रहते थे। अब उन्हें शहर खाली करने का आदेश दिया गया है। यह परमाणु संयंत्र युद्ध के अग्रिम मोर्चे के पास स्थित है और रविवार को यूक्रेन प्रशासन ने बताया कि रूसी बलों द्वारा निकोपोल पर दागे गए 30 से ज्यादा गोलों की चपेट में आकर 72 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए हैं। निकोपोल परमाणु संयंत्र के पास स्थित एक शहर है और यह यूक्रेन के नियंत्रण में है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रोस्सी ने शनिवार को चेतावनी भरे लहजे में कहा, जापोरिज्जिया परमाणु बिजली संयंत्र के आसपास के इलाकों में सामान्य हालात बेहद जोखिम भरे होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं परमाणु संयंत्र की सुरक्षा को लेकर वास्तव में बहुत चिंतित हूं।

पाकिस्तान उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश संवैधानिक प्रावधान लागू कराने को कर्तव्यबद्ध

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश (सीजेपी) उमर अता बांदियाल ने रविवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश संविधान का पालन करने के लिए कर्तव्यबद्ध हैं और उन्हें किसी विधानसभा के भंग होने के 90 दिन के अंदर चुनाव कराने का संवैधानिक प्रावधान लागू करते समय अपनी आंखें बंद नहीं करनी चाहिए।बांदियाल ने लाहौर में अल्पसंख्यक अधिकारों पर एक सम्मेलन में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि देश के नेता, संस्थान और लोग संविधान को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।उन्होंने कहा, जब संवैधानिक प्रावधान लागू करने की बात आती है तो हमें अपनी आंखें बंद करनी नहीं चाहिए। अगर यह चुनाव कराने के लिए 90 दिन का समय होने की बात कहता है, तो इस बारे में बताना हमारा कर्तव्य है, हमारी पसंद नहीं। हमें ऐसा कहने से बचने के बहाने नहीं खोजने चाहिए। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब शीर्ष अदालत द्वारा पंजाब प्रांत में चुनाव कराने की निर्धारित समयसीमा 14 मई नजदीक आ रही है जबकि देश के निर्वाचन आयोग और सरकार ने चुनाव आयोजित करने में असमर्थता दिखाई है।

PUBLIC NOTICE

Public Notice is hereby given that M/S Narayan Securities Limited, E-1/7, 3rd Floor, East Patel Nagar, New Delhi is surrendering its Central depository Services Limited Registration with SEBI.

Narayan Securities Limited

सार्वजनिक सूचना

मैं आशा शर्मा पत्नी स्व. सतीश शर्मा निवासी - बी-601, सीबीआईपी को-ऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी, द्वारका, प्लाट न. 8बी, सेक्टर-7, द्वारका, फेज-1, नई दिल्ली-110075, एतद्वारा सूचित करती हूँ कि मेरा सीबीआईपी को-ऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी का उपरोक्त पते का मूल शेयर सर्टिफिकेट (सं. 30) कहीं खो गया है। इस सन्दर्भ में एक एफआईआर सं. 372162 / 2023 दर्ज की गयी है। यदि किसी को मिलता है तो उपरोक्त पते पर संपर्क करे।

छत्तीसगढ़ में शराब बिक्री में महा भ्रष्टाचार

ईडी ने कहा-हर बोतल से पैसे बनाए गए

भाषा। रायपुर

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार को आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ में बेची गई शराब की हर बोतल पर अवैध रूप से धन एकत्रित किया गया और रायपुर महापौर एजाज ढेबर के बड़े भाई अनवर ढेबर की अगुवाई वाले शराब सिंडिकेट द्वारा दो हजार करोड़ रुपए के अभूतपूर्व भ्रष्टाचार और धनशोधन के सबूत एकत्रित किए गए हैं।

एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अनवर ढेबर को संघीय एजेंसी ने धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत शनिवार तड़के रायपुर के एक होटल से तब गिरफ्तार किया, जब वह पिछले दरवाजे से भागने की कोशिश कर रहे थे। विशेष पीएमएलए अदालत ने बाद में उन्हें चार दिन के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया जबकि उनके वकील ने आरोप लगाया कि उनके मुवक्किल के खिलाफ कार्वाई राजनीति से प्रेरित प्रतीत होती है और वे इसके खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख करेंगे। एजेंसी ने कहा कि अनवर ढेबर सात बार तलब किए जाने के बावजूद मामले की जांच में शामिल नहीं हुए और आरोप लगाया कि वह लगातार बेनामी सिम कार्ड और इंटरनेट डोंगल का उपयोग कर रहे थे, और अपना ठिकाना बदल रहे थे। एजाज ढेबर छत्तीसगढ़ में सत्तारूढ़ कांग्रेस के एक प्रभावशाली नेता माने जाने जाते हैं। ईडी ने आरोप लगाया है, जांच में पाया गया कि अनवर ढेबर के नेतृत्व में एक संगठित आपराधिक सिंडिकेट छत्तीसगढ़ में काम कर रहा था। अनवर ढेबर एक आम नागरिक हैं लेकिन वह उच्च-स्तरीय राजनीतिक प्राधिकारियों और वरिष्ठ नौकरशाहों की ओर से पैसे लेते थे। ईडी ने आरोप लगाया, उन्होंने एक व्यापक साजिश रची और घोटाले को अंजाम देने के लिए व्यक्तियोंइकाइयों का एक व्यापक नेटवर्क तैयार किया ताकि छत्तीसगढ़ में बेची जाने वाली शराब की प्रत्एक बोतल से अवैध रूप से धन एकत्रित किया जा सके। इसने कहा कि मार्च में रायपुर

में अनवर ढेबर के आवासीय परिसरों सहित छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और दिल्ली में 35 स्थानों पर छापे मारे गए थे और इस दौरान "2019-2022 के बीच दो हजार करोड़ रुपए के अभूतपूर्व भ्रष्टाचार और धनशोधन के सबूत मिले। ईडी ने आरोप लगाया कि अनवर ढेबर इस पूरे अवैध धन संग्रह के लिए जिम्मेदार थे, लेकिन वह इस घोटाले के अंतिम लाभार्थी नहीं हैं। उसने दावा किया, यह बात सामने आई कि एकत्रित राशि का कुछ हिस्सा अपने पास रखकर शेष राशि अपने राजनीतिक आकाओं को दे दिया करते थे। एजेंसी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में राज्य शराब व्यापार के "सभी पहलुओं" पर सरकार का नियंत्रण है यानी शराब खरीद से लेकर खुदरा बिक्री तक सरकार के हाथ में है और किसी भी निजी दुकान की अनुमति नहीं है। वहीं अनवर ढेबर की हिरासत के लिए शनिवार को रायपुर की विशेष पीएमएलए अदालत में दायर किए गए अपनी अर्जी में ईडी ने दावा किया कि एक सिंडिकेट द्वारा छत्तीसगढ़ में शराब घोटाला किया गया, जिसमें राज्य के उच्च स्तरीय सरकारी अधिकारी, निजी व्यक्ति और राजनीतिक हस्तियां भी शामिल हैं। ईडी ने आरोप लगाया है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी अनिल टुटेजा शराब कारोबारी अनवर ढेबर के साथ छत्तीसगढ़ में अवैध शराब सिंडिकेट के सरगना हैं और भ्रष्टाचार से अर्जित रकम का इस्तेमाल चुनाव प्रचार में भी किया गया। एजेंसी ने यह भी दावा किया कि उसकी जांच में यह भी सामने आया है कि 2019 से 2022 के बीच राज्य में बिकी कुल शराब में से 30 से 40 फीसदी शराब अवैध थी और इस कृत्य से 1200-1500 करोड़ रुपए का अवैध लाभ उत्पन्न हुआ।

प्रवर्तन निदेशालय ने आयकर विभाग की ओर से टुटेजा और अन्य के खिलाफ दिल्ली की एक अदालत में दायर आरोपपत्र के आधार पर धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएएल) के तहत मामले की जांच के लिए पिछले साल एक मामला दर्ज किया था। ईडी ने दावा किया कि छत्तीसगढ़ में एक आपराधिक सिंडिकेट का संचालन किया जा रहा है, जो राज्य के आबकारी विभाग समेत अहम महकमों और सरकारी कंपनियों के उच्च स्तरीय प्रबंधन को नियंत्रित करके रिश्वत ले रहा था।

दो माओवादी मुठभेड़ में ढेर

हैदराबाद। छत्तीसगढ़ की सीमा से सटे तेलंगाना के भद्राद्री-कोठागुडेम जिले के वन क्षेत्र में रविवार को पुलिस ने मुठभेड़ में दो माओवादियों को मार गिराया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, ऐसी पुख्ता सूचना मिली थी कि पुलिस पर हमला करने के इरादे से प्रतिबंधित संगठन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की एक टीम पुट्टपडु वन की ओर जा रही है, जिसके आधार पर विशेष पुलिस दल ने इलाके की घेराबंदी की, तभी माओवादियों ने पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि पुलिसकर्मियों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसके बाद पुलिस ने इलाके में तलाश अभियान चलाया और इस दौरान घटनास्थल से दो माओवादियों के शव बरामद हुए। पुलिस ने बताया कि मारे गए माओवादियों में से एक की पहचान चेरला एलओएस (लोकल ऑर्गेनाइजेशन स्क्वायड) के कमांडर राजेश के तौर पर हुई है।

भाजपा ने यौन शोषण के आरोपों पर पंजाब के मंत्री का इस्तीफा मांगा

नई दिल्ली। भाजपा ने रविवार को पंजाब के मंत्री लालचंद कटारुचक के तत्काल इस्तीफे और उन पर लगे यौन शोषण के आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग की। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने द्वारा भेजे गए पत्र के बाद शुक्रवार को पंजाब सरकार को नोटिस जारी किया, जिसमें कटारुचक पर लगे आरोपों पर रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा गया है। पीड़ित ने मंत्री पर उसे और उसके परिवार को धमकी देने का भी आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह यौन शोषण, यौन दुराचारी व्यवहार, अय्याशी और सबसे बढ़कर नैतिक अधमता तथा निम्नतम स्तर तक नैतिक पतन की एक भयानक कहानी है।

मंत्री पर पीड़ित द्वारा लगाए गए आरोपों का हवाला देते हुए पूनावाला ने कहा कि कटारुचक ने एक दलित लड़के का शोषण किया है। उन्होंने कहा, हम मंत्री के तत्काल इस्तीफे और निष्पक्ष जांच की मांग करते हैं, जिसमें राज्य सरकार की कोई भूमिका न हो। पूनावाला ने कहा कि कटारुचक पंजाब सरकार में एक प्रभावशाली मंत्री हैं और उनके मुख्यमंत्री भगवंत मान तथा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ बहुत करीबी संबंध हैं। उन्होंने कहा, जब तक कटारुचक पंजाब सरकार में मंत्री हैं, तब तक उनके खिलाफ लगे आरोपों की निष्पक्ष जांच नहीं हो सकती। पूनावाला ने दावा किया कि पीड़ित के जीवन को खतरा है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने पीड़ित के पत्र का हवाला देते हुए शुक्रवार को कहा था कि कटारुचक ने पीड़ित से कथित तौर पर 2013-14 में फेसबुक पर दोस्ती का अनुरोध भेजकर संपर्क किया था और जब उसने इसे स्वीकार कर लिया तो कटारुचक ने उसके करीब आना शुरू कर दिया। पीड़ित ने दावा किया, चूंकि वह (कटारुचक) एक प्रभावशाली व्यक्ति थे, उन्होंने मुझे सरकारी नौकरी देने का वादा किया था जिसके कारण मैं चुप रहा। उस समय कुछ भी समझ पाने के लिए मेरी उम्र बहुत कम थी। लेकिन, उनकी यौन ज्यादती 2021 तक जारी रही। हालांकि, वह मुझसे आखिरी बार 2021 में दीपावली पर मिले थे तथा उन्होंने ना तो मुझे नौकरी दी और ना ही वह उसके बाद मुझसे मिले। उसने आरोप लगाया, मैं अब भागता फिर रहा हूं और दिल्ली में शिकायत दर्ज करा रहा हूं क्योंकि मंत्री मुझे और मेरे परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दे रहे हैं। हाल में कांग्रेस नेता सुखपाल सिंह खैरा ने इस मामले पर एक वीडियो पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित को सौंपा था। सूत्रों ने शनिवार को जानकारी दी कि राज्यपाल ने कटारुचक के आपत्तिजनक वीडियो की फॉरेंसिक रिपोर्ट मुख्यमंत्री मान को भेज दी है।

एनजीटी ने उप्र आवास विकास परिषद और तीन कंपनियों पर 50 करोड़ जुर्माना लगाया

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने उत्तर प्रदेश (उप्र) के गाजियाबाद जिले में पर्यावरण से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने को लेकर उप्र आवास एवं विकास परिषद (यूपीएवीपी) और रियल एस्टेट क्षेत्र की तीन निजी कंपनियों पर कुल 50 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। अधिकरण का यह फैसला एक याचिका पर सुनवाई के दौरान आया, जिसमें आरोप लगाया गया है कि चार परियोजनाओं के विकासकर्ता पर्यावरण से जुड़े नियमों का उलंघन कर रहे हैं। याचिका के अनुसार, उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद, प्रतीक रियल्टर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एपेक्स हाइट्स प्राइवेट लिमिटेड और गौर एंड संस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड गाजियाबाद में निर्माण परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं, जिनमें यह उल्लंघन हुआ। याचिका में कहा गया है कि पर्यावरण से जुड़े नियमों के प्रमुख उल्लंघनों में वृक्षारोपण और मल-जल शोधन संयंत्रों की अपर्याप्तता शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य को लगातार नुकसान हो रहा है। अधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति एके गोयल की पीठ ने दलीलों और संयुक्त समिति की रिपोर्ट पर विचार किया। अधिकरण ने पूर्व में समिति का गठन किया था, जिसमें राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और गाजियाबाद जिला मजिस्ट्रेट को शामिल किया गया था। पीठ ने कहा, हमने पाया कि प्रदूषकों द्वारा क्षतिपूर्ति किए जाने के सिद्धांत के आधार पर जवाबदेही तय करने की जरूरत है। इसके अलावा मुआवजे की राशि का उपयोग पर्यावरण को दुरुस्त करने में उपयुक्त रूप से किया जाए।

पीठ में न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल भी शामिल थे। पीठ ने कहा, यूपीएवीपी ने।,844 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) आवास का निर्माण करके इनकी बिक्री की है।।,376 आवास कांशीराम योजना के तहत हैं तथा।,292 आवास गंगा, यमुना और हिंडन अपार्टमेंट योजना में हैं। उक्त योजनाओं में से किसी में जल-मल शोधन संयंत्र (एसटीपी) नहीं हैं। पीठ ने हरित पेटी की अपर्याप्तता, जल-मल शोधन संयंत्र का अभाव और धूल प्रदूषण को नहीं रोकने को लेकर यूपीएवीपी पर 20 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया। वहीं, अधिकरण ने प्रतीक रियल्टर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एपेक्स हाइट्स प्राइवेट लिमिटेड और गौर एंड संस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड पर 10-10 करोड़ रुपए का (प्रत्एक पर) जुर्माना लगाया।

क्विक न्यूज

अगले लोकसभा चुनाव में मजबूत क्षेत्रीय दलों का करें समर्थनः अब्दुल्ला ने विपक्ष से कहा

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री फारूक अब्दुल्ला ने 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से मुकाबले के लिए एक के खिलाफ एक (संयुक्त उम्मीदवार) को उतारने की रणनीति का विचार देते हुए रविवार को कहा कि मुख्य विपक्षी दलों को मजबूत क्षेत्रीय दलों का समर्थन करना चाहिए। पचासी वर्षीय अब्दुल्ला ने कहा, मैं विपक्ष की एकता को लेकर आश्वस्त नहीं हूं, लेकिन जहां तक लोकसभा चुनाव का सवाल है, मुझे लगता है कि राज्य अब मायने रखते हैं और सभी विपक्षी दलों को यह समझना चाहिए। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि यदि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी मजबूत हैं, तो तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता के लिए बाधा उत्पन्न करने के बजाय हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह अच्छा प्रदर्शन करें। इसी तरह, बिहार में नीतीश (कुमार की जदयू) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद), यदि वे अच्छा कर रहे हैं, तो उनके लिए अड़ंगा नहीं खड़ा करें। इसी तरह से उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव अच्छा कर रहे हैं, तो हम ऐसी स्थिति उत्पन्न न करें। अब्दुल्ला ने पीटीआई-भाषा से कहा, और मुझे लगता है कि सबसे महत्वपूर्ण चीजों में से एक यह है कि यदि आप वास्तव में उन्हें (भाजपा) हराना चाहते हैं, तो एक के मुकाबले एक (संयुक्त उम्मीदवार) होना चाहिए। जहां कांग्रेस का कोई उम्मीदवार जीत सकता है, वहां दूसरे को खड़ा नहीं करें। जहां दूसरी पार्टी जीत सकती है, तो वहां उस पार्टी को अपना उम्मीदवार खड़ा करने का मौका दें। यह वास्तव में उन्हें उनके खेल में मात देने का एक तरीका है। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने इस दृष्टिकोण का सुझाव विपक्षी नेताओं को दिया है, नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें सोचना चाहिए कि उन्हें क्या करना चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि वे इस पर विचार करेंगे। पूर्ववर्ती राज्य जम्मू कश्मीर के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके और श्रीनगर से मौजूदा लोकसभा सदस्य अब्दुल्ला ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों के कथित दुरुपयोग के बारे में भी बात की।

गोवा में दो नगर निकायों के चुनाव में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने भारी जीत हासिल की

पणजी। गोवा में दो नगर निकायों के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समर्थित उम्मीदवारों ने बहुसंख्यक सीटों पर जीत हासिल की। इन चुनाव के परिणाम रविवार को राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित किए गए। पोंडा और संकेलिम नगरपालिका परिषदों के लिए शुक्रवार को हुए चुनाव पार्टी आधार पर नहीं लड़े गए, लेकिन भाजपा समर्थित पैनल ने दोनों नगरपालिका परिषदों में चुनाव लड़ने वाले कुछ उम्मीदवारों को समर्थन दिया था। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत द्वारा समर्थित पैनल ने संकेलिम नगरपालिका परिषद की 12 में से 11 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि कांग्रेस से संबद्ध एक उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुआ। भाजपा के वरिष्ठ नेता सावंत उत्तरी गोवा जिले के संकेलिम से विधायक हैं। पोंडा नगरपालिका परिषद में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने 15 में से 11 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि चार अन्य उम्मीदवारों ने शेष सीटों पर जीत हासिल की। भाजपा की गोवा इकाई के अध्यक्ष सदानंद शेत तनावडे ने कहा कि यह जीत पार्टी कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों के कारण मिली है, जो उम्मीदवारों के साथ खड़े रहे। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की विकास नीतियों के कारण मतदाता बार-बार उसका समर्थन कर रहे हैं।

गुरु नानक देव से जुड़ी नदी में जल्द बहेगा साफ पानी

कपूरथला। पंजाब में 165 किलोमीटर लंबी पवित्र काली बेईं नदी को साफ करने का मिशन करीब 23 साल पहले नामुमकिन लग रहा था लेकिन यह अब जल्द ही हकीकत बनने जा रहा है। पर्यावरणविद और सांसद बलबीर सिंह सीचेवाल ने कहा कि सिख धर्म के संस्थापक गुरुनाक देव के जीवन से जुड़ी नदी को साफ करने का 90 फीसदी काम पूरा चुका है और नवंबर तक इसमें साफ जल का प्रवाह होगा। साल 2000 में सीचेवाल की ओर से शुरू किए गए नदी पुनरुद्धार मिशन से पहले यह नदी एक नाले में तब्दील हो चुकी थी और शहरों तथा गांवों का अपशिष्ट पानी इसमें छोड़ा जा रहा था। सिखों का मानना है कि गुरु नानक देव काली बेईं के तट पर सुल्तानपुर लोधी में 14 साल तक रहे

और इस नदी में स्नान करने के बाद उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ। यह 165 किलोमीटर लंबी नदी होशियारपुर जिले में धनोआ गांव से निकलती है और कपूरथला के सुल्तानपुर लोधी में फत्तेवाल गांव के पास ब्यास नदी में मिलती है। राज्य में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) से राज्यसभा सदस्य सीचेवाल ने कहा कि नदी के पुनरुद्धार का काम करीब-करीब पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि आठ गांवों- होशियारपुर जिले के परोज, प्रेमपुर, तलवंडी, दादियां और हमीरपुर तथा कूपरथला के चनचाक, डोगरावाल, नानकपुर और सैदो भुलाना से सीवर के पानी को नदी में जाने से रोकने पर काम किया जा रहा है। दसूया, टांडा, भोलाथ, बेगोवाल, सुल्तानपुर लोधी और कपूरथला में पवित्र नदी में गंदे पानी के प्रवाह को रोकने के लिए छह जलमल शोधन संयंत्र (एसटीपी) लगाए गए हैं। सैदो भुलाना में एसटीपी लगाने का कार्य प्रगति पर है। सीचेवाल ने लोगों के सहयोग से नदी की सफाई का अभियान शुरू किया था। उनके प्रयासों को व्यापक रूप से मान्यता मिली और दिवंगत राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने उनकी सराहना की थी तथा 2006 में उनके काम को देखने के लिए यहां उनके गांव का दौरा किया था।

भारत का ओपेक से कच्चे तेल का आयात अप्रैल में घटकर 46% के सर्वकालिक निचले स्तर पर

नई दिल्ली। भारत के कच्चे तेल के आयात में पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) की हिस्सेदारी अप्रैल में घटकर अपने सर्वकालिक निचले स्तर 46 प्रतिशत पर आ गई है। उद्योग के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। रूस से भारत की कच्चे तेल की खरीद बढ़ने के साथ ओपेक का हिस्सा घटता जा रहा है। ओपेक... मुख्य रूप से पश्चिम एशिया और अफ्रीका का भारत के कच्चे तेल के आयात में अप्रैल, 2022 में 72 प्रतिशत हिस्सा था। ऊर्जा खेप की निगरानी करने वाली वॉर्टेक्सा के अनुसार, अप्रैल, 2023 में ओपेक का हिस्सा भारत के आयात में घटकर 46 प्रतिशत पर आ गया है। कभी ओपेक का भारत के कच्चे तेल के आयात में 90 प्रतिशत तक हिस्सा होता था। लेकिन पिछले साल रूस के यूक्रेन पर हमने के बाद रूसी कच्चा तेल रियायती दाम पर उपलब्ध हुआ है। ऐसे में रूस की भारत के कच्चे तेल के आयात में हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। कच्चे तेल को रिफाइनरियों में पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों में बदला जाता है। भारत के कुल तेल आयात में लगातार सातवें महीने रूस की हिस्सेदारी एक-तिहाई यानी 33 प्रतिशत से अधिक रही है। रूस से आयात अब इराक और सऊदी अरब से सामूहिक खरीद से अधिक हो चुका है। पिछले दशक में ए देश भारत के सबसे बड़े तेल आपूर्तिकर्ता थे। फरवरी, 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने से पहले भारत के आयात में रूस का हिस्सा एक प्रतिशत से भी कम था। इस साल अप्रैल में भारत के आयात में रूस का हिस्सा बढ़कर 36 प्रतिशत या 16.7 लाख बैरल प्रतिदिन हो गया है।

संत ने की लिंगायतों के लिए आरक्षण बढ़ाने, अल्पसंख्यक का दर्जा दिए जाने की वकालत

बेलगावी (भाषा)। कुदालसंगम पंचमसाली पीठ के संत बसवजया मृत्युंजय स्वामी ने कहा कि वह लिंगायत समुदाय के लिए आरक्षण में वृद्धि किए जाने पर जोर देंगे, भले ही 10 मई को होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव के बाद कोई भी राजनीतिक दल सत्ता में आए। उन्होंने कहा कि सिद्धरमैया के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार (2013 से 2018) ने केंद्र से जैन और बौद्ध धर्म की तर्ज पर लिंगायत समुदाय को अल्पसंख्यक का दर्जा देने की सिफारिश की थी, लेकिन केंद्र सरकार ने प्रस्ताव को न तो स्वीकार किया और न ही खारिज किया। संत ने कहा, मुझे उम्मीद है कि लिंगायतों को अलग अल्पसंख्यक दर्जा दिया जाएगा। उन्होंने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में 3बी से 2ए में शक्तिशाली लिंगायत समुदाय के सबसे बड़े उप-संप्रदाय पंचमशालियों के वर्गीकरण की मांग को लेकर 32 महीने तक चले आंदोलन का नेतृत्व किया था। चूंकि 2ए के तहत यह वर्गीकरण करना संभव नहीं था, इसलिए बोम्मई सरकार ने एक नई 2डी श्रेणी बनाई और दो प्रतिशत अधिक आरक्षण प्रदान किया, जिससे लिंगायतों के लिए कुल आरक्षण सात प्रतिशत हो गया। राज्य में आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक स्थिति के आधार पर ओबीसी की चार श्रेणियां-2ए, 2बी, 3ए और 3बी हैं। इन समुदायों को श्रेणियों के आधार पर नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण मिलता है। 2ए में सर्वाधिक पिछड़ों के लिए आरक्षण का प्रावधान है, जबकि 2बी मध्यम, और उनसे थोड़ा ऊपर 3ए तथा 3बी हैं। कर्नाटक में लिंगायतों की आबादी करीब 17 फीसदी है। एक साक्षात्कार में मृत्युंजय स्वामी ने कहा, "वर्तमान स्थिति में, हमें कुछ न्याय मिला है। हम सरकार के फैसले से संतुष्ट हैं। यह हमारे विरोध की पहली जीत है" उन्होंने कहा कि 2ए पर उच्च न्यायालय से स्थगन था, जो इस शर्त पर हटाया गया था कि इसमें और समुदायों को शामिल नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसलिए, सरकार को लिंगायतों के लिए दो प्रतिशत अतिरिक्त आरक्षण प्रदान करने के वास्ते एक नई श्रेणी 2डी बनानी पड़ी।

1988 से अब तक 42 सदस्यों ने संसद की सदस्यता गंवाई

14वीं लोकसभा में सर्वाधिक अयोग्य ठहराए गए

नई दिल्ली। हाल में लोकसभा की सदस्यता से राहुल गांधी को अयोग्य करार दिए जाने के बाद एक अधिनियम के प्रावधान सुर्खियों में आ गए हैं, जिसके तहत 1988 से अब तक 42 सांसद सदस्यता गंवा चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा सदस्य 14वीं लोकसभा में अयोग्य करार दिए गए। प्रश्न पूछने के बदले धन लेने के मामले और क्रॉस वोटिंग के संबंध में 19 सांसदों को अयोग्य करार दिया गया। सांसदों को राजनीतिक पाला बदलने, सांसद के तौर पर अशोभनीय आचरण करने तथा दो साल या उससे अधिक की जेल की सजा वाले अपराधों के लिए अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने समेत विभिन्न आधारों पर अयोग्य करार दिया गया है। हालिया समय में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता मोहम्मद फैजल पी पी, और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के नेता अफजाल अंसारी को अदालतों द्वारा उनकी दोषसिद्धि के बाद दो साल या उससे अधिक की जेल की सजा के कारण अयोग्य करार दिया गया। इन्हें जन प्रतिनिधित्व कानून के प्रावधानों के तहत अयोग्य ठहराया गया। जन प्रतिनिधित्व कानून किसी आपराधिक मामले में दोषी ठहराए जाने और दो साल या उससे अधिक की सजा सुनाए जाने पर सांसदों और विधायकों की स्वत: अयोग्यता से संबंधित है। लोकसभा में लक्षद्वीप का प्रतिनिधित्व करने वाले फैजल को हत्या के प्रयास के मामले में उनकी दोषसिद्धि और सजा के बाद सदस्यता से अयोग्य करार दिया गया था। हालांकि, केरल उच्च न्यायालय द्वारा दोषसिद्धि और सजा रद्द किए जाने के बाद सदस्यता बहाल कर दी गई। गांधी ने मोदी उपनाम टिप्पणी को लेकर आपराधिक मानहानि के मामले में राहत पाने के लिए गुजरात उच्च न्यायालय का रुख किया है। सूरत की एक अदालत ने राहुल गांधी को दो साल की जेल की सजा सुनाई थी।

वर्ष 1985 में दल-बदल विरोधी कानून लागू होने के बाद लोकसभा की सदस्यता से सबसे पहले कांग्रेस के लालदुहोमा को अयोग्य करार दिया गया था, जिन्होंने मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए मिजो नेशनल यूनियन के उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। इस पार्टी का गठन लालदुहोमा ने ही किया था।

नौवीं लोकसभा के समय जब जनता दल के तत्कालीन नेता वी पी सिंह ने गठबंधन सरकार बनाई थी, लोकसभा के नौ सदस्यों को दल-बदल विरोधी कानून के उल्लंघन का दोषी माना गया, जिसके कारण उन्हें अयोग्य करार दिया गया। हालांकि, 14वीं लोक सभा में सदन से सबसे ज्यादा सदस्यों ने अपनी सदस्यता गंवाई। इस दौरान 10 सदस्यों को संसद में प्रश्न पूछने के लिए रिश्वत स्वीकार कर अशोभनीय आचरण के लिए और नौ को संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग)-। सरकार के विश्वास मत के दौरान क्रॉस-वोटिंग के लिए अयोग्य घोषित किया गया था। जुलाई 2008 में वाम मोर्चे ने अमेरिका के साथ असैन्य परमाणु समझौते पर समर्थन वापस ले लिया था, जिसके कारण सरकार को विश्वासमत का सामना करना पड़ा था। वर्ष 2005 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के छह सदस्यों, बसपा के दो और कांग्रेस तथा राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के एक-एक सदस्य को प्रश्न पूछने के लिए धन लेने के मामले में लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था। बसपा के एक राज्यसभा सदस्य को भी सदन से निष्कासित कर दिया गया था।लोकसभा के पूर्व अतिरिक्त सचिव देवेंद्र सिंह असवाल ने पीटीआई-भाषा को बताया, निष्कासन के फैसले को उच्चतम न्यायालय ने बरकरार रखा था। इनमें से किसी भी मामले को निष्कासन की मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास नहीं भेजा गया, क्योंकि विधायिका स्वयं ऐसा करने के लिए सक्षम है। दसवीं लोकसभा में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री पी वी नरसिंह राव ने गठबंधन सरकार का नेतृत्व किया था, चार सदस्यों को दल-बदल विरोधी कानून के तहत सदन की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। दल-बदल विरोधी कानून के तहत राज्यसभा में भी सदस्यों ने अपनी सदस्यता गंवाई। इनमें मुफ्ती मोहम्मद सईद (1989), सत्यपाल मलिक (1989), शरद यादव (2017) और अली अनवर (2017) शामिल हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता शिबू सोरेन और समाजवादी पार्टी (सपा) की सदस्य जया बच्चन को क्रमश: 2001 और 2006 में लाभ का पद संभालने के लिए राज्यसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। सोरेन जहां झारखंड क्षेत्र स्वायत्त परिषद के अध्यक्ष थे, वहीं जया बच्चन उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद की अध्यक्ष थीं। राष्ट्रीय सलाहकार परिषद (एनएसी) की अध्यक्ष के लाभ का पद धारण करने के लिए तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ अयोग्यता संबंधी याचिका निष्फल हो गई थी, क्योंकि उन्होंने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। बार काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य असवाल ने कहा कि संभावित राजनीतिक उथल-पुथल से बचने के लिए, संसद (निरर्हता निवारण) अधिनियम, 1959 को 2006 में 4 अप्रैल, 1959 से पूर्व प्रभाव के साथ संशोधित किया गया था और इसी तरह की याचिकाएं निष्फल हो गईं। लिली थॉमस मामले में शीर्ष अदालत के निर्णय ने कानूनी स्थिति को स्पष्ट किया कि कोई भी दोषसिद्धि जिसमें दो साल या उससे अधिक की सजा हो, निर्वाचित प्रतिनिधि स्वत: ही सदस्यता से अयोग्य हो जाएगा। असवाल ने कहा, लोकसभा सचिवालय को केवल एक अधिसूचना जारी करके रिक्ति को अधिसूचित करना होता है ताकि निर्वाचन आयोग उपचुनाव की प्रक्रिया शुरू कर सके। फैसले के परिणामस्वरूप, कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य, रशीद मसूद को भ्रष्टाचार के एक मामले में दोषी ठहराए जाने के कारण उच्च सदन की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। चारा घोटाले में दोषी ठहराए जाने के बाद राजद प्रमुख लालू प्रसाद और जनता दल (यूनाइटेड) सदस्य जगदीश शर्मा को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

गिल और साहा के तूफानी अर्धशतक से टाइटंस ने सुपर जाइंट्स को हराया

भाषा। अहमदाबाद

सलामी बल्लेबाजों शुभमन गिल और रिद्धिमान साहा के तूफानी अर्धशतक और दोनों के बीच शतकीय साझेदारी के बाद मोहित शर्मा के चार विकेट से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग के एकतरफा मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपर जाइंट्स को 56 रन से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

टीम के 11 मैच में आठ जीत से 16 अंक हो गए है जिससे उसका प्ले ऑफ में जगह बनाने का दावा काफी मजबूत हो गया है। लखनऊ की टीम 11 मैच में 11 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। टाइटंस के 228 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए सुपर जाइंट्स की टीम क्विंटन डिकॉक (70) के अर्धशतक और काइल मायर्स (48) के साथ उनकी पहले विकेट की 88 रन की साझेदारी के बावजूद सात विकेट पर 171 रन ही बना सकी। डिकॉक और मायर्स के अलावा आयुष बडोनी (21) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए।

मोहित ने टाइटंस की ओर से 29 रन देकर चार विकेट चटकाए। मोहम्मद शमी, राशिद खान और नूर अहमद ने एक-एक विकेट चटकाया।

टाइटंस ने इससे पहले गिल (51 गेंद में नाबाद 94, दो चौके, सात छक्के) और साहा के बीच (43 गेंद में 81 रन, 10 चौके, चार छक्के) के बीच पहले विकेट की 12.1 ओवर में 142 रन की साझेदारी से दो विकेट पर 227 रन बनाए थे जो टीम का आईपीएल का सर्वाधिक स्कोर है।

साथ ही यह टीम की ओर से किसी भी विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी भी है। कप्तान हार्दिक पंड्या (25) और डेविड मिलर (नाबाद 21) ने भी उपयोगी योगदान दिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे सुपर जाइंट्स को भी मायर्स और डिकॉक की जोड़ी ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 72 रन बनाए। मायर्स ने हार्दिक के पारी के दूसरे ओवर में लगातार तीन चौके मारे। अगले ओवर में डिकॉक ने शमी की लगातार गेंदों पर दो चौके जबकि मायर्स ने छक्का और चौका मारकर 19 रन जुटाए। मायर्स हालांकि हार्दिक के अगले ओवर में भाग्यशाली रहे जब राशिद ने उनका आसान कैच टपका दिया। राशिद ने हालांकि इसकी भरपाई मोहित की गेंद पर मायर्स का शानदार कैच लपककर की। उन्होंने 32 गेंद की अपनी पारी में सात चौके और दो छक्के मारे। डिकॉक ने हार्दिक पर छक्के के साथ 10वें ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया।

डिकॉक ने शमी पर एक रन के साथ 31 गेंद में अर्धशतक पूरा किया लेकिन दीपक हुड्डा (11) ने इस तेज गेंदबाज की गेंद पर राहुल तेवतिया को आसान कैच थमा दिया।

लखनऊ की टीम 11वें से 14वें ओवर तक चार ओवर में 19 रन ही बना सकी जिससे बल्लेबाजों पर दबाव बढ़ा। डिकॉक ने मोहित पर छक्के के साथ 26 गेंद के बाउंड्री के सूखे को खत्म किया लेकिन इसी ओवर में मार्कस स्टोइनिस (04) ने शमी को शॉर्ट थर्डमैन पर कैच थमा दिया।

लखनऊ की टीम को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 98 रन की जरूरत थी। डिकॉक ने राशिद पर छक्का जड़ा लेकिन इस लेग स्पिनर की गेंद पर बोल्ड हो गए। उन्होंने 41 गेंद का सामना करते हुए सात चौके और तीन छक्के मारे। नूर अहमद ने इसके बाद निकोलस पूरन (03) को पवेलियन भेजा जिससे लखनऊ की जीत हासिल करने की रही सही उम्मीद भी टूट गई। लखनऊ को अंतिम दो ओवर में 73 रन की दरकार थी और टीम इस स्कोर के आसपास भी नहीं पहुंच पाई।

सुपर जाइंट्स के कप्तान कृणाल पंड्या ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद साहा और गिल ने टीम को तूफानी शुरुआत दिलाई। इस जोड़ी ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 78 रन जोड़े जो टाइटंस का आईपीएल में रिकॉर्ड है। साहा ने शुरुआत से ही तूफानी तेवर दिखाए।

उन्होंने मोहसिन खान (42 रन पर एक विकेट) के पहले ओवर में लगातार दो चौके जड़ने के बाद आवेश खान की लगातार गेंदों पर भी छक्का और चौका मारा। साहा ने मोहसिन के पारी के चौथे ओवर में दो छक्कों और दो चौकों से 22 रन जुटाए जबकि गिल ने भी कृणाल और यश ठाकुर पर छक्के मारे। साहा ने ठाकुर पर छक्के के साथ सिर्फ 20 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जो आईपीएल में उनका सबसे तेज अर्धशतक है। साहा ने काइल मायर्स का स्वागत तीन चौकों के साथ किया जबकि गिल ने रवि बिश्नोई पर छक्के के साथ नौवें ओवर में टीम के रनों का सैकड़ा पूरा किया। गिल ने कृणाल की गेंद पर एक रन के साथ 29 गेंद में मौजूदा टूर्नामेंट का चौथा अर्धशतक पूरा किया। साहा हालांकि 13वें ओवर में आवेश (34 रन पर एक विकेट) पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में बाउंड्री पर स्थानापन्न खिलाड़ी प्रेरक मांकड़ को कैच दे बैठे। गिल और हार्दिक ने मार्कस स्टोइनिस पर छक्के के साथ 15 ओवर में गुजरात का स्कोर एक विकेट पर 176 रन तक पहुंचाया।

मोहसिन ने कवर्स में हार्दिक को कृणाल के हाथों कैच करके गुजरात को दूसरा झटका दिया। मिलर ने यश ठाकुर पर चौके के साथ 18वें ओवर में टीम के रनों का दोहरा शतक पूरा किया। मिलर ने 19वें ओवर में आवेश जबकि गिल ने अंतिम ओवर में ठाकुर पर छक्का मारा।

स्कोर बोर्ड

गुजरात टाइटंस: रिद्धिमान साहा का स्थानापन्न बो आवेश 81, शुभमन गिल नबाद 94, हार्दिक पंड्या का कृणाल बो मोहसिन 25, डेविड मिलर नाबाद 21, **अतिरिक्त:** 06 **कुल: 20 ओवर में दो विकेट पर:** 227 रन, **विकेट पतन:** 1-142, 2-184 **गेंदबाजी:** मोहसिन 3-0-42-0, आवेश 4-0-34-1, कृणाल 4-0-38-0, ठाकुर 4-0-48-0, बिश्नोई 2-0-21-0, मायर्स 1-0-16-0, स्वप्निल 1-0-7-0, स्टोइनिस 1-0-20-0

लखनऊ सुपर जाइंट्स: काइल मायर्स का राशिद बो मोहित 48, क्विंटन डिकॉक बो राशिद 70, दीपक हुड्डा का तेवतिया बो शमी 11, मार्कस स्टोइनिस का शमी बो मोहित 04, निकोलस पूरन का शमी बो नूर 03, आयुष बडोनी का नूर बो मोहित 21, स्वप्निल सिंह नाबाद 02, कृणाल पंड्या का मिलर बो मोहित 00, रवि बिश्नोई नाबाद 04, **अतिरिक्त:** 08 **कुल :** 20 ओवर मे सात विकेट पर: 171 रन **विकेट पतन:** 1-88, 2-114, 3-130, 4-140, 5-153, 6-166, 7-166 **गेंदबाजी:** शमी 4-0-37-1, हार्दिक 3-0-37-0, राशिद 4-0-34-1, नूर 4-0-26-1, मोहित 4-0-29-4, जोसेफ 1-0-5-0

आखिरी गेंद पर नोबॉल राजस्थान को पड़ा भारी, सनराइजर्स ने हराया

भाषा। जयपुर

राजस्थान रॉयल्स को इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आखिरी गेंद पर संदीप शर्मा का नोबॉल करना भारी पड़, जिससे टीम ने लगभग जीती हुई बाजी चार विकेट से गंवा दी।

सनराइजर्स हैदराबाद को आखिरी ओवर में जीत के लिए 17 और फिर आखिरी गेंद पर पांच रन की जरूरत थी और गेंद संदीप शर्मा के हाथों पर थी। क्रीज पर खड़े अब्दुल समद (सात गेंद में नाबाद 17 रन) का शॉट सीधे जोस बटलर के हाथों में जाते ही राजस्थान ने जश्न मनाना शुरू किया ही था कि नोबॉल का साइरन बज गया। अगली गेंद पर समद ने छक्का लगाकर टीम को यादगार जीत दिला दी। राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए दो विकेट 214 रन बनाए लेकिन सनराइजर्स ने आखिरी गेंद तक चले मुकाबले को छह विकेट पर 217 रन बनाकर 10 मैचों में चौथी जीत दर्ज की।

हैदराबाद को आखिरी दो ओवर में जीत के लिए 41 रन चाहिए थे तब मैन ऑफ द मैच ग्लेन फिलिप्स ने कुलदीप यादव (50 रन पर एक विकेट) के खिलाफ हैट्रिक छक्का और चौका लगाकर मैच का रूख अपनी टीम की ओर मोड़ा। उन्होंने सात गेंद में 25 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 34 गेंद में 55, राहुल त्रिपाठी ने 29 गेंद में 47, अनमोलप्रीत सिंह ने 25 गेंद में 33 और हेनरिच क्लासेन ने 12 गेंद में 26 रन का अहम योगदान दिया।

युजवेंद्र चहल राजस्थान के सबसे सफल गेंदबाज रहे उन्होंने चार ओवर में 29 रन देकर चार विकेट लिए। वह इसके साथ ही आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले की सूची में डेवन ब्रावो के साथ शीर्ष पर आए। दोनों के नाम इस लीग में 183 विकेट है।

राजस्थान ने जोस बटलर की (59 गेंद में 95 रन) आक्रामक पारी के दम पर बड़ा स्कोर खड़ा किया। बटलर ने अपनी पारी में 10 चौके और चार छक्के लगाने के साथ यशस्वी जायसवाल (18 गेंद में 35 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 30 गेंद में 54 और फिर कप्तान संजू सैमसन (38 गेंद में नाबाद 66 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 81 गेंद में 138 रन की साझेदारी की।

सैमसन ने हैदराबाद के खिलाफ लगातार चौथी अर्धशतकीय पारी के दौरान चार चौके और पांच छक्के लगाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए अभिषेक शर्मा और अनमोलप्रीत सिंह ने 35 गेंद में 51 रन की साझेदारी कर सनराइजर्स हैदराबाद को तेज शुरुआत दिलाई। अनमोलप्रीत ने दूसरे ओवर में कुलदीप यादव के खिलाफ छक्का लगाने के बाद रविचंद्रन अश्विन और संदीप शर्मा के खिलाफ चौके लगाए। दूसरे छोर से अभिषेक ने भी तीसरे और पांचवें ओवर में संदीप के खिलाफ तीन चौके लगाए। युजवेंद्र चहल ने छठे ओवर में चौका खाने के बाद अनमोलप्रीत को हेटमायर के हाथों कैच कराया। इसके बाद अभिषेक को राहुल त्रिपाठी का अच्छा साथ मिला और दोनों ने 41 गेंद में 65 रन की साझेदारी कर टीम को मैच में बनाए रखा। रविचंद्रन अश्विन (35 रन पर एक विकेट) ने अभिषेक की 34 गेंद में पांच चौके और दो छक्के की पारी को खत्म किया। हेनरिच क्लासेन ने क्रीज पर कदम रखते ही 13वें मुरुगन अश्विन का छक्के से स्वागत किया।

स्कोर बोर्ड

राजस्थान रॉयल्स पारी: यशस्वी जायसवाला नटराजन बो यानसन 35, जोस बटलर पगबाधा भुवनेश्वर 95, संजू सैमसन नाबाद 66 शिमरोन हेटमायर नाबाद 07 **अतिरिक्त:** (बाई: 01, लेग बाई: 05, वाइड:05) 11 **कुल योग:** (20 ओवर मे दो विकेट पर) 214 रन **विकेट पतन:** 1-54, 2-194 **गेंदबाजी:** भुवनेश्वर कुमार 4-0-44-1 मार्को यानसन 4-0-44-1 टी नटराजन 4-0-36-0 मयंक मार्कंडेय 4-0-51-0 अभिषेक शर्मा 2-0-15-0 विवरांत शर्मा 2-0-18-0

सनराइजर्स हैदराबाद पारी: अनमोलप्रीत सिंह का हेटमायर बो चहल 33, अभिषेक शर्मा का चहल बो आर. अश्विन 55, राहुल त्रिपाठी का जायसवाल बो चहल 47, हेनरिच क्लासेन का बटलर बो चहल 26, एडेन मार्कराम पगबाधा चहल 16, ग्लेन फिलिप्स का हेटमायर बो कुलदीप यादव 25, अब्दुल समद नाबाद 17, मार्को यानसन नाबाद 03, **अतिरिक्त:** (नोबॉल: 01, वाइड:04)05, कुल योग: (20 ओवर मे छह विकेट पर) 217 रन **विकेट पतन:** 1-51, 2-116, 3-157, 4-171, 5-174, 6-196, **गेंदबाजी:** संदीप शर्मा, 4-0-48-0 कुलदीप यादव 4-0-50-1 रविचंद्रन अश्विन 4-0-34-1, युजवेंद्र चहल 4-0-29-4, मुरुगन अश्विन 3-0-42-0 ओबेद मैकॉय 1-0-13-0

क्विक न्यूज

जेरेमी ने स्नैच में रजत पदक जीता, क्लीन एवं जर्क में रहे नाकाम

जिन्जू (कोरिया)। भारतीय भारोत्तोलक जेरेमी लालरिनुंगा ने रविवार को यहां एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप मे पुरुषों के 67 किग्रा भार वर्ग के स्नैच मे रजत पदक जीता, लेकिन क्लीन एवं जर्क मे वह तीनो प्रयासो मे नाकाम रहे जिससे कुल योग मे जगह नही बना सके। राष्ट्रमंडल खेल 2022 के बाद अपने पहले टूर्नामेंट मे भाग ले रहे जेरेमी 12 भारोत्तोलकों के बीच अकेले ऐसे खिलाड़ी रहे जो अपनी स्पर्धा पूरी नही कर पाए। उनका यह भार वर्ग हालांकि ओलंपिक का हिस्सा नही है। जेरेमी ने स्नैच मे 141 किग्रा भार उठाकर अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी की और रजत पदक जीता। वह क्लीन एवं जर्क में अपने पहले दो प्रयासो मे 165 किग्रा वजन नही उठा पाए। युवा ओलंपिक के चैंपियन 20 वर्षीय जेरेमी ने तीसरे प्रयास के लिए वजन बढ़ाकर 168 किग्रा कर दिया लेकिन वह इसे उठाने मे भी असफल रहे। यह भार उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से दो किलो अधिक था। स्नैच तथा क्लीन एवं जर्क के कुल छह प्रयासो मे जेरेमी केवल दो बार ही सफल रहे।

श्रीकांत, अश्मिता एशियाई खेलों के लिए बीएआई के चयन ट्रायल में शीर्ष पर

हैदराबाद। किदांबी श्रीकांत और अश्मिता चालिहा रविवार को यहां एशियाई खेलों के लिए भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के चयन ट्रायल मे क्रमशः पुरुष और महिला एकल मे शीर्ष पर रहे। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत और अश्मिता ने चार दिवसीय ट्रायल के दौरान अपने सभी छह मुकाबले जीते। ग्रुप ए में तीन जीत के साथ शीर्ष पर रहने के बाद श्रीकांत ने रविवार को ट्रायल के चरण दो मे सिद्धांत गुप्ता को 21-13 21-16 से हराने के बाद लक्ष्य सेन को 21-15 21-14 से शिकस्त दी। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने शनिवार को राष्ट्रीय चैंपियन मिथुन मंजूनाथ को 22-24 21-13 21-14 से हराया था। श्रीकांत चरण दो में शीर्ष पर रहे जबकि लक्ष्य ने पांच मुकाबले जीतकर एक से चार की रैंकिंग मे दूसरा स्थान हासिल किया। मंजूनाथ एक से चार की रैंकिंग में तीसरे स्थान पर रहे। महिला एकल में चरण दो में अश्मिता और अनुपमा उपाध्याय ने पहले दो स्थान पर कब्जा जमाया जबकि मालविका बंसोड़ तीसरे स्थान पर रही। उन्नति हुड्डा अपने तीनो मुकाबले गंवाकर चौथे पायदान पर रही। प्रारूप के अनुसार नौ पुरुष एकल खिलाड़ियों और आठ महिला एकल खिलाड़ियों ने तीन-तीन स्थानो के लिए ट्रायल में प्रवेश किया था। पुरुष और मिश्रित युगल में चार-चार जबकि महिला युगल में तीन प्रविष्टियां थी।

चित्रावल ने त्रिकूद, साबले और पारुल ने 5000 मीटर में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए

नई दिल्ली। त्रिकूद एथलीट प्रवीण चित्रावल ने क्यूबा मे आयोजित प्रतियोगिता मे 2023 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाइंग मानक हासिल करने के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया तो वही अविनाश साबले और पारुल चौधरी ने अमेरिका मे चल रही ट्रैक स्पर्धा में क्रमशः पुरुषो और महिलाओ की 5000 मीटर दौड़ मे राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए। चित्रावल ने क्यूबा के हवाना मे वी प्रुएबा डे कॉन्फ्रॅन्टासियन 2023 प्रतियोगिता मे 17.37 मीटर की कूद के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। विश्व एथलेटिक्स की एफ श्रेणी की इस स्पर्धा मे उन्होंने 2016 मे रंजीत महेश्वरी के 17.30 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड मे सुधार किया। इक्कीस साल के चित्रावल ने 2023 बुडापेस्ट विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के क्वालीफाइंग मानक 17.20 मीटर को भी पार कर लिया। इससे पहले उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17.18 मीटर था जो उन्होंने पिछले साल चेन्नई मे राष्ट्रीय अंतरराज्ईय एथलेटिक्स चैंपियनशिप मे स्वर्ण पदक जीतने के दौरान हासिल किया था।

रियाल मैड्रिड ने नौ साल बाद कोपा डेल रे का खिताब जीता

सेविले। रोड्रिगो के दो गोल की मदद से रियाल मैड्रिड ने फाइनल मे ओसासुना को 2-1 से हराकर नौ साल बाद कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। रोड्रिगो ने ब्राजील के अपने साथी खिलाड़ी वीनीसीयस जूनियर के पास पर खेल के दूसरे मिनट में ही गोल करके रियाल मैड्रिड को बढ़त दिला दी थी। ओससुना के लुकास टोरो ने 58वे मिनट मे बराबरी का गोल दागा, लेकिन रोड्रिगो ने 70वे मिनट मे रियाल मैड्रिड को आगे कर दिया। उनका यह गोल आखिर में निर्णायक साबित हुआ। रियाल मैड्रिड मे इससे पहले 2014 में कोपा डेल रे का खिताब जीता था। वह अब चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में मंगलवार को मैनचेस्टर सिटी की मेजबानी करेगा।

गलत साबित हुआ हालैंड का फैसला, केन ने वायने रूनी को पीछे छोड़ा

मैनचेस्टर। इस सत्र मे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले एर्लिंग हालैंड का एक फैसला मैनचेस्टर सिटी पर भारी पड़ता नजर आ रहा था लेकिन आखिर मे वह लीड्स पर 2-1 से जीत दर्ज करके इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत करने मे सफल रहा। नार्वे के स्ट्राइकर हालैंड ने इस सत्र मे शायद ही कोई गलती की होगी लेकिन शनिवार को उनका एक फैसला गलत साबित हुआ। मैनचेस्टर सिटी जब 2-0 से आगे चल रहा था तब उसे पेनल्टी मिली लेकिन हालैंड ने पेनल्टी लेने के बजाय उसे लेने का जिम्मा इल्के गुंडोगन को सौंप दिया जो हैट्रिक पर थे। इल्के गुंडोगन का शॉट हालांकि गोलपोस्ट से टकरा गया और इसके एक मिनट बाद लीड्स ने गोल कर दिया। बहरहाल मैनचेस्टर सिटी यह मैच जीतने में सफल रहा जिससे उसके 34 मैचो में 82 अंक हो गए है और वह दूसरे नंबर पर काबिज आर्सेनल से चार अंक आगे हो गया है। इस बीच हैरी केन प्रीमियर लीग मे सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों मे दूसरे नंबर पर पहुंच गए है।

प्लेऑफ की उम्मीदें जीवंत रखने के लिए भिड़ेंगे केकेआर और पंजाब किंग्स

भाषा। कोलकाता

अब जबकि समय तेजी से हाथ से निकलता जा रहा है तब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और पंजाब किंग्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए सोमवार को यहां एक दूसरे का सामना करेंगे। केकेआर को जहां कुछ कड़े फैसले लेने होंगे वही पंजाब को भी खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। शिखर धवन की अगुवाई वाली पंजाब की टीम को पिछले मैच में मुंबई इंडियंस से हार का सामना करना पड़ा था। वह आठवें स्थान पर काबिज केकेआर से दो अंक की बढ़त के साथ एक पायदान ऊपर है लेकिन इन दोनों टीम पर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। नितीश राणा की अगुवाई वाले केकेआर के लिए तो अब बाकी बचे चारों मैच करो या मरो जैसे बन गए हैं। उसके टीम प्रबंधन को अब अपने कैरेबियाई दिग्गजों आंद्रे रसेल और सुनील नारायण से इतर अन्य विकल्पों पर विचार करने की जरूरत है क्योंकि यह दोनों खिलाड़ी इस सत्र में अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

विशेषकर नारायण अभी तक न तो अपनी स्पिन गेंदबाजी का कमाल दिखा पाए हैं और ना ही बल्लेबाजी में कुछ योगदान दे पाए हैं। उन्होंने गौतम गंभीर की अगुवाई में 2012 और 2014 में केकेआर को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी लेकिन अब वह बीती बात है। सवाल उठता है कि क्या केकेआर ऐसे खिलाड़ी को अंतिम एकादश में रख सकता है जिस ने 10 मैचों में 8.76 की इकोनामी रेट से केवल सात विकेट लिए हैं और आठ पारियों में केवल 14 रन बनाए हों। नारायण के नियमित रूप से अंतिम एकादश का हिस्सा होने से केकेआर अपने विदेशी खिलाड़ियों जैसे तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन और ऑल राउंडर डेविड वीज का सही उपयोग नहीं कर पा रहा है।

केकेआर की तरफ से स्पिन विभाग में वरुण चक्रवर्ती अच्छी भूमिका निभा रहा है और ऐसे में टीम प्रबंधन नारायण की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को अंतिम एकादश में रखने पर विचार कर सकता है। जहां तक रसेल की बात है तो उन्हें अंतिम एकादश में रखा जा सकता है लेकिन उन्हें बल्लेबाजी के लिए ऊपरी क्रम में भेजना चाहिए क्योंकि उन्हें अपने तेवर दिखाने के लिए बहुत कम मौके मिल रहे हैं। जमैका के इस बिग हिटर ने अब तक 148 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 166 रन बनाए हैं। रसेल ने बीच के ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की है और उन्होंने अभी तक सात विकेट लिए हैं। केकेआर को अपने बाकी बचे चार में से तीन मैच ईडन गार्डंस पर खेलने हैं और ऐसे में उसे घरेलू परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाना चाहिए। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में जिस तरह से उसने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया था, उसे आगे भी जारी रखने की जरूरत है। पंजाब के पास नाथन एलिस, सैम कुरेन और अर्शदीप सिंह के रूप में अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है लेकिन मुंबई के खिलाफ पिछले मैच में वह अपने 214 रन के स्कोर का बचाव नहीं कर पाए थे। मुंबई के बल्लेबाजों ने उनके खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाया था और केकेआर के बल्लेबाजों को इसी तरह का रवैया अपनाना होगा। पंजाब की बल्लेबाजी लियाम लिविंगस्टोन, शिखर धवन और विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा पर निर्भर है और केकेआर को इन तीनों पर लगाम कसने की कोशिश करनी होगी।

टीम इस प्रकार हैं:

कोलकाता नाइट राइडर्स: नीतीश राणा (कप्तान), जेसन रॉय, रहमानुल्लाह गुरबाज, वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, शार्दुल ठाकुर, लोकी फर्ग्यूसन, उमेश यादव, टिम साउदी, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, अनुकूल रॉय, रिंकू सिंह, एन जगदीसन, वैभव अरोड़ा, सुयश शर्मा, डेविड वीज, कुलवंत खेजरोलिया, मनदीप सिंह और आर्या देसाई।

पंजाब किंग्स: शिखर धवन (कप्तान), शाहरुख खान, मैथ्यू शॉर्ट, प्रभसिमरन सिंह, भानुका राजपक्षे, जितेश शर्मा, गुरनूर सिंह बराड़, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व तायडे, अर्शदीप सिंह, बलतेज सिंह, नाथन एलिस, कगिसो रबाडा, राहुल चाहर, हरप्रीत बराड़, सैम कुरेन, सिकंदर रजा, हरप्रीत भाटिया, विद्वाथ कावेरप्पा, मोहित राठी, शिवम सिंह। मैच शुरू: भारतीय समयानुसार शाम 7.30 बजे।

कोहली की पारी से टी20 में एंकर की घटती भूमिका फिर चर्चा में

भाषा। नई दिल्ली

विराट कोहली की इंडियन प्रीमियर लीग मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 46 गेंदों पर खेली गई 55 रन की पारी से टी-20 प्रारूप में पारी संवारने वाले बल्लेबाजों यानि एंकर की घटती भूमिका को लेकर फिर से बहस शुरू हो गई है।

कोहली की इस पारी के बावजूद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की टीम को इस मैच में हार का सामना करना पड़ा। दिल्ली ने फिल सॉल्ट की बड़ी अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 गेंद शेष रहते ही यह मैच जीत लिया था।

आरसीबी का मध्यक्रम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है और ऐसे में कोहली का आखिर तक टिके रहने का रवैया सही माना जा सकता है लेकिन इससे उनकी टीम को कम से कम 20 रन का नुकसान हुआ जो कि फिरोज शाह कोटला में उनकी टीम के लिए विजई स्कोर हो सकता था। कोहली ने पहली 18 गेंदों पर केवल 19 रन बनाए थे।

इससे साफ जाहिर होता है कि टीमों को अगर पावर प्ले में अच्छा स्कोर बनाना है तो उसे आक्रामक बल्लेबाजी करनी होगी। ऐसे में पारी सवारने वाले बल्लेबाजों की भूमिका गौण हो जाती है। दिल्ली के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग इस सत्र के शुरू में टी20 में एंकर की भूमिका पर संदेह व्यक्त कर चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व कप्तान ने कहा था, मेरा मानना है कि अगर आपके पास आक्रामक और पावरफुल बल्लेबाज हैं तो वह एंकर की भूमिका निभाने के लिए अपना खेल बदल सकते हैं लेकिन पारी संवारने वाले की भूमिका निभा रहा बल्लेबाज बमुश्किल ही 200 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाएगा। इस साल अगर कोई खिलाड़ी ऐसा कर सकता है तो वह अजिंक्य रहाणे है।

पोंटिंग ने कहा मुझे लगता है कि एंकर की भूमिका घटती जा रही है। यह क्रीज पर उतरने वाले बल्लेबाज पर निर्भर करता है क्योंकि कई बार आपको वैसी शुरुआत नहीं मिलती जैसे आप चाहते हैं और ऐसे में आपको अपनी भूमिका बदलने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

हम 180-190 रन का बचाव करने की मानसिकता के साथ उतरे थे: राशिद

भाषा। अहमदाबाद

गुजरात टाइटंस ने लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ दो विकेट पर 227 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया लेकिन उप कप्तान राशिद खान ने कहा कि उनकी टीम 180-190 रन के स्कोर का बचाव करने की मानसिकता के साथ उतरी थी क्योंकि इंपेक्ट प्लेयर के नियम के लागू होने के बाद कोई भी स्कोर सुरक्षित नहीं है।

टाइटंस ने सुपर जाइंट्स को 56 रन से हराया लेकिन राशिद ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हार का जिक्र किया जब 204 रन के लक्ष्य पीछा करते हुए रिंकू सिंह ने अंतिम ओवर में पांच छक्के जड़कर अपनी टीम को जीत दिलाई।

राशिद ने रविवार को मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, यह हमारे लिए शानदार जीत है लेकिन आप टी20 में कुछ कह नहीं सकते, टी20 में कभी - कभी 230-240 का स्कोर भी कम पड़ जाता है। आपको शत प्रतिशत प्रयास करने के लिए पूर्ण रूप से एकाग्र होना चाहिए और गेंदबाजी के लिए आते हुए हमने इसी पर चर्चा की। उन्होंने कहा, एक टीम के रूप में हम अपने दिमाग में यह बात रखते हैं कि हम 180-190 रन के स्कोर का बचाव कर रहे हैं।

कोच्चर कोरिया में 26वें स्थान पर

सियोंगनैम (कोरिया)। भारत के करणदीप कोच्चर ने अंतिम दिन एक ओवर 72 के स्कोर से यहां जीएस कैलटेक्स मेकयुंग गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 26वां स्थान हासिल किया। कोच्चर ने 69, 69 और 72 के स्कोर से कुल तीन अंडर 210 का स्कोर बनाया।

अनुभवी जीव मिल्खा सिंह अंतिम दौर में 71 के स्कोर से कुल एक अंडर 212 के स्कोर के साथ संयुक्त 36वें स्थान पर रहे।

अन्य भारतीयों में हनी बैसोया (69, 72 और 73) संयुक्त 51वें जबकि गगनजीत भुल्लर (72, 70 और 76) संयुक्त 68वें स्थान पर रहे।

कोरिया के चेनमिन जुंग ने अंतिम दौर में पांच अंडर 66 के स्कोर से कुल 16 अंडर के स्कोर के साथ छह शॉट से खिताब अपने नाम किया।

ओलंपिक पदकधारी को हराकर दीपक भोरिया विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में

भाषा। ताशकंद

तेजी से उभरते हुए भारतीय मुक्केबाज दीपक भोरिया ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए रविवार को यहां विश्व चैंपियनशिप के 51 किग्रा प्री-क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान के तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता सकेन बिबोसिनोव को हराया।

पहले दो राउंड में बंटे हुए फैसले से पीछे चल रहे दीपक अंतिम तीन मिनट में शानदार प्रदर्शन करते हुए बाउट रिव्यू के बाद विजेता बनकर उभरे। दीपक को इस टूर्नामेंट में विश्व चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल की जगह चुना गया था। भारतीय खिलाड़ी ने 2021 विश्व चैंपियन बिबोसिनोव के खिलाफ प्री-क्वार्टर फाइनल में 5-2 से जीत दर्ज की।

दो बार के राष्ट्रमंडल पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) ने रूस के एडवर्ड सविन पर 5-0 से जीत के साथ अगले दौर में जगह बनाई। सुमित कुंडू (75 किग्रा) और नरेंद्र बेरवाल (92 किग्रा से अधिक) का सफर हालांकि हार के साथ खत्म हो गया।

दीपक ने बाउट की शुरुआत थोड़े धीमे तरीके से की लेकिन उन्होंने जल्दी ही लय हासिल कर ली। उन्होंने विरोधी मुक्केबाज को कुछ अच्छे पंच लगाए लेकिन 2-3 से पिछड़ गए।

दूसरे दौर में भी पिछड़ने के बाद दीपक ने तीसरे दौर में लय हासिल की और प्रतिद्वंद्वी मुक्केबाज को कुछ दमदार मुक्के जड़कर जजों को प्रभावित किया।

दीपक ने यादगार जीत दर्ज करने के बाद कहा, मेरा लक्ष्य बाउट की शुरुआत से ही धैर्य के साथ खेलना और अधिक से अधिक अंक जुटाना था। पहले दो दौर कठिन थे लेकिन मैंने संयम बनाए रख था और आक्रमण करने के लिए सही समय का इंतजार कर रहा था।

दीपक अपने अगले मुकाबले में चीन के झांग जियामाओ से भिड़ेंगे।

हुसामुद्दीन ने अपनी बाउट की शुरूआत से ही दबदबा बनाए रखा। उन्होंने रूस के खिलाड़ी को तीनों दौर में पछाड़कर सर्वसम्मत फैसले से जीत दर्ज की।

सुमित ने रूस के पावेल सोसुलिन के खिलाफ शुरुआती दो दौर में दबदबा बनाने के बाद तीसरे दौर में लय कायम नहीं रख सके। उन्हें 1-3 से हार का सामना करना पड़ा।

दूसरी ओर नरेंद्र क्यूबा के फर्नांडो अर्जोला के खिलाफ संघर्ष करते दिखे। अर्जोला ने भारतीय मुक्केबाज को ज्यादा मौके नहीं दिए और 5-0 से जीत दर्ज की।